ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • श्रावण शुक्ल पक्ष 08 • विक्रम संवत 2080 • मंगलवार, 25 जुलाई 2023 • वर्ष-24 • अंक- 172 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

सुपरहिट होने के बाद भी 'गदर' नहीं दे सका ...
पेज 12 पर

पहाड़ी मंदिर सहित अन्य शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के सावन मास की तीसरी सोमवारी को लेकर पहाड़ी मंदिर सहित अन्य शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ गई। सुबह से ही ओम नमः शिवाय , हर हर शंभू के बज रहे गानों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। लोग बाबा भोलेनाथ को जल अर्पण कर सुख, समृद्धि और स्वस्थ रहने की कामना की। रांची से कांके, कोकर, बूटी, बरियातू, हिनू, चुटिया के सुरेश्वर धाम, किशोरगंज, हरमू लालपुर, दीपा टोली सहित अन्य शिवालयों में लोग सुबह से ही भोलेनाथ की पूजा अर्चना करते दिखे। वहीं दूसरी ओर पहाड़ी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुरक्षा को लेकर पुलिस की तैनाती की गई थी।

बोल बम के जयकारों से गुंजायमान बाबा बैद्यनाथ धाम : उधर, सावन की तीसरी सोमवारी को लेकर देवघर श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। इसके अलावा बांग्ला सावन की पहली सोमवारी होने के कारण भी कई अन्य राज्यों से भक्त यहां आये थे। ब्रम्ह मुहूर्त में मंदिर का कपाट खुलने के साथ बाबा पर जलार्पण किया। बाबा बैद्यनाथ धाम भक्तों के बोल बम और शिवधुन के जयकारों से गुंजायमान रहा।

श्रावणी मेला 2023 के अवसर पर यह पहली बांग्ला सोमवारी भी थी, जिसको लेकर मंदिर में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखने को मिली। मलमास होने के कारण बिहार के लोग कम दिखे। लेकिन बांग्ला सावन की पहली सोमवारी होने के कारण बंगाल असम सहित नॉर्थ ईस्ट के श्रद्धालु ज्यादा दिखे। सोमवार को 03:53 मिनट से अरघा सिस्टम से जलार्पण शुरू हो गया। साथ ही बीएड कॉलेज से होकर कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया।

सावन में बाबा नगरी आने वाले लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाओं को पूर्व से ही मजबूत कर लिया है। बाबा नगरी आने वाले किसी भी श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, कचड़ा उठाव, स्वास्थ्य सुविधा, सूचना सह सहायता केंद्र कार्य कर रहे हैं।

बाबा धाम के तीर्थ पुरोहित दुर्लभ मिश्र बताते हैं कि भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने के लिए कोई तिथि या दिन नहीं देखा जाता है। लेकिन सोमवार के दिन भोलेनाथ की पूजा कर बेल पत्र अर्पण करने से भोलेनाथ अत्यंत प्रश्न होते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मलमास का पहला सोमवार है और आज ही के दिन समुद्र से कष्ट तत्व मणि निकला था। और इस सोमवारी में जो भी श्रद्धालु अन्न दान, गोदान, फलदान करता है, उसे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। मलमास के दौरान ज्योतिर्लिंग की पूजा करना सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इसका एक अलग ही महत्व होता है और ग्रह दोष का भी निवारण हो जाता है।

राज्य में पेपर लीक करने पर होगा एक करोड़ जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता। रांची

प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल पर अंकुश के लिए झारखंड सरकार सख्त कानून लाने जा रही है। इसके तहत पेपर लीक करने के दोषियों पर एक करोड़ का जुर्माना, 10 साल की जेल और दस लाख रुपए तक जुर्माना लगाने का प्रावधान होगा। नकल करने वाले परीक्षार्थियों पर भी एक लाख जुर्माना और तीन साल तक की जेल का प्रावधान होगा। सरकार ने नकल विरोधी कानून का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इससे संबंधित विधेयक इसी महीने होने वाले विधानसभा के मॉनसून सत्र में पेश किया जाएगा। ड्राफ्ट के मुताबिक, पेपर लीक करने के दोषी व्यक्तियों, प्रिंटिंग प्रेस, कोचिंग संस्थान, सर्विस प्रोवाइडर, प्रबंधन की संपत्ति भी जब्त की जाएगी। इसी तरह कोई छात्र नकल का दोषी पाया जाता है तो उसे अगले दो साल तक प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने से डिबार किया जाएगा। सीएम हेमंत सोरेन ने पिछले हफ्ते एक जनसभा में भी कहा था कि राज्य में प्रतियोगी परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता से आयोजित हों और किसी भी मेधावी अभ्यर्थी के साथ अन्याय न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए हम नकल विरोधी कानून ला रहे हैं। बता दें कि फिलहाल राज्य में झारखंड एग्जाम कंडक्ट रूल 2001 लागू है, जिसके तहत पेपर लीक और नकल के मामलों में मामूली दंड और जुर्माने का प्रावधान है।

सीएम ने अधिकारियों को किया सम्मानित, बोले

प्रोन्नति की रुकावटें दूर

राज्य सरकार के कर्मियों को उनका अधिकार देने का काम कर रहे हैं

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय के सभागार में आयोजित पिपिंग सेरेमनी कार्यक्रम में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में नवप्रोन्नत राज्य पुलिस सेवा के 24 पुलिस अधिकारियों को बैज लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए सुनहरा अवसर तथा ऐतिहासिक क्षण है, जब झारखंड पुलिस सेवा के 24 अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग में कई बार फाइल मूवमेंट के समय अधिकारियों द्वारा यह बताया गया कि राज्य पुलिस सेवा के प्रोन्नति से संबंधित फाइल सांप-सीढ़ी की तरह ऊपर-नीचे हो रही है। कार्यपालिका नियम-कानून के तहत अपना कार्य कर रही है, परंतु प्रोन्नति से संबंधित फाइल तेज गति से आगे नहीं बढ़ रही है। मेरी जिज्ञासा थी कि आखिर प्रोन्नति कब मिलेगी, राज्य सरकार द्वारा इस पर गंभीरता पूर्वक कार्य किया गया आज प्रोन्नति का सुखद क्षण हमारे बीच आया और राज्य पुलिस सेवा के 24 अधिकारियों का भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में प्रोन्नति मिलने का सपना पूरा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के इतिहास में पहली बार यह क्षण आया है जब इतनी बड़ी संख्या में राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत हुए 24 अधिकारियों में से दो ऐसी महिला अधिकारी सरोजिनी लकड़ा एवं अमेल्डा एक्का हैं, जो महज कॉन्स्टेबल पद से आईपीएस बनने तक का लम्बा सफर तय किया है। इन दोनों महिला आईपीएस अधिकारियों का ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कृषि-पशुपालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी : सीएम

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि कृषि और पशुपालन के रास्ते ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। जब तक किसान और पशुपालक सशक्त नहीं बनेंगे, राज्य विकास के रास्ते पर तेजी से आगे नहीं बढ़ेगा। इस वजह से कृषि एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। उन्हें इन योजनाओं का पूरा लाभ मिले, इस दिशा में धरातल पर ठोस कार्य होगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से संचालित योजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा के दौरान अधिकारियों को कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा किसान पाठशाला को एक विद्यालय की तरह स्थापित करें। यह सेंटर ऑफ एग्रीकल्चर मूवमेंट हो सकता है। ऐसे में यहां किसानों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण और कार्यशाला का आयोजन होना चाहिए । किसानों को यहां उन्नत और बहु वैकल्पिक कृषि की जानकारी दी जाए। किसानों को किसान पाठशाला में लाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं किसानों को अगल बगल के गांवों, प्रखंडों और जिलों का भी भ्रमण कराया जाए, ताकि दूसरे किसानों द्वारा की जाने वाले कृषि कार्यों से भी अवगत हो सकें। सीएम ने विभाग के अधिकारियों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को केसीसी से आच्छादित करने के साथ केसीसी लोन उपलब्ध कराने की पहल करें।

कृषि उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं को तलाशें

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य में कई ऐसे कृषि और वनोपज हैं, जिसकी अच्छी पैदावार होती है लेकिन किसानों को उसका उचित लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे में इन कृषि उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ उसके निर्यात की संभावनाओं को तलाशें। इसके साथ एग्रो इंडस्ट्रीज को भी बढ़ावा देने की दिशा में कार्य योजना बनाएं।

लैम्प्स- पैक्स को मजबूत करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लैम्प्स और पैक्स को मजबूत करने की दिशा में सरकार काम कर रही है लेकिन कई लैम्प्स -पैक्स के भवन काफी जर्जर हालात में हैं। इन भवनों का मरम्मत सुनिश्चित करें और इसकी उपयोगिता को किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में जो भी कोल्ड स्टोरेज बन रहे हैं, वहां एप्रोच रोड के साथ बिजली -पानी की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि उसका इस्तेमाल सही तरीके से हो सके।

एससी ने ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आदेश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण की अनुमति देने वाले वाराणसी अदालत के निर्देश को बुधवार शाम पांच बजे तक लागू नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपील के लिए अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी को कुछ समय दिया जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला व न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मस्जिद प्रबंधन समिति को वाराणसी जिला न्यायालय द्वारा पारित आदेश को चुनौती देने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में जाने की अनुमति दी।

गैस सिलेंडर फटा, 10 लोग झुलसे, पांच की स्थिति गंभीर

नवीन मेल संवाददाता। पलामू

जिले के हरिहरगंज के शहरी इलाके अररूआखुर्द जामा मस्जिद के समीप खाना पकाने के दौरान गैस लिकेज के बाद आग लगकर एक सिलेंडर फट गया, जिससे 10 लोग बुरी तरह झुलस गए। इसमें पांच की स्थिति गंभीर है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में इलाज के बाद निजी एम्बुलेंस से सभी को रेफर किया गया है। सीएचसी में इलाज के दौरान दवा और एम्बुलेंस नहीं मिलने पर लोगों ने हंगामा किया। अस्पताल को दो सरकारी एम्बुलेंस मुहैया कराई गई है, लेकिन दोनों लंबे समय से खराब रहने का

हवाला देकर अस्पताल परिसर में नहीं लग रही हैं। हालांकि बाद में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास ने दवा खरीदकर सभी लोगों को दी और निजी एम्बुलेंस बुलाकर सभी को बेहतर इलाज के लिए भेजा। सिलेंडर फटने के बाद मकान में आग भी लग गई, जिससे लाखों की संपत्ति भी जलकर नष्ट हो गई। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे टेलर मास्टरा मो. आजम रिजवी के घर में रसोई गैस पर नाश्ता पकाया जा रहा था। इसी बीच सिलेंडर में गैस रिसाव होने के कारण आग लग गई। सँकिर्ण मकान होने के कारण सिलेंडर में आग लगने पर घर के कुछ लोग अंदर फंसकर रह गए। इसी बीच आग लगने की खबर आसपास फैली तो कई लोग मो. आजम के घर पहुंचे और बरामदानुमा कमरे में खड़े थे। इसी क्रम में अचानक से गैस सिलेंडर विस्फोट कर गया, जिससे करीब 10 लोगों की चेहरे और कमर का उपरी हिस्सा बुरी तरह झुलस गया।

गैंग्स ऑफ एदलहातु पहुंचा सलाखों के पीछे

कुख्यात बीड़ी, अभिषेक मल्लिक और शुभम विश्वकर्मा गिरफ्तार

पुलिसवाले का बेटा है बीड़ी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पिछले एक साल से रांची पुलिस के लिए वांटेड बने कुख्यात रोहित मुंडा उर्फ बीड़ी को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया। बीड़ी के साथ साथ कुख्यात मल्लिक और शुभम विश्वकर्मा भी पकड़े गए है। तीनों को रांची पुलिस और एटीएस की संयुक्त कारवाई में गिरफ्तार किया गया है। एटीएस सूत्रों ने तीनों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। राजधानी के एदलहातु बेखौफ हो कर तीन हत्या और कई गोलीबारी की वारदात को अंजाम देने वाले रोहित मुंड उर्फ बीड़ी, शुभम विश्वकर्मा और अभिषेक मलिक को एटीएस ने रांची पुलिस के सहायता से गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार रोहित मुंडा और अभिषेक मल्लिक को बोकारो से गिरफ्तार किया गया है वही शुभम विश्वकर्मा को रांची से गिरफ्तार किया गया है।रोहित मुंडा और अभिषेक मल्लिक रांची पुलिस के वांटेड 120 की लिस्ट में शामिल थे। एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को हरमू मुक्तिधाम से शुभम विश्वकर्मा को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में एटीएस को यह जानकारी मिली कि बीड़ी और मल्लिक बोकारो में पनाह लिए हुए है। जिसके बाद आनन फानन में एटीएस और रांची पुलिस की एक टीम रविवार की देर रात बोकारो पहुच गई, जहां सेक्टर आठ के एक मकान में पनाह लिए बीड़ी और मल्लिक को बोकारो पुलिस की सहायता से धर दबोचा गया।

कुख्यात रोहित मुंडा उर्फ बीड़ी झारखण्ड पुलिस में कार्यरत एक हवलदार का बेटा है। बीड़ी कुख्यात कालू लामा गिरोह का मुख्य शूटर था, लामा की हत्या लव कुश गैंग के द्वारा कर दी गई थी जिसके बाद बीड़ी ने आतंक मचा रखा था।लामा का बदला लेने के लिए बीड़ी ने अपने साथियो के साथ रांची में सड़कों पर खुलेआम गोलियां चला कर हत्याएं की।रांची के बरियातू थाना क्षेत्र के एदल हातु में जमीन कारोबारी धवन राम ,बिट्टू खान की हत्या बीड़ी के द्वारा भीड़ के बीच की गई, वही कई लोगो पर बीड़ी गिरोह ने जानलेवा हमला भी किया। पुलिस को यह भी जानकारी मिली थी कि बीड़ी गिरोह के द्वारा कुछ और लोगो की हत्या की जानी है जिसके बाद एटीएस और रांची पुलिस लगातार बीड़ी गैंग के पीछे पड़े हुए थे।

तारा शाहदेव मामले में कोहली, मुश्ताक की ओर से होगी बहस

रांची। सीबीआई कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सोमवार को नेशनल शूटर तारा शाहदेव से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष रकीबुल हसन उर्फ रंजीत कोहली और मुश्ताक अहमद की ओर से बहस करने के लिए समय देने की मांग की गयी। इसपर कोर्ट ने दोनों आरोपितों को बहस के लिए एक अगस्त का समय दिया है। कोर्ट ने आरोपितों को एक सप्ताह में बहस पूरी कर लेने का निर्देश दिया है। इस केस में सीबीआई की ओर से बहस पूरी कर ली गयी है। इस मामले में मुख्य आरोपित रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल के अलावा हाई कोर्ट के बर्खास्त पूर्व रजिस्ट्रार मुश्ताक अहमद और कोहली की मां कौशल रानी ट्रायल फेस कर रहे है। रंजीत कोहली और तारा शाहदेव की शादी सात जुलाई 2014 को हुई थी। शादी के बाद ही मारपीट एवं उत्पीड़न की घटनाएं होने लगी थी। सीबीआई ने हाईकोर्ट के आदेश पर 2015 में केस टेक ओवर किया था।

भारतीय रॉकेट पीएसएलवी 30 को सिंगापुर के 7 उपग्रहों के साथ भरेगा उड़ान

प्रक्षेपण देखने के लिए होगा पंजीकरण

एजेंसी। चेन्नई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 30 जुलाई को अपने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) का उपयोग करके सिंगापुर के सात उपग्रहों को लॉन्च करेगा। इसरो सोमवार शाम से प्रक्षेपण देखने के इच्छुक लोगों का पंजीकरण शुरू करेगा। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, पीएसएलवी-सी56 कोड वाला पीएसएलवी रॉकेट मुख्य रूप से लगभग 360 किलोग्राम वजनी सिंगापुर के डीएस-एसएआर उपग्रह को ले जाएगा। अन्य छह छोटे उपग्रह वीईएलओएक्स-एएम, एआरसीएडीई, एससीओओबी-दो, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर से हैं; एनयूएलआईओएन, एनयू स्पेश पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर से संबंधित है, गैलासिया-2, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से और ओरआरबी-12 एसटीआरआईडीईआर एलिना पीटीई, लिमिटेड, सिंगापुर है। इसरो ने कहा कि

पीएसएलवी-सी56 रॉकेट को प्रारंभिक उड़ान चरण के दौरान अतिरिक्त जोर देने के लिए अतिरिक्त स्ट्रैप-ऑन मोटर्स के बिना इसके कोर-अलोन मोड में कॉनफि गर किया गया है। यह डीएस-एसएआर उपग्रह को 5 डिग्री झुकाव और 535 किमी की ऊंचाई पर निकट-भूमध्यरेखीय कक्षा (एनईओ) में लॉन्च करेगा। डीएस-एसएआर उपग्रह डीएसटीए (सिंगापुर सरकार का प्रतिनिधित्व) और एसटी इंजीनियरिंग के बीच साझेदारी के तहत विकसित किया गया है। एक बार तैनात और चालू होने के बाद, इसका उपयोग सिंगापुर सरकार के भीतर विभिन्न एजेंसियों की उपग्रह इमेजरी आवश्यकताओं का सहयोग करने के लिए किया जाएगा। एसटी इंजीनियरिंग अपने वाणिज्यिक ग्राहकों के लिए मल्टी-मॉडल और उच्च प्रतिक्रियाशीलता इमेजरी और भू-स्थानिक सेवाओं के लिए इसका उपयोग करेगी। डीएस-एसएआर इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) द्वारा विकसित सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) पेलोड रखता है। यह डीएस-एसएआर को हर मौसम में दिन और रात की कवरेज प्रदान करने की अनुमति देता है, और पूर्ण पोलारिमेट्री पर एक मीटर रिजॉल्यूशन पर इमेजिंग करने में सक्षम है। दूसरी ओर, वीईएलओएक्स-एएम, एक 23 किलोग्राम प्रौद्योगिकी प्रदर्शन माइक्रोसैटेलाइट है, आर्केड एटमॉस्फेरिक कपलिंग एंड डायनेमिक्स एक्सप्लोरर (आर्केड) एक प्रायोगिक उपग्रह है; एससीओओबी-दो, एक 3यू नैनो उपग्रह, जो एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शक पेलोड उड़ा रहा है। एनयूस्पेश द्वारा एनयूएलआईओएन, एक उन्नत 3यू नैनो उपग्रह, जो शहरी और दूरस्थ दोनों स्थानों में निर्बाध आईओटी कनेक्टिविटी को सक्षम करता है। इसरो ने कहा, गैलासिया-2, एक 3यू नैनो उपग्रह जो पृथ्वी की निचली कक्षा में परिक्रमा करेगा और ओआरबी-12 ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

देवघर डीसी के खिलाफ कार्रवाई पर 16 अगस्त तक रोक बरकरार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस संजय प्रसाद की कोर्ट ने देवघर के डीसी मंजूनाथ के खिलाफ कार्रवाई पर रोक बरकरार रखते हुए मामले की अगली सुनवाई 16 अगस्त निर्धारित की है। सांसद निशिकांत दुबे को अगस्त, 2022 में प्लेन से दिल्ली जाने के क्रम में देवघर एयरपोर्ट में रोकने के खिलाफ दिल्ली में दर्ज जीरो एफआईआर को निरस्त करने को लेकर देवघर के डीसी मंजूनाथ भजंत्री की याचिका पर आज आंशिक सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से समय की मांग की गई, जिसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 16 अगस्त निर्धारित की। पिछली सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से बताया गया था कि दिल्ली में दर्ज कराई गई जीरो एफआईआर झारखंड पुलिस को सौंप दी गई है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता मंजूनाथ के खिलाफ कार्रवाई पर रोक अगली सुनवाई तक जारी रखी है।

आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडर घायल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पश्चिमी सिंहभूम के कोल्हान वन प्रमंडल में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान हुए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेट चंद्र प्रताप तिवारी जख्मी हो गए। घटना के तुरंत बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रांची स्थित एक निजी अस्पताल में लाया गया है। आईईडी विस्फोट सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे कोल्हान वन प्रभाग के टोंटो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका गांव के पास एक जंगल में हुआ। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने कहा कि घायल असिस्टेंट कमांडेंट का इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। इससे पहले 17 जुलाई को कोल्हान वन प्रभाग के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाथीबुरू और कुइदा के

बीच एक कच्ची सड़क पर आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन के एक अधिकारी देवेंद्र कुमार घायल हो गए थे। नक्सलियों ने पूरे कोल्हान प्रमंडल में कई स्थानों पर आईईडी और विस्फोटक बिछा रखे हैं। पुलिस और सीआरपीएफ ने पिछले छह महीने के दौरान इस इलाके से बड़ी तादाद में आईईडी बरामद भी किए हैं। हालांकि इन अभियानों के विस्फोटों में अब तक डेढ़ दर्जन से अधिक सीआरपीएफ जवान घायल हो गए हैं और लगभग एक दर्जन ग्रामीण मारे गए हैं।

यूपीएससी के सफल छात्र क्षितिज वर्मा पहुंचे चाणक्य आईएएस एकेडमी

अभ्यर्थियों से हुए रूबरू, साझा किया अपना अनुभव

नवीन मेल संवाददाता। रांची

यूपीएससी में 366वां रैंक लाकर सफलता हासिल करने वाले चाणक्य आईएएस एकेडमी से तैयारी पूर्ण करने वाले क्षितिज वर्मा संस्थान के रांची शाखा पहुंचे और यूपीएससी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने सफलता के अनुभव साझा किए। उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी कैसे किया जाए ताकि सफलता आसानी से हासिल हो, इसे लेकर कई अहम सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सिर्फ किताबी ज्ञान सफलता के लिए आवश्यक नहीं है। लगातार अभ्यास पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जो अभ्यर्थी यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं उन्हें ऑप्शनल एवं निबंध पेपर पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए मार्गदर्शन आवश्यक है और उसके लिए कोचिंग की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि चाणक्य आईएएस एकेडमी से तैयारी करने के बाद कोचिंग की अहमियत का एहसास हुआ। अभ्यर्थियों से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि आप अपनी भाषा में नोट्स बनाएं, एनसीईआरटी की किताबों का गहनता से अध्ययन करें और समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालें। साथ ही कैरेंट अफेयर्स की पत्रिका का भी नियमित अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन अध्ययनों से ही आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हमारा पहला प्रयास ही सफलता की मंजिलों तक पहुंचा दे, हमें इसके लिए कई सीढ़ियों का सफर तय करना पड़ता है। इसलिए हमेशा खुद को सुधारने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। वहीं चाणक्य आईएएस एकेडमी के वाइस प्रेसिडेंट विनय मिश्रा ने चाणक्य आईएएस एकेडमी के 30 वर्षों के सफर का अनुभव अभ्यर्थियों से साझा करते हुए कहा कि संस्थान से 30 वर्षों के दौरान सेलेक्ट ऑफिसर्स के बारे में बताया कि संस्थान से तैयारी कर आज कैसे वह देश-दुनिया का रौशन कर रहे हैं। उन्होंने क्षितिज वर्मा को भविष्य में अपने और संस्थान का नाम रौशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने मौजूद अभ्यर्थियों को बताया कि अगर वह बिना रुके बिना थके एक ही लक्ष्य की ओर चलेंगे और बीच में नहीं छोड़ेंगे तो सफलता निश्चित रूप से मिलेगी और ऐसे में भगवान भी उनके साथ होते हैं। वहीं संस्थान की जनरल मैनेजर रीमा मिश्रा ने सिविल सेवा के क्षेत्र में झारखंड अव्वल स्थान पर आए, इसी उद्देश्य के चाणक्य आईएएस एकेडमी आगे की दिशा में बढ़ यहा है।

बेड़ो थाना में शांति समिति की हुई बैठक

बेड़ो। मुहर्रम पर्व को लेकर सोमवार को बेड़ो थाना परिसर में शांति समिति की बैठक बीडीओ डा प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मौके पर बीडीओ ने शांति व्यवस्था बहाल करने में जनप्रतिनिधियों,बुद्धिजीवियों, सामाजिक,राजनीतिक दलों के कार्यकताओं से सहयोग की अपील की। उन्होंने मुहर्रम के पर्व को शांति,सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील किया। वहीं थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेम्ब्रम ने कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान शांति व्यवस्था हर हाल में बनाये रखना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से चाक चौबंद व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले को चिन्हित कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने सदर अस्पताल में किया पौधरोपण

रांची। पर्यावरण संरक्षण पौधरोपण कार्यक्रम के तहत रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा मेन रोड स्थित रांची सदर अस्पताल के विभिन्न स्थानों में पौधारोपण किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में चंदन, रंगन, कनेल, नींबू, आम, कचनार, मीठा नीम, गुलमोहर, चंपा, रातरानी सहित 50 से भी अधिक फलदार, छायादार, फूलों एवं अन्य कई प्रकार के पौधा का पौधारोपण किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में रांची सदर अस्पताल के उपाधीक्षक अनिल कुमार खेतान ने मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण अहम पहल है। पर्यावरण की रक्षा करना सभी का दायित्व है, क्योंकि जीवनदायिनी ऑक्सीजन का एकमात्र स्रोत वृक्ष ही है, मानव जीवन वृक्षों पर ही निर्भर है यदि वृक्ष नहीं रहेंगे तो धरती पर जीवन संकट में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों को इस बात के लिए जागरूक किया जाए कि पर्यावरण का सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से है। तथा पर्यावरण की स्वच्छता और शुद्ध हवा से सीधा संबंध है दोनों मानव स्वास्थ्य के लिए आधार का काम करते हैं तथा पर्यावरण प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य बिगड़ता है। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के लिए जगह-जगह हम सभी मिलकर वृक्ष लगाये। पर्यावरण संरक्षण वायु, जल और भूमि प्रदूषण को कम करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने व्यक्तिगत पारिवारिक और सामाजिक पर्वो उत्सवों पर अधिक से अधिक पौधरोपण करें और प्राकृतिक संतुलन बनाने में सहयोग करें पर्यावरण संरक्षण से ही मानव जाति की सुरक्षा है। जिला मारवाड़ी सम्मेलन आगे भी वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाएगी। कार्यक्रम का संचालन संयोजक किशन अग्रवाल ने की व धन्यवाद- ज्ञापन रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री ललित कुमार पोद्दार ने की।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन कार्यालय का किया निरीक्षण

रांची। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने आज दिनांक- 24 जुलाई 2023 को जिला कुष्ठ निवारण केंद्र एवं यक्ष्मा केंद, सिविल सर्जन कार्यालय रांची का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन (सदर) डॉ. विनोद कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी रांची, श्री डॉ. शशि भूषण खलखो एवं जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी रांची, एआर मुस्तफी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी रांची, डा. साबरी, डीआरसीएचओ अमिम मांझी और डीपीसी राकेश राम एवं संबंधित सभी अधिकारी/कर्मी मौजूद थे। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा सिविल सर्जन कार्यालय के निरीक्षण क्रम लेखा शाखा, आयुष्मान शाखा, पीसीपीएन डीटी शाखा, गंभीर बीमारी सेल, स्थापना शाखा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, दिव्यांग शाखा का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारी से विस्तृत जानकारी लेते हुए सभी संबंधित अधिकारी को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उपायुक्त रांची, ने गंभीर बीमारी से संबंधित जितने मामलें सिविल सर्जन कार्यालय में आते हैं, उसपर त्वरित कार्रवाई करते हुए वैसे मरीजों को ससमय लाभ मिल सकें इसपर विशेष ध्यान देने को कहा। टीबी के मरीजों को मुफ्त जांच एवं दवाएं दी जा रही हैं। टीबी मरीजों को प्रतिमाह उनके खाता में राशि का भुगतान किया जा रहा हैं। टीबी के मरीजों को पोषण आहार सहायता के रूप में फूड बास्केट का वितरण किया जा रहा हैं। जिसपर उपायुक्त, राँची द्वारा संतोष जाहिर करते हुए, संबंधित अधिकारी को टीडूबीडू मरीजों को फूड बास्केट वितरण के लिए चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स की बैठक बुलाकर फूड बास्केट उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जायेगी।

आरटीसी कॉलेज में कैंसर के प्रति किया गया जागरूक

रांची। आरसीसी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के तहत सोमवार को कैंसर जागरुकता अभियान 2023 का आयोजन किया गया। इससे पहले सुबह में कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा कॉलेज से शास्त्री चौक तक कैंसर जागरुकता रैली निकाली। अभियान में एसएजी कैंसर अस्पताल इरबा के डॉ आफताब आलम, डॉ सतीश शर्मा, डॉ देवाशीष राय ने कैंसर के संबंध में छात्र-छात्राओं और उदय मेमोरियल बीएड कॉलेज के छात्र-छात्राओं और कॉलेज के लोगों को जानकारी दी। डॉक्टरों ने कहा कि कैंसर से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहां कि कैंसर के चार स्टेट्स होते हैं। एक और दो स्टेज के कैंसर में 10 में सात मरीज ठीक एक हो जाते हैं। वहीं स्टेज तीन और चार में 10 में तीन मरीज ठीक होते हैं। शुरूआत में कैंसर का पता चलने से उसे शत-प्रतिशत ठीक किया जा सकता है। भारत में 15 लाख प्रतिवर्ष कैंसर के मरीज चिह्नित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व सांसद रामटहल चौधरी कॉलेज के डायरेक्टर डॉ पारसनाथ महतो और प्रिंसिपल डॉ भीम महतो, प्रोफेसर रामकुमार महतो, आरएन पांडेय, मनोरंजन कुमार और इकबाल अंसारी आदि शामिल हुए।

बेड़ो बस्ती में घर का ताला तोड़कर चोरों ने उड़ाया संपत्ति

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो बस्ती में सोमवार की शाम लगभग साढ़े पांच बजे अज्ञात चोरों ने विनोद उरांव के घर से जेवर व नगदी लेकर फरार हो गए। घटना के समय विनोद दुकान में था मां शांति उरांव बाजार गई थी वही पत्नी खेत गई हुई थी। वहीं चोरों ने घात लगाकर बंद घर को अपना निशाना बनाया। इसी दौरान मौका पाकर चोर उनके घर में चहारदिवारी फांद कर जा घुसे। साथ ही घर की आलमीरा में रखे सोने,चांदी के जेवरातों के अलावा हजारों की राशि रुपए लेकर फरार हो गए। विनोद ने बताया कि उसकी मां जब अपने घर पहुंची तो घर के दरवाजे में लगे ताले टूटे मिले। साथ ही अंदर जाकर देखा तो कमरे के सामान बिखरे पड़े थे। घर के दोनों कमरे में रखा आलमीरा का लॉक भी टूटा हुआ था। यह देख उनके होश उड़ गए। सामानों को चेक किया तो पता लगा कि चोर घर में रखे नकद रुपये,हजारों रुपए सोनेव चांदी की जेवरात व अन्य सामान चुरा कर ले गए। उन्होंने कहा कि चोरों ने कमरे को पूरी तरह से खंगाला और घटना को अंजाम दिया। इधर बेड़ो बस्ती में हुई इस चोरी की वारदात के बाद बेड़ोवासियों में दहशत व्याप्त है।

हत्या की योजना बनाने वाले चार अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के पंडरा ओपी पुलिस ने पंडरा बाजार समिति के दुकानदार दीपक कुमार गुप्ता की हत्या की साजिश को विफल करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में दीपक का बड़ा भाई राधा नगर रोड नंबर 2 निवासी आनंद कुमार गुप्ता,पुंदाग आईएसएम चौक निवासी अल्तमस खां, रवि स्टील निवासी रितेश वर्मा और हिंदपीढ़ी कब्रिस्तान लेन निवासी शाहबाज खां शामिल है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से पुलिस ने दो देशी पिस्टल, सात जिंदा गोली और चार मोबाइल फोन बरामद किया है। एसएसपी किशोर कौशल ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दीपक के छोटे भाई आनंद ने ही संपत्ति हड़पने के लिए हत्या की साजिश रची थी। एक कार और तीन लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी गई थी। इसमें 50 हजार रुपया एडवांस भी शूटरों ने ले लिया था। दीपक के भाई आनंद ने रेकी कर अपराधियों को पूरी जानकारी दे दी थी। दीपक की हत्या करने के लिए उनके ही मोहल्ले में अपराधी रेकी कर रहे थे। इसकी सूचना एसएसपी को मिली। इसके बाद पुलिस ने टीम गठित करके रितेश वर्मा और अल्तमस खां को पकड़ा। दोनों के पास से लोडेड देशी पिस्टल और गोली बरामद किया गया। दोनों अपराधियों से पूछताछ के बाद मिली जानकारी के आधार पर पुलिस की टीम ने इस हत्याकांड की सुपारी देने वाले दीपक कुमार गुप्ता के छोटे भाई आनंद कुमार गुप्ता को उनके घर से गिरफ्तार किया। साथ ही इस घटना में शामिल एक अन्य अपराधी शाहबाज खान को हिंदपीढ़ी से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी अपराधियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

भाजपा की सरकार गरीब पीड़ित, शोषित लोगों की सरकार है : सन्नी

बेड़ो। भाजपा की सरकार गरीब, पीड़ित, शोषित लोगों की सरकार है। उक्त बातें नरेंद्र मोदी सरकार के 9 साल पुरे होने पर नैंवी साल बेमिसाल के कार्यक्रम के तहत आयोजित महा जनसंपर्क अभियान के दौरान मांडर के युवा नेता सनी टोप्पो ने संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आने के बाद से इस देश को कैसे मजबूत करें इसपर काम किया है। वहीं कार्यक्रम के दौरान मांडर की पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य के सभी 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा का परचम लहराना हमारा संकल्प है। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं से एकजुट होकर मोदी के नौवीं साल बेमिसाल के अवसर पर आयोजित महाजनसंपर्क अभियान के दौरान मोदी सरकार द्वारा जनहित में कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम भाजपा बेड़ो और नरकोपी मंडल के युवा मोर्चा के संयुक्त तत्वाधान में मोदी के नौवीं साल बेमिसाल के तहत बेड़ो प्रखंड के विभिन्न गांवों में सोमवार को महाजनसंपर्क चलाते उन्होंने मणिपुर की घटना की कड़ी भर्त्सना हुए इसे मानवता के लिए शर्मनाक बताया।

समाज में परिवर्तन लाने में छात्रों की अहम भूमिका : डॉ. जोसफ मारियानुस

नवीन मेल संवाददाता। रांची

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची में बैच 2023-25 के नए शैक्षणिक सत्र के इंडक्शन प्रोग्राम के तीसरे दिन कई सत्र हुए। अपने संबोधन में, एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने नए छात्रों से समाज में परिवर्तन लाने वाले बनने और प्रबंधन शिक्षा को वास्तविक जीवन परिदृश्यों में एकीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने उनसे ₹खुद पर विश्वास करने के लिए कहा और कहा कि, ₹हम कल क्या बनेंगे यह इस पर निर्भर करता है कि हम आज क्या कर रहे हैं।₹ उन्होंने दुनिया को आकार देने में दूरदर्शी लोगों और लीडर्सकी भूमिका पर भी सबकाध्यान केंद्रित किया। सहायक निदेशक, डॉ प्रदीप केरकेट्टाएसजेने छात्रों को जेसुइट्सएजुकेशन के संस्थापक और विशेषताओं से परिचित कराया गया और उन्हें मूल्य-आधारित शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी। छात्रों को दिए अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ₹मैजिस और क्यूरापर्सनलिस का अनुसरण करके हम बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से विकसित हो सकते हैं। उन्होंने रास्ते में मिले अवसरों के प्रति आभारी रहने और सभी के प्रति आभार जताने पर भी जोर दिया। इसके अलावा छात्रों को एक्सआईएसएस की विभिन्न समितियों जैसे एससी/एसटी समिति, आंतरिक शिकायत समिति, एंटी-रैगिंग समिति, काउंसलिंगसेवाएं और छात्र शिकायत निवारण समिति के बारे में भी बताया गया जो उनके मदद के लिए बनायीं गयी है। छात्रों को स्वयमपाठ्यक्रमों से भी परिचित कराया गया और उन्हें बेहतर सीखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एलुमनाई एसोसिएशन ऑफ एक्सआईएसएस (आक्सिस) के उपाध्यक्ष जसबीर सिंह खुराना के नेतृत्व में अभिषेक विक्टर, जीएमएचआर मेदांता अस्पताल और अन्य आक्सिस सदस्यों ने एक्सआईएसएस में अपनी यात्रा को याद किया और छात्रों को प्रेरित किया।

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्
झुमरी तिलैया, जिला कोडरमा
Email – jhumritelaiyamunicipalcouncil@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना सं0– 10/2023–24

1. विज्ञापनदाता का नाम : कार्यपालक पदाधिकारी, झुमरी तिलैया, नगर परिषद
2. परिमाण विपत्र बिक्री तिथि एवं स्थान : 02.08.2023 को 5.00 अपराहन तक, झु0ति0, नगर परिषद कार्यालय
3. निविदा प्राप्ति का स्थान तिथि एवं समय : झु0ति0, नगर परिषद, 03.08.2023, 4:00 बजे अप0 तक
4. निविदा खोलने की तिथि स्थान एवं समय : झु0ति0, नगर परिषद 03.08.2023 5:00 बजे अप0 से
5. कार्य का विवरण –

क्रं0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	ROAD MARKING (YELLOW COLOUR)(VENDING ZONE, TWO WHEELER & FOUR WHEELER PARKING) FROM JHANDA CHOWK TO MAHARANA PRATAP CHOWK & UNDER OVERBRIDGE PARKING UNDER JHUMRITELAIYA NAGAR PARISHAD.	417821.00	8500.00	2000.00	15 दिन

ह0/–
प्रशासक
झुमरीतिलैया, नगर परिषद

PR 303091 Urban Development(23-24)#D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड (उद्यान प्रभाग)
कार्यालय – जिला उद्यान पदाधिकारी, गढ़वा
(संयुक्त कृषि भवन, गढ़वा)

आवेदन आमंत्रण सूचना

विभागीय राज्यादेश संख्या 16, दिनांक 05.06.2023 द्वारा स्वीकृत राज्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24 में "राज्य बागवानी मिशन गैर कार्यान्वित जिलों में योजना" के तहत गढ़वा जिला के सभी कृषक भाइयों को सूचित किया जाता है कि जिला में निम्नांकित रूप से योजना के विभिन्न कार्य अवयवों का कार्यान्वन किया जाना है। जिसके लिए योजनानुसार अवयववार सरकार द्वारा 50 प्रतिशत एवं अन्य अनुदान देय होगी। उक्त कार्य अवयवों हेतु आवेदन आमंत्रण इच्छुक कृषकों से किया जाता है।

योजना का प्रारूप निम्नवतः है :–

क्र.सं.	कार्य विवरणी	इकाई/हे0 की लागत	अनुदान की दर (MIDH के नियमानुसार)	भौतिक लक्ष्य
1	नये फल बाग का क्षेत्र विस्तार (Fruit Crops other than cost intensive crops using normal spacing without Integration)			
(i)	आम (10mx10m)	Rs.25500/Hac.	कृषकों के क्षेत्र में का 50% मात्र का (60:20:20) के अनुपात में प्रथम वर्ष पौध रोपण कार्य हेतु 60% देय है जो अधिकतम 1 हे. प्रति लाभुक लाभ दिया जायेगा।	100 हे0
(ii)	नींबू (4mx4.5m)	Rs.54980/Hac.	कृषको के क्षेत्र में का 50% मात्र का (60:20:20) के अनुपात में प्रथम वर्ष पौध रोपण कार्य हेतु 60% देय है जो अधिकतम 1 हे. प्रति लाभुक लाभ दिया जायेगा।	7 हे0
(III)	लीची (10mx10m)	Rs.28000/Hac.	कृषको के क्षेत्र में का 50% मात्र का (60:20:20) के अनुपात में प्रथम वर्ष पौध रोपण कार्य हेतु 60% देय है जो अधिकतम 1 हे. प्रति लाभुक लाभ दिया जायेगा।	4.5 हे0
(iV)	बैर (5mx5m)	Rs.38000/Hac.	कृषको के क्षेत्र में का 50% मात्र का (60:20:20) के अनुपात में प्रथम वर्ष पौध रोपण कार्य हेतु 60% देय है जो अधिकतम 1 हे. प्रति लाभुक लाभ दिया जायेगा।	7 हे0
(V)	आंवला (6mx6m)	Rs.40008/Hac.	कृषको के क्षेत्र में का 50% मात्र का (60:20:20) के अनुपात में प्रथम वर्ष पौध रोपण कार्य हेतु 60% देय है जो अधिकतम 1 हे. प्रति लाभुक लाभ दिया जायेगा।	13.5 हे0
(vi)	बेल (10mx10m)	Rs.48400/Hac.	कृषको के क्षेत्र में का 50% मात्र का (60:20:20) के अनुपात में प्रथम वर्ष पौध रोपण कार्य हेतु 60% देय है जो अधिकतम 1 हे. प्रति लाभुक लाभ दिया जायेगा।	8 हे0
(vii)	अमरूद (6mx6m)	Rs.38340/Hac.	कृषको के क्षेत्र में का 50% मात्र का (60:20:20) के अनुपात में प्रथम वर्ष पौध रोपण कार्य हेतु 60% देय है जो अधिकतम 1 हे. प्रति लाभुक लाभ दिया जायेगा।	28 हे0
(viii)	सपोटा (5mx5m)	Rs.45400/Hac.	कृषको के क्षेत्र में का 50% मात्र का (60:20:20) के अनुपात में प्रथम वर्ष पौध रोपण कार्य हेतु 60% देय है जो अधिकतम 1 हे. प्रति लाभुक लाभ दिया जायेगा।	7 हे0
2	नये बाग का क्षेत्र विस्तार (Establishment of New Gardens/Area expansion)			
(i)	ड्रेगन फ्रुट की खेती (टपक सिंचाई और आच्छादन समेत समेकित पैकेज)	Rs.4.00 lakh/Hac.	ड्रेगन फ्रुट टपक सिंचाई और आच्छादन सहित समेकित पैकेज कुल लागत का 40% (अधिकतम 1 हे0/कृषक)	3.5 हे0
(il)	स्ट्राबेरी की उन्नत खेती (Strawberry Integrated package with drip irrigation and mulching)	Rs 2.80 lakh /Hac.	पौध सामग्री, खेत की तैयारी, रोपाई, खरपतवार नियंत्रण एवं निकाई–गुड़ाई, पौधा संरक्षण, गोबर खाद, केंचुआ खाद, रासायनिक खाद एवं टपक सिंचाई तथा प्लास्टिक मल्चिंग हेतु कुल लागत का अधिकतम 40% विभागीय अनुदान का लाभ दिया जायेगा।	18 हे0
(III)	अनानास (रसीला) की खेती (Pineapple Integrated package with drip irrigation)	Rs 3.00 lakh /Hac.	पौध सामग्री, खेत की तैयारी, रोपाई, खरपतवार नियंत्रण एवं निकाई–गुड़ाई, पौधा संरक्षण, गोबर खाद, केंचुआ खाद, रासायनिक खाद एवं टपक सिंचाई हेतु कुल लागत का अधिकतम 40% विभागीय अनुदान का लाभ दिया जायेगा।	5 हे0
(iV)	पपीता पौध रोपण (Papaya Integrated package with drip irrigation)	Rs 2.00 lakh /Hac.	पौध सामग्री, आई0एन0एम0/आई0पी0एम0 सामग्री, एवं टपक सिंचाई सहित कुल लागत का अधिकतम 40% विभागीय अनुदान का लाभ दिया जायेगा।	10 हे0
3	फूलों की खेती (Flowers Cultivation)			
(i)	कट्ट फ्लावर फूलों की खेती	Rs 1.00 lakh /Hac.	कुल लागत का 40% (अधिकतम 4 हे0/कृषक)	18 हे0
(ii)	बलबस फूल की खेती	Rs 1.50 lakh /Hac.	कुल लागत का 40% (अधिकतम 2 हे0/कृषक)	16 हे0
(iii)	लूज फ्लावर फूलों की खेती	Rs 0.40 lakh /Hac.	कुल लागत का 40% (अधिकतम 2 हे0/कृषक)	76 हे0
4	सुगंधित पौधों की खेती (Aromatic Plants Lemongrass etc.)	Rs 0.40 lakh /Hac.	कुल लागत का 40% (अधिकतम 4 हे0/कृषक लाभ देय होगा)	20 हे0
5	छोटी नर्सरी की स्थापना (Small Nursery)	Rs15.00 lakh /Hac.	उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र विस्तार हेतु विभिन्न प्रकार के फल, फूल पौधों के गुणवत्तायुक्त उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से MIDH मार्गदर्षिका अनुरूप कृषकों को प्रति इकाई लागत रू0 15.00 लाख मात्र का अधिकतम 50 प्रतिषत अनुदान रू0 7.50 लाख मात्र की दर से Credit linked back ended subsidy के माध्यम से किया जायेगा।	01 इकाई
6	षंकर सब्जी उत्पादन (Hybrid Vegetable Prodution)	Rs 0.50 lakh /Hac.	कुल लागत का 40% (अधिकतम 2 हे0/कृषक लाभ देय होगा)	177 हे0
7	मसाला की खेती (Seed Spices & Rhizomatic Spices - Turmeric/Ginger etc.)	Rs 0.30 lakh /Hac.	कुल लागत का 40% (अधिकतम 4 हे0/कृषक लाभ देय होगा)	57 हे0
8	पुराने फलबाग का जीर्णोद्धार (Rejuvention/Replacement of senile plantation, canopy mangement)	Rs 0.40 lakh /Hac.	कुल लागत का 50% अनुदान लाभ देय होगा	5 हे0
9	संरक्षित खेती (Protected Cultivation)			
(i)	प्लास्टिक मल्चिंग (Plastic Mulching)	Rs 0.32 lakh /Hac.	कुल लागत का 50% अनुदान लाभ देय होगा	3 हे0
(ii)	षेडनेट ट्यूबलर हाउस का निर्माण (Shede Net House)	Rs.710/Sq.M.	प्रति वर्ग मीटर कुल लागत रू0 710/- मात्र का अधिकतम 50% विभागीय अनुदान प्रति वर्ग मीटर रू0 355/- मात्र (प्रति कृषक अधिकतम 1000 sq.m.देय होगा)	4000 वर्ग मीटर
(iii)	पौध सामाग्री पर व्यय एवं कारनेषन/जर्बेरा का पॉली हाउस/षेडनेट में उत्पादन (Cost of planting material & cultivation of Carnation & Gerbera under poly house/shadenet house)	Rs.610/Sq.M.	प्रति वर्ग मीटर कुल लागत रू0 610/- मात्र का अधिकतम 50% विभागीय अनुदान प्रति वर्ग मीटर रू0 305/- मात्र (प्रति कृषक अधिकतम 4000 sq.m.देय होगा)	4000 वर्ग मीटर
(iV)	एण्टी बर्ड एण्टी हेल (Anti Bird/ Anti Hell)	Rs.35/Sq.M.	उद्यानिकी फसलों का ओलावृष्टि एवं चिड़ियों के प्रकोप से बचाव तथा उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि एवं सब्जियों की खेती की सुरक्षा हेतु एण्टी बर्ड एवं एण्टी हेल का प्रयोग प्रति वर्ग मीटर कुल लागत का 50 प्रतिशत अनुदान (प्रति कृषक अधिकतम 5000 वर्ग मीटर देय होगा)	14 हे0
10	वर्मी कम्पोस्ट इकाई की स्थापना (Cost of planting material & cultivation of Carnation & Gerbera under poly house/shadenet house)	Rs.0.16 lakh/unit	पोर्टवल एच0डी0पी0ई0 वर्मीबेड साईज 12'x4'x2'=96 घनफीट बी0आई0एस0 मानक (आई0एस0–15907:2010) प्रति इकाई लागत का अधिकतम 50% अनुदान का लाभ दिया जायेगा।	337 इकाई
11	अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के जरिये तकनीकी का प्रचार–प्रसार एवं प्रत्यक्षण (Technology Dissemination through demonstration front line demonstration)	Rs.25.00 lakh/unit	कृषकों के आय में वृद्वि को दृष्टिपथ रखते हुए कृषकों के 5 एकड़ निजी भूमि पर उन्नत फल फुल एवं सब्जियों के उत्पादन तथा ऑन फार्म सब्जियों के अल्पकालिक भण्डारण हेतु सौर उर्जा चालित शीतल कक्ष 5–6 एम0टी0 क्षमता का निर्माण, सौर उर्जा चालित सिंचाई संसाधन डीप बोरिंगयुक्त की स्थापना प्रति इकाई कुल लागत का 75 प्रतिशत अनुदान एवं कृषकों को 25 प्रतिशत अुनदान की राशि बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से कार्यकारी संस्था को देना अनिवार्य होगा।	01 इकाई
12	मानव संसाधन का विकास (Human Resource Development- HRD)			
(i)	कृषकों को राज्य अन्तर्गत प्रषिक्षण (Training of Farmers Outside the State)	Rs 1000/Farmer	उद्यानिकी फसलों को बढ़वा देने हेतु उन्नत एवं नई तकनीक की जानकारी प्राप्त करने के उद्देष्य से शतप्रतिषत अनुदान पर पॉच दिवसीय प्रषिक्षण दिया जायेगा	100 सं0
(ii)	कृषकों को राज्य से बाहर प्रषिक्षण (Training of Farmers within the State)	Rs 13500/Farmer	उद्यानिकी फसलों की उन्नत एवं नई तकनीक की जानकारी प्राप्त करने के उद्देष्य से शतप्रतिषत अनुदान पर राज्य से बाहर परियोजना आधारित प्रषिक्षण दिया जायेगा	10 सं0
(iii)	कृषकों को अन्तर राज्य परिभ्रमण (Exposurce visit of farmers Outside State)	Rs 13500/Farmer	उद्यानिकी फसलों की उन्नत किस्म एवं नई तकनीक की जानकारी प्राप्त करने के उद्देष्य से शतप्रतिषत अनुदान पर राज्य से बाहर परियोजना आधारित प्रभावन दौरा कराया जायेगा	05 सं0

उपरोक्त योजना हेतु इच्छुक किसान प्रखण्ड स्तर पर उद्यान मित्र/बी0टी0एम0/ए0टी0एम0 एवं जिला उद्यान कार्यालय, गढ़वा से आवेदन पत्र निशुल्क प्राप्त कर सकते है एवं नीचे वर्णित कागजातों के साथ कार्यालय अवधि में दिनांक 25.07.2023 तक जमा कर सकते है।

आवेदन के साथ जमा किए जाने वाले कागजातो की सूची :–

1. विहित प्रपत्र में भरा हुआ पूर्ण आवदेन।
2. दो पासपोर्ट साइज रंगीन फोटों।
3. पहचान पत्र एवं पता का प्रमाण (आधार कार्ड/भोटर आइडी/ड्राविंग लाइंसेंस आदि।
4. आवेदन पत्र में मुखिया/जन प्रतिनिधि का अनुशांसा अनिवार्य होगा।
5. क्रमांक 9 (II) हेतु उपलब्ध जमीन का कागजात के संदर्भ में मुखिया से प्राप्त वंशावली अनिवार्य होगा।
6. उपर वर्णित क्रमांक 1 से 11 तक की योजनाओं में से किसी एक योजना हेतु कृषक आवेदन कर सकते है।
7. क्रमांक 11 योजनों हेतु अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत भू–स्वामित्व प्रमाण–पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
8. अद्यतन भू–लगान रसीद।
9. योजना क्रमांक 9 (II) एवं 11 हेतु कार्यान्वित किए जाने वाले निर्माण स्थल/भू–खण्ड का अद्यतन Geo Tagging फोटोग्राफ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
10. लाभुकों के चयन में Pick & Choose नहीं करते हुए नये ग्राम एवं नये कृषकों का चयन किया जाय।
11. पूर्व के लाभुकों को वर्त्तमान वित्तीय वर्ष योजना के कार्यान्वयन में पुर्नावृति नहीं किया जायेगा।

PR.NO.301960 Agriculture(23-24):D

जिला उद्यान पदाधिकारी, गढ़वा।

गोकुल मिशन योजना के तहत तीस दिवसीय मैत्री प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दुग्ध उत्पादन के लिए पशुओं को कृत्रिम गभार्धान जरूरी : डॉ. सुशील

नवीन मेल संवाददाता। रांची

वेटनरी संकाय, बीएयू एवं झारखंड स्टेट इम्प्लीमेंटिंग एजेंसी (जेएसआईए) के संयुक्त तत्वावधान में केंद्र प्रायोजित गोकुल मिशन योजना के अधीन आयोजित 11 वां मैत्री प्रशिक्षण का समापन हुआ। पशुओं का कृत्रिम गभार्धान विषय पर महीने भर चले इस व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में रांची, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, चतरा, देवघर, धनबाद, गिरिडीह, गुमला, साहिबगंज, जामताड़ा, लातेहार तथा लोहरदगा जिले के कुल 35 स्थानीय बेरोजगार युवक-युवतियों ने भाग लिया। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जेएसआईए के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी पीके झा ने झारखंड राज्य में पशुओं के कृत्रिम गभार्धान को बढ़ावा देने के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने झारखंड में मैत्री प्रशिक्षण का नियमित एवं सफल संचालन शत-प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करने पर प्रशंसा की है। उन्होंने 11 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 447 लोगों को व्यावहारिक प्रशिक्षण सुविधा प्रदान करने के लिए बिरसा कृषि विश्वविद्यालय एवं वेटनरी संकाय के वैज्ञानिकों का आभार जताया तथा इस वर्ष के दिसंबर माह तक कुल एक हजार प्रशिक्षाणार्थियों को प्रशिक्षण करने का अनुरोध किया। डीन वेटनरी डॉ. सुशील प्रसाद ने प्रशिक्षाणार्थियों से सीधा संवाद किया, उनसे पूरे महीने भर चले प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा अच्छे तरीके एवं ईमानदारी स्थानीय स्तर पर कृत्रिम गभार्धान कार्य को करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. जगरनाथ उरांव ने राज्य में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने कि दिशा में पशुओं के कृत्रिम गभार्धान को जरुरी बताया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद कृत्रिम गभार्धान के लिए आवश्यक सभी उपकरण सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षाणार्थियों को कृत्रिम गभार्धान, पशु नस्ल सुधार, टीकाकरण, पशु आहार, राशन बैलेंसिंग, पशु स्वास्थ्य और आवास के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गयी।

मणिपुर घटना के खिलाफ ईसाई धमावलंबियों ने मानव श्रृंखला बना जताया विरोध

रांची। मणिपुर के अमानवीय घटना से मर्माहत ईसाई समाज के लोगों ने जिला मुख्यालय में मानव श्रृखंला बनाकर अपना विरोध दर्ज कराया। झारखंड क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन के गुमला जिला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित विरोध-प्रदर्शन में सैकड़ो की संख्या में ईसाई समुदाय की महिला-पुरूष शामिल हुये। मणिपुर में हिंसा,अत्याचार व अमानवीय घटनाओं के विरोध में एकजुट लोगों ने मुख्यालय के सिसई रोड स्थित भट्ठी तालाब से पटेल चौक पर मानव श्रृखंला बनाकर विरोध प्रदर्शित किया। घटना के विरोध में हाथों में तख्तियां थामे सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारियों में मणिपुर की घटना को लेकर गहरी नाराजगी दिख रही थी। लूथेरन स्कूल मैदान में आयोजित सभा में क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष हेमंत कुमार ने सादगी व शांति से रहने वाले ईसाई समाज के खिलाफ अत्याचार बंद करने और दोषियों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई की आवाज बुलंद की।

बरनवाल महिला समिति ने श्रावण महोत्सव कार्यक्रम का किया आयोजन

नन्हे कलाकारों ने भगवान शंकर और माता पार्वती के रूप में सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बरनवाल महिला समिति रांची की बहनों के द्वारा श्रावण महोत्सव कार्यक्रम समिति की अध्यक्षा वीणा बरनवाल ने की अध्यक्षता में स्वयंवर वाटिका कोकर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत स्वयंवर वाटिका की संस्थापिका यशोदा देवी, समिति की संरक्षिका सुमन बरनवाल, दीपा चौधरी, खुशबू बरनवाल, दिप्ती बरनवाल व बरनवाल समाज के जन्म दाता महाराजा अहिबरन महाराज को माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बरनवाल महिला समिति झारखंड प्रदेश अध्यक्षा पूनम बरनवाल के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए सामूहिक महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया गया। आर्ना आनंद और दिव्या त्रुप्ति ने तिलक लगाकर सभी का अभिवादन किया। श्रावण के झूले का उद्घाटन दो नन्हे कलाकार अनमोल और क्रांति ने भगवान शंकर और माता पार्वती के रूप में नृत्य का सुंदर प्रस्तुति दिया। वहां उपस्थित बहनों को संबोधित करते हुए अध्यक्षा वीणा बरनवाल ने अपने मन की वेदना बताया जो उनके मन में वर्षों से चल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज किसी भी सामाजिक कार्यक्रमों में बच्चों की उपस्थिति लगभग नगण्य रहती है, बच्चे पूरी तरह से अपने आपको मोबाइल और किताबों के बस में आ गए हैं, इसमें दूसरे बच्चों के प्रतिस्पर्धा के कारण अभिभावक का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। बच्चे अपने आप में इस प्रकार गुम हो गये हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है उन्हें कुछ भी पता नहीं होता है।

सिर्फ नाम का मुसलमान नहीं बल्कि किरदार का भी मुसलमान बनना जरूरी : मौलाना तहजीब

रांची। मोहर्रम के पांचवी पर ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन व मस्जिद जाफरिया के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीब उल हसन रिजवी ने सोमवार को 10 दिवसीय मजलिस जिक्रे शहीदाने कर्बला के पांचवी मजलिस को संबोधित करते हुए कहा कि अल्लाह पाक ने कुरान में कहा के ऐ इमान वालों तकवा (परहेजगारी) इख्तियार करो। अल्लाह ने कुरान में यह नहीं कहा कि ऐ मुसलमानों बल्कि यह कहा कि ऐ इमान वालों। इसलिए मुसलमानों को चाहिए कि अपने ईमान की हिफाजत करें। हमसे कुरान क्या चाह रहा है उस पर अमल करें। सिर्फ नाम का मुसलमान नहीं किरदार का मुसलमान बनना है। ए लोगो कर्बला के खिलाफ बोलने से पहले सोचो, पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ बोलने से पहले सोचो, इमामे हुसैन के खिलाफ बोलने से पहले सोचो। वह हुसैन जिसने दीन इस्लाम की खातिर अपनी जान की बाजी लगा दी। वह हुसैन जिसने अपनी जान देकर नमाज की हिफाजत की। वह हुसैन जिसने अपनी जान देकर मजहब इस्लाम को बचाया। आज की मजलिस साहिल हुसैन उर्फ जावेद के आवास हैदर नगर इरबा में हुई। मजलिस में आए हुए सभी लोगों का साहिल हुसैन उर्फ जावेद ने स्वागत किया। मौके पर कासिम अली, फराज अली, हैदर अली, शाहरुख रिजवी, हसनैन, लड्डू, अमान अली, इसराइल अंसारी, रजा अली, समेत सैकड़ों लोग थे।

अभ्यास पाठ के लिए गांवों में भेजने से बरियातू बीएड कॉलेज की प्रशिक्षु छात्राएं पहुंची जेसीईआरटी

रांची। अभ्यास पाठ के लिए सुदूरवर्ती गांव भेजे जाने से परेशान बरियातू बीएड कॉलेज रांची की लगभग 30 प्रशिक्षु छात्राएं सोमवार को जेसीईआरटी पहुंच गई। उन्होंने अपनी बात रखने का प्रयास किया, परंतु कोई सुननेवाला नहीं था। प्रशिक्षुओं ने अपनी बात जेसीईआरटी निदेशक बांके बिहारी सिंह के पास रखी। उन्होंने साफ कह दिया कि पढ़ाना है तो आपको वहां जाना पड़ेगा अन्यथा आप घर में बैठिए। जेसीईआरटी निदेशक के इस व्यवहार से सभी प्रशिक्षु छात्राएं दुखी नजर आई। सुदूरवर्ती गांव में भेजे जाने से दुखी प्रशिक्षु छात्राओं ने कहा कि हमें जिस तरह से सुदूर गांवों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जा रहा है वहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। पूरे रास्ते में जंगल और घने पेड़ हैं। कोई अप्रिय घटना घटती है तो बचानेवाला कोई नहीं मिलेगा। इसके अतिरिक्त जिस स्कूल में हमें अभ्यास पाठ के लिए भेजा जा रहा है उस स्कूल की प्राचार्य को इसकी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने स्कूल में घुसने नहीं दिया। इसकी जानकारी देने पर हम लोगों को एक ऑफिस से दूसरे ऑफिस दौड़ाया जा रहा है, परंतु सुनवाई नहीं हो रही है। एक छात्रा ने कहा कि जब तक आदेश नहीं आ जाता तब तक हम कहीं नहीं जाएंगे, कॉलेज में ही बैठेंगे। वहीं एक अन्य छात्रा ने कहा कि हमारी समस्या कम नहीं है। कई स्कूलों में बायोमीट्रिक हाजिरी बनाने की सुविधा तक नहीं है।

मुख्यमंत्री वोट बैंक की कर रहे हैं राजनीति

आदिवासी समाज के अस्तित्व को खतरे में डाला : बाबूलाल

नवीन मेल संवाददाता। रांची भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अयोग्य और अक्षम हैं। मरांडी ने उन्हें गूंगा और बहरा भी कहा। सोशल मीडिया पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का आभार जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक स्वार्थों और वोट बैंक की राजनीति के कारण आदिवासी समाज के अस्तित्व का सौदा कर दिया है। संथाल परगना में घुसपैठियों ने वहां की परंपरा, संस्कृति और पहचान को नष्ट करने का अभियान चलाया है। झामुमो के स्थानीय नेताओं के सहयोग से घुसपैठिये भारतीय नागरिक बन रहे हैं। राज्यपाल ने आदिवासियों की वेदना-पीड़ा को सुना है, जिसके लिए वे उनका आभार व्यक्त करते हैं। राज्य का चुना हुआ अक्षम मुख्यमंत्री गूंगा, बहरा बना बैठा है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन ने चिंता जताते कहा हुए पिछले दिनों

कहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं। इससे स्थानीय जनजाति समाज के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का भी संकट खड़ा हो रहा है। घुसपैठिए जनजाति समाज की महिलाओं से शादी कर रहे हैं। यह सब खतरनाक स्थिति है। आदिवासियों की परंपरा और रिवाज को बचाए जाने की जरूरत है। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया के जरिये लाल डायरी के मकड़जाल के बारे में भी चर्चा की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में भी केन्द्रीय एजेंसियों को ऐसी ही डायरी हाथ लगी थी। छत्तीसगढ़ में भी ह्लाल डायरीह्व मिली। दिल्ली शराब घोटाला केस में सीबीआई को लाल डायरी मिली। अब राजस्थान के बर्खास्त मंत्री ललकार कर कह रहे हैं कि अगर मैं लाल डायरी खोल दूं तो अशोक गहलोत जेल में होंगे। बाबूलाल ने पत्रकार साथियों से लाल डायरी के रहस्य को सुलझाने में मदद मांगते हुए पूछा है कि धन पशु लोग लाल डायरी पर ही विश्वास क्यों करते हैं।

बुढ़मू में दिव्यांग सहायता केंद्र की बैठक संपन्न

बुढ़मू। प्रखंड परिसर में सोमवार को झारखंड दिव्यांगजन सहायता केंद्र बुढ़मू की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सौजन्य से दिव्यांगों के लिए संचालित नेशनल सर्विस करियर सेंटर के सहायक निदेशक योगेश पारखी शामिल हुए। योगेश ने सरकार द्वारा दिए जानेवाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, रोजगार मेला और पुनर्वास से संबंधित जानकारी दी। झारखंड दिव्यांग जन सहायता केंद्र बुढ़मू के अध्यक्ष दिनेश नायक ने कहा कि दिव्यांग सरकार द्वारा प्रशिक्षण में शामिल होकर स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर हो सकते हैं। वहीं सचिव रतन मुंडा ने दिव्यांगों से आग्रह किया है कि वे सरकार की योजनाओं को लाभ उठाएं। मौके पर सुनील राम, यशोदा देवी और सरिता देवी आदि मौजूद थे।

वेटनरी कॉलेज में आयुष्मान अस्पताल ने लगाया स्वास्थ्य चिकित्सा जांच शिविर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आयुष्मान अस्पताल प्रबंधन, अरसंडे ने बीएयू के वेटनरी कॉलेज स्थित एनाटोमी विभाग में निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का विधिवत उद्घाटन डीन वेटनरी डॉ. सुशील प्रसाद ने किया। संबोधन में डीन वेटनरी ने वेटनरी संकाय के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य का नियमित विशेष देखभाल, बदलते मौसम और भाग दौड़ भरी व्यस्त जीवन में स्वास्थ्य के प्रति सचेत एवं जागरूक रहने पर बल दिया। उन्होंने सभी के लिए नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य चिकित्सा जांच को आवश्यक बताया। इस एकदिवसीय शिविर में आयुष्मान अस्पताल के

विशेषज्ञों ने पल्स, बीपी, ब्लड सुगर, हीमोग्लोबिन एवं एसपीओ 2 आदि की जांच की। आयुष्मान अस्पताल के सर्जन डॉ. प्रशांत जयसवाल ने लोगों को लीवर एवं पेट की समस्या, किडनी, गोल ब्लैडर, पेशाब की समस्या, होर्निया, ऐपेंडिक्स, पथरी, सुगर, बीपी, हार्ट के मरीजों की जांच की और चिकित्सीय सलाह दी। आयुष्मान अस्पताल के स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अलका जयसवाल ने महिलाओं में मासिक की समस्या, गर्भाशय रोग, गर्भवती एवं अन्य स्त्री सबंधी रोगों की जांच की और जरुरी चिकित्सीय सलाह प्रदान की।

नेशनल पीपुल्स पार्टी का प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

रांची। नेशनल पीपुल्स पार्टी का प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन घूम कुड़िया सभागार करम टोली में संपन्न हुआ। प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सम्मान समारोह धनबाद, बोकारो, पलामू, रामगढ़, लातेहार, जमशेदपुर सभी जिले से आये प्रदेश कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का सम्मान किया गया और साथ मिलन समारोह का कार्यक्रम का हुआ आयोजन। इसमें समारोह में प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पोद्दार, कार्यकारिणी अध्यक्ष पंकज कुमार, प्रदेश महासचिव अमर महतो, प्रदेश प्रवक्ता संजय झा ने सभा को संबोधित किया। इसमें प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष पंकज कुमार ने सभी कार्यकर्ताओं एवं जिला अध्यक्ष उपाध्यक्ष को निर्देश दिया कि सभी लोग मिलकर हर प्रखंड में जाएं और वहां प्रखंड अध्यक्ष उपाध्यक्ष का नियुक्ति करें और ज्यादा से ज्यादा संख्या में नेशनल पीपुल्स पार्टी का सदस्यता ग्रहण करवाएं ताकि आगामी चुनाव में मजबूती के साथ हम चुनाव लड़ सकते हैं। पंकज कुमार ने कहा कि अध्यक्ष राज कुमार पोद्दार हमेशा जनकल्याण के लिए अग्रसर रहते हैं और पार्टी के हित में हमेशा मजबूती के साथ खड़े रहते हैं। पंकज कुमार ने कहा कि इस बार चुनाव में हम लोगों को बहुत मेहनत कर जीत सुनिश्चित करना होगा तभी सत्ता में भागीदारी मिलेगी। सभा का समापन समारोह प्रदेश महासचिव अमर महतो ने अपने शुभकामनाएं के साथ किया इसमें महिला संगठन के महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड का प्रतिनिधिमंडल नवनिर्वाचित अध्यक्ष से की मुलाकाता

रांची। मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड का एक प्रतिनिधिमंडल मुफ्ती अब्दुल्ला अजहर कासमी के नेतृत्व में सोमवार को विधानसभा अतिथि गृह में ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस मशाविरत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष फिरोज अहमद अंसारी से मुलाकात की। उनके रांची पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर हजरत मौलाना मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने राज्य के मुस्लिम मुद्दों पर विस्तार से बताया और यहां की राजनीतिक और सामाजिक कार्यों के बारे में भी जानकारी दी, जिस पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष फिरोज अहमद अंसारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह मशाविरत के माध्यम से हर संभव सहायता प्रदान करेंगे और हमारी जमात की कानूनी सहयता मिलेगी। प्रतिनिधिमंडल में हजरत मौलाना तौफीक अहमद कादरी, शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी, शहर काजी कारी जान मुहम्मद मुस्तफी, सामाजिक कार्यकर्ता खुर्शीद हसन रूमी, जमीयत अल-इराकीन के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल मनान, मोहम्मद इम्तियाज, वरिष्ठ पत्रकार सैयद आलम, पत्रकार आदिल रशीद शामिल थे।

मुहर्रम का महीना व इस्लामिक कैलेंडर का नया साल है : गुलाम रसूल

रांची। सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के महासचिव गुलाम रसूल ने कहा हर मुहर्रम का महीना व इस्लामिक कैलेंडर का नया साल है। मुहर्रम की दसवीं तारीख 29 जुलाई को होने वाली है। इन्होंने मुहर्रम के जुलूस को आपसी भाईचारेऔर सद्भाव से निकाले जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस शहादत के मौके पर किसी भी समुदाय को कोई ठेस न पहुंचे विशेषकर फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से एक दूसरे को प्रेम का संदेश दें उन्होंने जिला प्रशासन से मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में लाइट,पेय जल और सफाई की मांग की है तथा मुहर्रम में निकाले जाने वाले जुलूस मैं नाच गान न करते हुए खेल की नुमाइश करने की अपील की है।

700 ग्राम अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

रांची। पंडरा ओपी पुलिस ने 700 ग्राम अफीम के साथ तस्कर गुड्डू कुमार यादव को गिरफ्तार किया है। वह चतरा जिले के जोरी थाना क्षेत्र के सलैया का रहने वाला है। एसएसपी किशोर कौशल ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नशीला पदार्थ को लेकर आईटीआई बस स्टैंड ईटकी रोड में बस पकड़ने के लिए जा रहा है। सूचना के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। इसी दौरान एक लड़का पुलिस बल को देखकर छिपने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम ने उसे रुकने को कहा तो वह भागने लगा। पुलिस टीम ने दौड़कर उसे पकड़ा। युवक के कमर में लपेटा हुआ 700 ग्राम अफीम बरामद किया गया।

नेतरहाट स्कूल को हाई कोर्ट का आदेश- पिछले वर्ष एडमिशन से वंचित तीन बच्चों का दाखिला लें

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोंन मुखोपधाय्य की कोर्ट ने सोमवार को नेतरहाट स्कूल प्रबंधन को आदेश दिया है। कोर्ट ने स्कूल को कहा है कि राज्य सरकार से जारी एज प्रूफ के कारण जिन तीन बच्चों का नामांकन पिछले साल नहीं लिया गया था, उन्हें इस साल कक्षा सात में नामांकन दिया जाये। इस संबंध में सुमित रॉय,आयुष गोप और रोहित टूडू की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इनकी ओर से अधिवक्ता शुभाशीष सोरेन ने पक्ष रखा। पिछले वर्ष स्कूल प्रबंधन की ओर से 18 बच्चों का नामांकन इसलिए नहीं लिया गया था, क्योंकि सभी बच्चों का एज सर्टिफिकेट राज्य सरकार की ओर से जारी किया गया था।

आस्था

चिन्मय मिशन में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन

मनुष्य के जीवन में सर्वोत्तम वस्तु सत्संग है : स्वामी जी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

चिन्मय मिशन, रांची द्वारा आयोजित भागवत सप्ताह के द्वितीय दिवस की कथा का प्रारंभ मुख्य ट्रस्टी वीएम धामोरिकर द्वारा स्वामी जी को माल्यार्पण, यजमानों द्वारा भागवत व व्यास पीठ के पूजन से हुआ। स्वामी जी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में सर्वोत्तम वस्तु सत्संग है, जो हमलोग श्रीमद भागवत कथा के माध्यम से कर रहे हैं। भगवत जी किन्हीं विशेष भगवान की बात नहीं करते है। यह सत्य पर धीमहि को निर्देशित करते हैं। शिवत्व की प्राप्ति करवाती है। ताप त्रय का नाश करवाने वाली है। इसके अधिकारी वे हैं, जिनके चित्त से मात्सर्य निकल गया है। यह उस वस्तु की प्राप्ति करवाती है, जिसे पाने के बाद कुछ और पाने की इच्छा नहीं रहे। स्वामी जी ने कहा कि सभी धार्मिक अनुष्ठान श्रम है यदि इसे सम्पादित करने के बाद भक्ति नहीं बढ़े। प्रायः दुख आने से लोग सत्संग, भक्ति आदि छोड़ देते जब की यह बढ़ना चाहिए। यदि भागवत का अध्ययन सही परिप्रेक्ष्य में किया जाय तो यह श्रेष्ठ जीवन प्रबंधन है। अश्वत्थामा प्रसंग बताते हुए उत्तरा के माध्यम से एक मां की भावना को बताया। भगवान ने अश्वत्थामा को ऐसा दंड दिया जिससे शास्त्र और लोकाचार दोनों की बात रह जाय। उत्तरा परम भागवत है। प्रथम स्कन्ध में कई भागवतों की मुक्ति की कथा है। नाम जप की महिमा बताते हुए उन्होंने कहा कि सभी धर्मों में जप करना बताया जाता है । जप करने से तदाकार वृत्ति बनती है। नारद जी का प्रसंग कहते समय उन्होंने बताया कि दासी पुत्र नारद प्रलय के बाद ब्रह्मा जी के मानस पुत्र हो कर आए । इस तरह यह संदेश है कि जीव का आरोहण होना चाहिए अवरोहण नही। आज भी सत्संग हौल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा था। गणमान्य उपस्थिति में सेवा भारती के ओम प्रकाश केजरीवाल, राज कुमार टिबड़ेवाल, डा. जीपी त्रिवेदी, चकियार, बंकट गाड़ोदिया, काशी कनोई, किशोरी चौधरी, अशोक अग्रवाल, राधा आर्य, विमला टोरका आदि की रही। स्वयंसेवकों की एक बड़ी टीम इसके आयोजन की सफलता के लिए प्रयासरत है।

सांसद ने मोटे अनाज के उत्पादन का मुद्दा राज्यसभा में उठाया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सांसद दीपक प्रकाश ने देश में मोटे अनाज (श्री अन्न) के उत्पादन से संबंधित सवालों के संबंध में केंद्र सरकार से संसद में जानकारी मांगी। राज्यसभा में उन्हें कृषि एवं कल्याण मंत्रालय ने जानकारी दी कि वर्ष 2022-23 के दौरान मिलेट्स (श्री अन्न) का अखिल भारतीय उत्पादन 171.49 लाख टन था। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने जवाब देते हुए बताया कि 171.49 लाख टन में से 39.90 लाख टन ज्वार, 111.66 लाख टन बाजरा, 15.97 लाख टन रागी और 3.97 लाख टन स्माल मिलेट्स (तृतीय अग्रिम अनुमान के अनुसार) का उत्पादन शामिल है। सरकार की ओर से लगातार मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ावा देने के पीछे क्या उद्देश्य है और लोगों की सेहत के लिए श्री अन्न की उपयोगिता के संबंध में भी दीपक प्रकाश ने जानकारी मांगी थी। इस पर कृषि मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि मिलेट्स (श्री अन्न) पारंपरिक रूप से देश के वर्षा सिंचित क्षेत्रों में उगाए जाते हैं। ये किसान अनुकूल फसलें हैं। इन्हें न्यूनतम कृषि आदानों, कम पानी की आवश्यकता होती है। ये सूखा सहिष्णु, प्रकाश असंवेदी, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीले होते हैं। प्रमुख अनाजों की तुलना में विविध कृषि जलवायु परिस्थितियों को सहन करने वाले होते हैं। मिलेट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अच्छी मात्रा में गैर-स्टार्च पॉलीसेकेराइड के साथ आहार फाइबर और काबोर्हाइड्रेट मिश्रित होते हैं। मिलेट्स में पॉलीफेनोल्स, फाइटेट्स, कैरोटीनॉयड, टोकोफेरोल्स आदि जैसे फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं, जिन्हें न्यूट्रास्यूटिकल्स कहा जाता है। इस प्रकार, मिलेट्स मधुमेह आदि जैसी जीवन शैली संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों के लिए सबसे उपयुक्त अनाज है। इन न्यूट्रास्युटिकल घटकों के होने से, मिलेट्स में उत्कृष्ट एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण होते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष (आईवाईएम) घोषित किया था। भारत सरकार ने आईवाईएम 2023 को मनाने और इसे जन-आंदोलन बनाने का निर्णय लिया है, ताकि भारतीय मिलेट्स, व्यंजनों, मूल्यवर्धित उत्पादों को विश्वस्तर पर स्वीकार किया जा सके।

श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। श्रावण मास की तीसरी सोमवार पर मंदिरों में भक्तों की आस्था देखने को मिली. सुबह से ही शिवालयों में पूजा-अर्चना करने के लिए भीड़ दिखी. कई मंदिरों में लोगों ने कतारबद्ध होकर पूजा की. जबकि कई मंदिरों में भीड़ नहीं रहने के कारण भक्तों को जल्दी ही भगवान शिव के दर्शन हो गए. कई राज्यों में प्रसिद्ध गोलपहाड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुबह से ही भीड़ देखी गई. वहां लंबी कतार में खड़े होकर श्रद्धालुओं ने अपनी बारी का इंतजार किया तथा पूजा अर्चना की. इसी तरह की स्थिति बागबेड़ा स्थित लकड़िया बाबा शिव मंदिर में दिखी. साकची कालीमाटी रोड में स्थित मनोकामना मंदिर में सुबह से ही भीड़ थी. वहां मां भगवती एवं भगवान भोलेनाथ का अलग-अलग मंदिर है. दोनों मंदिरों में भक्तों की भीड़ दिखी. खासकर शिव मंदिर में महिलाओं की भीड़ दिखी. जुगसलाई स्थित श्री राजस्थान शिव मंदिर में तीसरी सोमवारी पर भक्तों की भीड़ दिखी. मंदिर कमिटी के उपाध्यक्ष कमल किशोर अग्रवाल ने रूद्राभिषेक का आयोजन किया. पूरे विधि विधान से पूजा की गई. मौके पर सात दिवसीय श्री मद् भागवत कथा का वाचन करने आए डॉ. संजीव कृष्ण ठाकुर भी मौजूद थे. उन्होंने भक्तों को आशिर्वाद प्रदान किया. सोमवार को कथा का विश्राम हो गया. दोपहर में वहां भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई.

घाटशिला : सोमवारी पर शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक

जमशेदपुर। सावन की तीसरी सोमवारी को शिवालयों में लोगों ने भक्ती भाव से पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया. पुरुषोत्तम मास की पहली सोमवारी होने के कारण लोगों ने विभिन्न जलाशय एवं नदी से जल लेकर सिधेश्वर बाबा का जलाभिषेक किया. ऊंचे पहाड़ी पर स्थित सिधेश्वेर बाबा की भव्य मंदिर के कारण लोग खींचे चले आते हैं. मंदिर में क्षेत्र के सन्यासी बाबा विनय दास से भी लोगों ने आशीर्वाद लिया. बाबा विनय दास प्रत्येक सोमवार को बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने पहुंचते हैं. बाबा विनय दास के द्वारा ही यहां शिवलिंग की स्थापित की गई थी. इसके अलावा घाटशिला क्षेत्र के राजस्टेट, मऊभंडार, लालडीह, दहीगोड़ा, फुलडूंगरी आदि क्षेत्र के शिवालयों में लोगों ने जलाभिषेक किया.

नागानल मंदिर में सोमवार पर जलाभिषेक के लिए उमड़ी भीड़

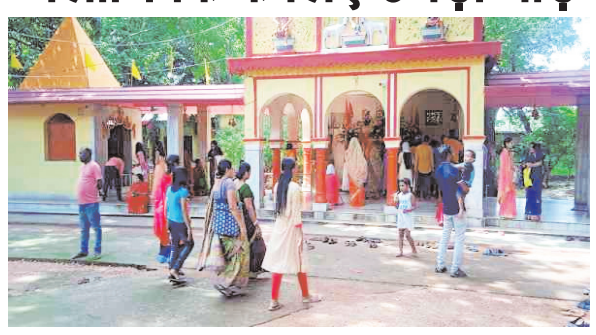

जमशेदपुर। सावन की तीसरी सोमवारी पर सोमवार को चाकुलिया के नागानल मंदिर में भगवान शंकर के जलाभिषेक के लिए पुरुष और महिला श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और जलाभिषेक किया. पूजा के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था. नागानल मंदिर में मंदिर कमेटी द्वारा बाबा का दरबार फूलों से सजाया गया है. पुजारी अशोक पति और सुखदेव पति ने श्रद्धालुओं से पूजा-अर्चना कराई. पुराना बाजार स्थित चंडेश्वर शिव मंदिर में भी पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. यहां के पुराना बाजार स्थित चंडेश्वर शिव मंदिर समेत अन्य शिवालयों में भी पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई. भीड़ लगी रही. शहर से लेकर गांव तक बोलबम व हर-हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान रहा. जिले के हर शिव मंदिर में भक्तों ने पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजन-अर्चन किया. जिले के साथ कई प्राचीन शिव मंदिरों में अहले सुबह से ही भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी. लोगों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और बेलपत्र, फुल व प्रसाद अर्पित कर सुख, समृद्धि और निरोगीकाया की कामना की.

गिरिडीह : शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

गिरिडीह। पवित्र श्रावण माह की तिसरी सोमवारी के पावन अवसर पर शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की

झारखंड स्टेट अंडर-19 बैडमिंटन चैंपियनशिप

रांची की योगिता बोरा ने जीता फाइनल का खिताब

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची की योगिता बोरा बनी झारखंड स्टेट अंडर-19 बैडमिंटन चैम्पियनशिप की विजेता और सीनियर मिक्स्ड डबल में इमेनूएल कुजूर संग रही उप विजेता। मिक्स्ड डबल में विजेता रहे रांची की मनीषा टिर्की और विनय कुमार सिंह.। रांची की मनीषा रानी तिर्की जीनत अर्रा को हराकर रही सीनियर वर्ग की विजेता जबकि सरायकेला के शांतनु शर्मा गुमला के प्रियांशू टिर्की को हराकर चैंपियन बने. अंडर 19 लड़कों की वर्ग में रांची के नीरज केसरी पूर्वी सिंहभूम के रौनक नेगी को हराकर चैंपियन बने. ईस्ट जोन सलेक्शन ट्रायल टूर्नामेंट का समापन माननीय मंत्री (खेलकूद , पर्यटन एवं अल्पसंख्यक कल्याण) के हाथों संपन्न हुआ। उन्होंने अपने कर कमलों से सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को कप एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों को उद्बोधित करते हुए माननीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि दुमका में शीघ्र ही राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन आयोजनों के लिए आवश्यक संसाधन और नए बैडमिंटन कोर्ट के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इससे पूर्व स्वागत संभाषण करते हुए दुमका बैडमिंटन संघ के संरक्षक डी

आई जी सुदर्शन प्रसाद मंडल ने ऐसे बैडमिंटन के राष्ट्रीय आयोजनों के लिए मांग रखी थी। उन्होंने इस टूर्नामेंट के प्रायोजकों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया। इस टूर्नामेंट के समानांतर झारखंड राज्य रेफरी की परीक्षा में शामिल हुए सभी परीक्षार्थियों को सम्मानित किया गया। 20 जुलाई से चल रहे इस परीक्षा में राज्य भर के अलग अलग जिलों से 13 परीक्षार्थी शामिल थे जिनकी कार्यशाला, लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा और अंतरविक्षा के क्रमशः लगातार सत्रों के बाद झारखंड बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा अभिप्रमाणित किया गया। यह परीक्षा दुमका बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित था। बैडमिंटन संघ के उमाशंकर चौबे ने संचालन, एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

सड़क हादसे में महिला की मौत पर सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। सड़क दुर्घटना में महिला गुड़िया देवी उर्फ ललिता देवी की मौत के मामले में सोमवार 24 जुलाई को झरिया पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने मृत महिला के पति अभिजीत बाउरी से भी देर तक पूछताछ की. बता दें कि विगत गुरुवार 21 जुलाई को दुःख हरनी मंदिर के समीप तेज रफ्तार कार ने महिला व उसके पति को टक्कर मार दी थी, जिससे दोनों घायल हो गए थे. महिला को एसएनएमएमसीएच से रिम्स रेफर कर दिया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया. पति अभिजीत बाउरी पत्नी को लेकर चौथाई कुल्ही स्थित ससुराल से आ रहा था. झरिया थाना के एसआई बनबिहारी कुमार ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है.अब तक एरिया 9 के कार्यालय विकास भवन व बैंक ऑफ इंडिया ऐना शाखा का फुटेज खंगाला जा चुका है, जिसमें एक तेज रफ्तार कार को ट्रेस किया गया है. हालांकि अंधेरा होने के कारण कार संख्या पहचान में नही आ रही है. गुरुवार रात 9:30 बजे से 10:30 बजे तक की सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है. उसमें एक कार रात 10:18 बजे तेज रफ्तार से जाती दिख रही है. पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है. आरोपी जल्द हिरासत में होंगे. भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश आईटी सेल प्रभारी सह बाउरी समाज के जिला प्रवक्ता बप्पी बाउरी ने कहा कि इस घटना की जितनी निंदा की जाए, वह कम है. घटना के बाद चालक को भागने की बजाय घायल को अस्पताल ले जाना चाहिए था. पुलिस अगर सक्रियता दिखाए तो आरोपी जल्द ही गिरफ्त में होंगे. उनका कहना है कि पुलिस अगर थाना मोड़ और झरिया टैक्सी स्टैंड से लेकर धनसार चौक तक की सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो आरोपी जल्द ही पकड़े जा सकते हैं.

बाइक के धक्के से महिला की मौत, सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बुढियाखाद के दुर्गा मंडप के समीप एक ही बाइक पर सवार चार युवकों ने बीती रात 67 वर्षीय महिला सीतिया देवी को जोरदार धक्का मार दिया. जिससे महिला की मौत धनबाद में इलाज के दौरान 24 जुलाई को हो गई. महिला की मौत की खबर मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने बुढियाखाद सेंट्रलपीठ रोड को जाम कर दिया. ग्रामीण घटना में शामिल युवकों की गिरफ्तारी और मुआवजा की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे. इधर, रोड जाम की खबर पर पहुंचे मुफ्फसिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान ने आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया. लेकिन लोग जाम हटाने को तैयार नहीं हुए. जानकारी के अनुसार सीतिया देवी देररात बुढियाखाद से दवा लेकर लौट रही थी. जबकि इसी मुहल्ले के चार युवक एक हीबाइक से तेज गति से जा रहे थे. इस बाइक ने सीतिया देवी को धक्का मार दिया, जिससे वह घायल हो गई. उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई. इधर, चारो युवक बुढियाखाद के मुस्लिम इलाका निमतल्ला के रहने वाले थे. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बाइक चलाने वाले युवक मोहम्मद रेहान को पकड़ लिया, जबकि तीन और युवक फरार हो गए. लोगों ने मौके पर पुलिस को बुलाकर पकड़े गए युवक को पुलिस के हवाले कर दिया था. बताया जाता है कि पुलिस ने पकड़े गए बाइकर्स को छोड़ दिया, जिससे आक्रोश भड़क गया है. इस दौरान जाम हटाने पहुंची पुलिस पर परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब घटना के बाद एक बाइक चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया था, तो पुलिस ने हत्या के आरोपी चालक को छोड़ा दिया. इसी बात को लेकर जेएमएम नेता दिलीप रजक समेत इलाके के अन्य लोग पुलिस पर आक्रोशित थे.

एसएसपी से मिला झारखंड कुरैश कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधिमंडल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कुरैश कॉन्फ्रेंस(रजिस्टर्ड) के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष हाजी बिलाल कुरेशी के नेतृत्व में झारखंड कुरैश कॉन्फ्रेंस का एक प्रतिनिधिमंडल रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कौशल किशोर से उनके ऑफिस में मिला। एवं पगड़ी, बुके, शॉल देकर उनको सम्मानित किया। साथ ही कांफ्रेंस की विशेष बैठक में अनुमति प्रदान करने पर शुक्रिया अदा किया। हाजी बिलाल कुरैशी ने कहा की अब हमारी टीम राज्य के विकास कार्यों के साथ काम करेगी। ताकि समाज के साथ राज्य और देश का भी विकास हो। हम राष्ट्रीय कमिटी का भी शुक्रिया अदा करते हैं। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से झारखंड कुरैश कॉन्फ्रेंस(रजिस्टर्ड) के अध्यक्ष हाजी बिलाल कुरेशी, उपाध्यक्ष हाजी तौफीक कुरैशी पप्पू, जमीअतुल कुरैश पंचायत आजाद बस्ती राँची के अध्यक्ष आजाद कुरैशी , सचिव बॉबी कुरैशी ,समाजसेवी नजीबुल्लाह खान ,नौशाद कुरैशी शामिल हैं।

फर्टिलाइजर फैक्ट्री वर्कर्स यूनियन नेता गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। सिंदरी पुलिस ने सोमवार 24 जुलाई की अहले सुबह लगभग तीन बजे फर्टिलाइजर फैक्ट्री वर्कर्स यूनियन महासचिव संतोष चौधरी के रांगामाटी स्थित आवास पर छापेमारी की व उन्हें गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने जनता श्रमिक संघ के संयुक्त महामंत्री गौरव वक्ष उर्फ लक्की सिंह के शहरपुरा स्थित आवास पर भी छापेमारी की. परंतु लक्की सिंह गिरफ्तारी से बच निकले. सिंदरी थाना प्रभारी प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि सिंदरी को शांत रखने के लिए प्रशासन मुस्तैद है. विगत 25 अगस्त 2022 को सिंदरी में हिंसक प्रदर्शन, तोड़फोड़ और मारपीट मामले में सुबह छापेमारी की गई है. इस सिलसिले में सिंदरी थाना में 90/22, 92/22 कांड संख्या दर्ज हुआ है. उन्होंने बताया कि संतोष चौधरी को गिरफ्तार कर पुलिस बैंक मोड़ थाना ले गई है और वहीं से उन्हें जेल भेज दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि गौरव वक्ष के आवास पर छापेमारी में उनके पिता इंद्रमोहन सिंह और अंगरक्षक को पूछताछ के लिए पुलिस लाई थी. फिलहाल उन्हें छोड़ दिया गया है. उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी करेगी. बताते चलें कि सिंदरी में विगत वर्ष 25 अगस्त को हिंसक प्रदर्शन में तात्कालीन भौंरा ओपी प्रभारी हिमांशु कुमार बुरी तरह घायल हो गए थे. बहुत दिनों दिल्ली में इलाज के बाद वह स्वस्थ होकर लौटे. इस घटना के आरोपी बेखौफ

घूम रहे थे. अचानक पुलिस की छापेमारी से हड़कंप मच गया है और आरोपी छिपने को विवश हो गए हैं.

मणिपुर पर ब्लेम गेम की बचाय गंभीर और संवेदनशील बने भाजपा : बंधु तिर्की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि मणिपुर में घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की फेहरिस्त काफी ज्यादा लंबी है और इसपर पर्दा डालने की कोई भी कोशिश ना केवल देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता बल्कि, आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारा पर भी घातक साबित होगा. उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी, सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के साथ ही विशेष रूप से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मामले में गंभीर और संवेदनशील रवैया अपनाना चाहिये और मणिपुर में तत्काल राष्ट्रपति शासन लागू कर वहां की सरकार को बर्खास्त किया जाना चाहिये. तिर्की ने कहा कि मणिपुर में गृह युद्ध जैसी परिस्थिति लम्बे समय तैयार हो गई है और बदले दौड़ में जिस प्रकार से महिला उत्पीड़न की घटना सामने आयी है वह ना केवल चौंकाने वाली है बल्कि इस बात की आशंका उत्पन्न करती है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि ऐसी घटनाओं की फेहरिस्त बहुत ज्यादा है और केवल एक घटना ही सामने

आयी है. श्री तिर्की ने कहा कि पूरे देश में चाहे जिस भी प्रदेश या केन्द्र शासित प्रदेश में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनायें घटित हो, पर उसकी जितनी भी निन्दा की जाये कम ही है क्योंकि ऐसी घटनायें, केवल अपराधी तत्वों का नहीं बल्कि पूरे देश में प्रत्येक संवेदनशील व्यक्ति को शर्मिंदा करती है. उन्होंने कहा कि ऐसी घटनायें, विशेष रूप से सरकार एवं प्रशासन के लिए चुल्लू भर पानी में डूब मरने की बात है. उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा को यह जानना चाहिये कि ऐसी घटनायें घटने पर उसका दूसरे राज्यों में घट रही तथाकथित रूप से उसी प्रकार की घटनाओं के तुलना कर मणिपुर के प्रभाव को कम करने की कोशिश नहीं करनी चाहिये अन्यथा इसका फायदा उन अपराधियों और अवांछित तत्वों को मिलेगा जो समाज और देश के दुश्मन हैं.

विचार गोष्ठी

जामताड़ा के फतेहपुर में सदानी झंडा घरों और चौक-चौराहों पर लहरा

सदानों में राजनीतिक चेतना जगाना होगा : राजेंद्र प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नियोजन नीति और स्थानीय नीति परिभाषित नहीं होने से मूलवासी सदान को सबसे ज्यादा नुकसान सरकार जब तक खतियान आधारित नियोजन नीति और स्थानीय नीति नहीं बनाती है तब तक संयुक्त बिहार में बने नियोजन नीति 3 मार्च 1982 को लागू करे। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय समिति की ओर से सदानों की अधिकार को लेकर लगातार महापंचायत, सम्मेलन , और सेमिनार किया जा रहा है। अधिकार आस्था और पहचान को लेकर सदानी झण्डा लगाओ अभियान सह विचार गोष्ठी का भव्य आयोजन आज जामताड़ा के फतेहपुर में किया गया। सदानी

झण्डा को अपने घरों में लगाने को लेकर मूलवासी सदान काफी उत्साहित दिखे। इस मौके पर मुख्य अतिथि मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि बाल बच्चों के भविष्य को बच्चानी है तो मूलवासी सदानों के बीच राजनीतिक चेतना जगाना होगा। राजनेताओं को आड़े हाथ लेते हुए कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य में बनने वाली सरकारों ने मूलवासी सदानों की अधिकार को छीनने का काम किया और अब हमारी पहचान को मिटाने का साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड में बाहरी लोगों को लोकसभा और विधानसभा में राजनीतिक दल उम्मीदवार बनाकर सांसद विधायक बना रहे हैं। इससे मूलवासी सदानों की राजनीतिक उपेक्षा हो रही है। प्रसाद ने कहा कि सदान झारखण्ड की सबसे पुराना वाशिंदे है। सदान शब्द से हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि सदानी झंडा हमारे पहचान और आस्था का प्रतीक है इस झंडे को हर घर और प्रतिष्ठानों में लगाने का आह्वान किया। प्रसाद ने कहा कि सदानी झंडा चेतना का संचार करेगा । प्रसाद ने कहा कि सदानों के बिना झारखंड का अस्तित्व ही नहीं है। उन्होंने कहा कि सदानों की बलिदान से राज्य मिला है। उन्होंने कहा कि पिछड़ी जातियो और सदान से आने वाले स्वर्णों की जातिए सर्वेक्षण और जनगणना कराने की मांग सरकार से की । उन्होंने कहा कि झारखण्ड में विधानसभा सभा की सीटों को 160और लोकसभा की सीटों को 28 करने की मांग केन्द्र सरकार से की है, जिससे सदानों को भी विधानसभा और लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल सके। उन्होंने कहा कि मूलवासी सदानों की आबादी 65% है। उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने पिछड़ी जाति को 36से पच्चास प्रतिशत तक आरक्षण देने की अनुशंसा की है सरकार पहल करे। प्रसाद ने कहा कि मूलवासी सदान समुदाय से आने वाले सवर्णों को 10% मिलने वाले आरक्षण का लाभ झारखंड के सदान स्वर्ण को मिले।

बरही के मनोकामनेश्वर मंदिर में अंबा प्रसाद ने रुद्राभिषेक कर स्कूल परिसर में किया पौधरोपण

राज्यवासियों के कल्याण की कामना की

नवीन मेल संवाददाता

बरही । श्रावण मास की तीसरी सोमावारी पर बड़कागांव की विधायक अम्बा प्रसाद ने प्रखंड परिसर स्थित मनोकामनेश्वर मंदिर में भगवान भोले का रुद्राभिषेक किया. विदित हो कि विधायिका ने श्रावण के प्रत्येक सोमवारी को जिले के विभिन्न शिवालयों में रुद्राभिषेक सह जलाभिषेक कर हजारीबाग जिले के सुख, शांति और प्रगति की कामना कर रही है. इसी उद्देश्य से पहली सोमवारी को बड़कागांव स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर, दूसरे सोमवारी को हजारीबाग शहर स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर और तीसरे सोमवारो को बरही स्थित मणिकामनेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक सह जलाभिषेक किया गया. साथ ही उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया. उन्होंने बताया कि क्षेत्र समेत राज्यवासियों का कल्याण और सहिष्णुता कायम हो तथा शोषण मुक्त समाज का निर्माण हो, उन्ही कामनाओ को लेकर रुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है. रुद्राभिषेक के बाद विधायिका ने भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में पौधरोपण भी किया. उन्होंने बताया कि पौधे प्रकृति के अमूल्य धरोहर है. इसकी रक्षा हमारा परम कर्तव्य है. इसके अभाव में हम ग्लोबल वार्मिंग जैसे समस्याओं से जूझ रहे है. इस अवसर पर कांग्रेस ओबीसी जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता, प्रखंड उपाध्यक्ष यमुना यादव, साहू समाज के अनुमंडल अध्यक्ष अमित कुमार साव, पूर्व मुखिया छोटन ठाकुर, हरियाली दुत दिनेश साव, संतोष रजक, रघुनंदन गोप,अमर कुमार , पंकज सिंह, कुणाल सिन्हा, धर्मजीत कुमार अमर कुमार,मोती सिंह, सुबोध केशरी, कैलाश साहु, लोकनाथ साहु, कमलदेव कुमार, बिनोद साहु, रामचंद्र साहु, बलराम केशरी, सुभाष बरनवाल, शिवकुमार गुप्ता समेत कई लोग मौजूद रहे.

मादक पदार्थ लदा वाहन दुर्घटना ग्रस्त, वाहन जब्त, मालिक-चालक के खिलाफ मामला दर्ज

बरही । एनएच33 स्थित होटल हर्षित राज करसो के समीप एक दुर्हटनाग्रस्त डस्टर गाड़ी संख्या जेएच 05 बीई 2463 से मादक पदार्थ जब्त किया गया है. उक्त जानकारी इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है. विज्ञप्ति के अनुसार बीते रात्रि तेज रफ्तार से हजारीबाग से बरही आ रही डस्टर गाड़ी करसो स्थित डुमरडीह मोड़ के समीप एक ट्रेलर के पीछे से टकरा गया. जिससे वाहन का अगला का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. वाहन का चालक फरार हो गया था. स्थानीय लोगो ने इसकी सूचना थाना को दी. सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और दुर्घटना ग्रस्त वाहन के पीछे के डिक्की में एक किग्रा के दस पैकेट में रखा गांजा पाया. जिसकी सूचना सीओ ए डी टोप्पो को दी गई. जिनके निर्देश पर दस पैकेट गांजा सहित दुर्घटना ग्रस्त वाहन को जब्त करते हुए थाना लाया गया. बरामद किया. साथ ही चालक वाहन मालिक और चालक के खिलाफ मादक पदार्थ के तस्करी का मामला दर्ज करते हुए अग्रेतर कारवाई की जा रही है.

जैन संत की हत्या के विरोध में डीसी को ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। दिगंबर जैन पंचायत हजारीबाग के कार्यकारिणी के सदस्यों ने सोमवार को डीसी नैंसी सहाय को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में कर्नाटक के बेलगांव में जैन आचार्य 108 काम कुमार नंदी जी महाराज की क्रूर हत्या एवं हत्यारों की अब तक गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में दिगंबर जैन पंचायत कार्यकारिणी के सदस्यों ने क्षोभ जताया. साथ ही राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, झारखंड के राज्यपाल, झारखंड के मुख्यमंत्री, कर्नाटक व झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मांग की, कि आचार्य 108 काम कुमार नंदी जी महाराज के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार किया जाए. साथ ही दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी जाए. दिगंबर जैन पंचायत ने भारत सरकार से यह मांग की है कि दिगंबर जैन मुनि पैदल यात्रा करते हैं तथा जिन क्षेत्रों से होकर वे विहार करते हैं, उन क्षेत्रों में सरकार और प्रशासन की ओर से उन्हें समुचित सुरक्षा प्रदान की जाए. इस हत्याकांड से दिगंबर जैन पंचायत के सदस्य आक्रोशित हैं और पूरे देश में इस घटना का विरोध प्रदर्शन हो रहा है. ज्ञापन देने वालों में दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष धीरेंद्र सेठी, महामंत्री पवन अजमेरा, उपाध्यक्ष जेपी जैन विनायका, संयुक्त महामंत्री पिंटू जैन छाबड़ा, कोषाध्यक्ष अरुण बोहरा, वरिष्ठ अधिवक्ता स्वरूप चंद जैन विनायका, उत्तम पाटोदी, राजकुमार जैन टोंगया, नगेंद्र विनायका, किशोर विनायका, विजय लुहाडिया, राजेश सेठी आदि शामिल थे.

गोरहर में विहिप कमेटी गठित अध्यक्ष बने अरुण कुमार

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के गोरहर स्थित दुर्गा मंदिर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल का प्रखंड स्तरीय बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष संजय यादव एवं संचालन प्रखंड मंत्री सत्यम भारती ने किया। वहीं मुख्य अतिथि प्रांत सत्संग प्रमुख झारखंड सह विभाग मंत्री हजारीबाग गणेश शंकर विद्यार्थी, जिला मंत्री अरविंद मेहता, जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, बजरंग दल जिला संयोजक प्रशांत सिंह, प्रखंड धर्म प्रचार प्रमुख धीरज गुप्ता उपस्थित हुए। बैठक में मुख्य रूप से आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा किया गया साथ ही गोरहर पंचायत विहिप समिति का गठन किया गया।इस दौरान शिलाडीह पंचायत के विहिप अध्यक्ष मुकेश पांडेय का बेहतर कार्य को देखते हुए उन्हें प्रखंड सामाजिक समरसता प्रमुख का नवीन दायित्व दिया गया।वहीं सर्वसम्मति से गोरहर के विहिप अध्यक्ष अरुण कुमार,मंत्री बैजनाथ महतो,संयोजक पूरण साव,मिलन प्रमुख देवचंद महतो,सत्संग प्रमुख प्रदीप महतो,सह सतसंग प्रमुख धनु महतो,सामाजिक समरसता प्रमुख संतोष पासवान,रामटहल ,सेवा प्रमुख छोटन कौल,गौ रक्षा रामदेव पासवान, सह गौ रक्षा प्रकाश पासवान,धर्म प्रचार शंकर प्रसाद,मुनेश्वर साव,सदस्य भुनेश्वर साव,दशरथ महतो,लोकनाथ महतो,जीतू राम,दीपक कुमार, नीलकंठ महतो,मदन ठाकुर,अनिल पटेल,संजय महतो को बनाया गया।वक्ताओं द्वारा धर्मांतरण,लव जिहाद व गौ रक्षा पर विशेष चर्चा किया गया। अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि देश में लव जिहाद व गौ हत्या बहुत चिंताजनक है।ऐसे कार्यों पर संगठन का पैनी नजर है।विधर्मियों को असफल करने के लिए सनातनी को एकजुट होने की आवश्यकता है।

तीसरी सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

रामगढ़। पवित्र सावन माह की तीसरी सोमवारी पर पूजा अर्चना के लिए जिले के शिवालयों में सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे. इस मौके पर रजरप्पा स्थित 20 फीट के शिवलिंग की श्रद्धालुओं ने श्रद्धा पूर्वक पूजा अर्चना कर खुशहाली की कामना की. इधर, कुरूम, लारी , रामगढ़, प्राचीन शिव मंदिर कैथा, मांडू, पतरातू सहित जिलाभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की. वहीं, तीसरी सोमवारी पर शुभ योग होने की वजह स्व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रुद्राभिषेक किया. इस मौके पर बाबा विश्वनाथ ज्योतिष केंद्र सोंढ चितरपुर के संचालक मिथलेश तिवारी ने विधि पूर्वक रुद्राभिषेक संपन्न करवाया. उन्होंने बताया की सावन माह में रुद्राभिषेक का खास महत्व है. बताया की आज वैसे भी रुद्राभिषेक का शुभ संयोग होने के कारण यह फालदायी सिद्ध होगा.

विभिन्न क्लबों के युवाओं के बीच लाठी का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बरही । मुहर्रम और पारंपरिक लाठी के खेल का गहरा संबंध है. इस अवसर पर विभिन्न अखाड़ों के लाठीबाज अपने करतब दिखाने से नही चूकते है. इस पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रसोईया धमना की समाजिक संस्था युवा साथी दल के अध्यक्ष विकास सिंह ने विभिन्न क्लबों के युवाओं के बीच लाठी वितरण किया. अध्यक्ष ने बताया कि मुहर्रम मुस्लिम समुदाय का पर्व होने के साथ एक सामाजिक पर्व भी है. इस पर्व को हिन्दू एवं मुस्लिम दोनों धर्म के लोग मिलकर मनाते हैं. जिसमे कई लोग अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न तरह के करतब दिखाते हैं. यह पर्व मुस्लिम समाज ही नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए प्रेरणादायी है. इस अवसर पर उन्होंने सभी अखाड़े और क्लबों के सदस्यो व पदाधिकारियों से मुहर्रम शांति और सद्भावपूर्ण मनाने का अपील किया है. लाठी वितरण चांद क्लब लस्करी, स्टार क्लब छोटकी बरही, चांद क्लब रसोइया धमना, हुसैनी क्लब वारसिया मुहल्ला, ताज क्लब मदीना नगर एवं के. जी. एन क्लब अंसार नगर में किया गया. इस दौरान राजा, अहमद, अल्ताफ, आजाद, शारूफ, बाबू, शमशेर ,सोनू , शहाबुद्दीन, मुस्ताक, सरफराज ,छोटू, दीपेश आदि उपस्थित थे.

स्कूल में संकुल स्तरीय दस दिवसीय आईसीटी प्रशिक्षण का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के संकुल संसाधन केंद्र कन्या मध्य विद्यालय बरकट्ठा में सोमवार को 10 दिवसीय आई सी टी (इनफॉर्म एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक महेश प्रसाद चौधरी, शिक्षक युगल ठाकुर, निरंजन प्रसाद, दिनेश कुमार सिन्हा, कलावती देवी, कौलेश्वर महतो, इन्द्रदेव साव, जयप्रकाश प्रसाद आदि ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। इस क्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनुश्रवण हेतु रामकृष्ण पांडेय उपस्थित रहे तथा प्रशिक्षण के संबंध में प्रशिक्षक से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। वहीं महेश प्रसाद चौधरी ने कहा कि आज के समय में सभी शिक्षक को सभी गतिविधियों की जानकारी रखना आवश्यक है, खासकर कंप्यूटर से संबंधित ज्ञान ,जिसे आधुनिक ज्ञान की श्रेणी में रखा जाता है, शिक्षकों लिए आज के समय में अति आवश्यक है। मौके पर आईसीटी प्रशिक्षक उमाशंकर प्रसाद, जय प्रकाश मंडल एवं विभिन्न विद्यालय के 22 प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

विद्यालयों के उत्क्रमण को लेकर डीसी ने की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिला अंतर्गत सरकारी विद्यालयों के उत्क्रमण को लेकर सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम द्वारा उपायुक्त को जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रखंड स्तरीय समिति द्वारा जिले के कुल पांच विद्यालयों के उत्क्रमण हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। वहीं, उन्होंने क्रमवार सभी प्रस्तावों एवं उत्क्रमण हेतु निर्धारित मापदंडों के संबंध में भी उपायुक्त को जानकारी दी। इस संबंध में उपायुक्त ने प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए विद्यालयों के उत्क्रमण हेतु प्रस्ताव राज्य स्तर पर भेजने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए । उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को यथासंभव कम दूरी पर ही शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध। साथ ही उपायुक्त ने इस दिशा में कार्य करने को लेकर कई महत्वपूर्ण बैठक के दौरान दिए।

रामगढ़ में सीसीएलकर्मी को गोलीबारी मारने के मामले में बड़ा खुलासा

साले ने रची थी हत्या की साजिश, धनबाद से गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रजरप्पा थाना क्षेत्र में सीसीएलकर्मी आशीष कुमार बनर्जी पर गोलीबारी की घटना का पुलिस द्वारा खुलासा कर दिया गया है। घटना को लेकर सीसीएलकर्मी आशीष कुमार बनर्जी के साले इंद्रनील बनर्जी को पुलिस ने धनबाद से गिरफ्तार किया है। सोमवार को एसपी पीयूष पांडेय ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि बीते 16 जुलाई को सीसीएलकर्मी आशीष मुखर्जी पर हुई फायरिंग में वे घायल हो गए। उनका रांची में इलाज चल रहा है। घटना को लेकर रजरप्पा थाना में कांड संख्या 110/23, धारा 341/307/34 भादवि और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले के अनुसंधान के क्रम में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कांड के मुख्य अभियुक्त इंद्रनील बनर्जी को धनबाद के सुदामडीह थाना क्षेत्र के लोको बाजार, पाथरडीह से गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि इंद्रनील बनर्जी घायल सीसीएलकर्मी आशीष कुमार बनर्जी का साला है। अपने स्वीकारोक्ति बयान में उसने कांड में संलिप्तता स्वीकार की है। बताया है कि उसकी बहन बबीता बनर्जी और जीजा आशीष कुमार बनर्जी के बीच घरेलु विवाद चल रहा है। मामला न्यायालय में भी विचाराधीन है। कलह से अजीज आकर इंद्रनील ने कुछ लोगों के सहयोग से घटना को अंजाम दिया है। आरोपी इंद्रनील एसबीआई बैंक के मैनेजेरियल पोस्ट पर कार्यरत हैं। एसपी पीयूष पांडेय ने बताया की घटना में शामिल इंद्रनील बनर्जी के पांचों सहयोगियों के धरपकड़ के लिए पुलिस अभियान चला रही है। बताया की कांड में प्रयुक्त अपाची बाइक संख्या जेएच10एटी 0533 बरामद कर ली गई है।

पैनी नजर — बरकट्ठा में मुहर्रम को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक

डीजे साउंड पर रहेगी पूर्ण पाबंदी : एसडीपीओ

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। मोहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर बरकट्ठा थाना परिसर में सोमवार को एसडीओ पूनम कुजुर की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। संचालन थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने किया। बैठक में मुख्य रूप से एसडीपीओ नाजीर अख्तर, सीओ श्रीकांत लाल मांझी, बीस सुत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद उपस्थित थे।वहीं विभिन्न अखाड़े के लोगों ने अपनी अपनी विचारों को रखा।उपस्थित लोगों ने मोहर्रम त्योहार को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का भरोसा दिया। मौके पर एसडीओ पूनम कुजूर ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर प्रशासन अपनी पैनी नजर रखी हुई है। इसलिए अफवाह पर ध्यान नहीं दें। एसडीपीओ नाजिर अख्तर ने कहा कि सरकारी आदेशानुसार डीजे पर पूर्ण पाबंदी है। अगर जुलूस में डीजे का उपयोग किया गया तो प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मुखिया अब्बास अंसारी, उप प्रमुख प्रतिनिधि उतिम महतो, पुर्व मुखिया गोपाल प्रसाद पंसस युसुफ अंसारी ,पंसस प्रतिनिधि छोटेलाल मेहता,सराज अंसारी, यमुना साव, बालेश्वर ठाकुर, प्रकाश चौधरी,भीम प्रसाद, अनिल आजाद, राजकुमार चौधरी, रामेश्वर यादव,रहमत अंसारी, मुमताज अंसारी, कृष्णदेव प्रसाद, गुलजार अंसारी, जीवन यादव, महावीर यादव चेतलाल पंडित, समेत दर्जनों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

रामगढ़ डीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ माधवी मिश्रा ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने भूमि, विद्यालयों में नामांकन, विकास कार्यों, मुआवजा, रोजगार, विभिन्न योजनाओं के लाभ सहित अपनी विभिन्न समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। जिसके उपरांत उपायुक्त ने मामलों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पूर्व जिप अध्यक्ष ने किया सम्मेलन का आयोजन, , अभिभावकों से मांगा मार्गदर्शन लिया आशीर्वाद

बुजुर्गों का सम्मान ही हमारी संस्कृति का परिचायक : शालिनी

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा । कोडरमा के अभिभावकों बुजुर्गो और युवाओं के साथ पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने सम्मेलन का आयोजन किया और मंचासिन सामाजिक कार्यकर्ताओ को अंग वस्त्र दे कर सम्मानित किया । झुमरी तिलैया के चित्रगुप्त नगर स्थित वृंदा भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने कहा कि मेरे इस संघर्ष के सफर में आपके आशीर्वाद से एक नई ऊर्जा मिली है। मैं सदैव नतमस्तक हूं । आपके आगे जिन्होंने मुझे एक परिवार से स्नेह सहयोग व आशीर्वाद दिया। एकजुटता के साथ चल रहें हैं। आशीर्वाद का सम्मान हमेशा रखूंगी । उन्होंने कहा कि बुजुर्गों का सम्मान ही हमारी संस्कृति का परिचायक है। हमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सदैव मार्गदर्शन मिलता है। देश में सर्वाधिक युवा है । बुजुर्ग उन्हें मार्गदर्शन देते रहे तो भारत को अग्रणी देश बनाया जा सकता है। बुजुर्ग हमारे समाज के धरोहर होते हैं और उनसे हमें सीखने के साथ साथ सहजने की जरूरत है। यदि हम परिवार में स्थाई सुख, शांति और समृद्धि चाहते हैं तो बुजुर्गों के सम्मान के साथ साथ देव तुल्य माता पिता का भी सम्मान करना होगा । इसी उद्देश्य को लेकर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोडरमा में बेरोजगारी , पलायन , क्रेशर , ढीबरा कई समस्याएं है। लेकिन इन सवालों पर जन प्रतिनिधियों की कमी अखरती है। मौके पर प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष प्रो बीएनपी बर्णवाल , ओमप्रकाश राय , अजय अग्रवाल , धर्मेंद्र सिंह आदि को साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित हुए समाजसेवी वीरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ नरेश पंडित , डॉ बिरेंद्र कुमार , साजिद हुसैन लल्लू , गुलाम जिलानी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश सलूजा , ट्रक एसोसिएशन के विजय सिंह , सेवा निवृत डीएसपी , भार्गव , यशपाल सिंह गोल्डन, बालगोविंद मोदी, सुषमा सुमन, अविनाश सेठ , मुन्ना भदानी , संतोष सहाय डोमचांच नगर पंचायत के निवर्तमान अध्यक्ष राजकुमार मेहता,उपाध्यक्ष पप्पू मेहता , वीरेंद्र साव, महेंद्र साव, संतोष साव, अरुण पासवान, पवन सिंह, प्रकाश रजक, के आलावा कई वक्ताओं के कहा की समस्याओं के प्रति साजिदा रहने में शालिनी गुप्ता का प्रयास सरहनिया है । लोगों के सुख दुख में हमेशा साथ देने और कोडरमा के हित में चिंतित हो कर प्रयास करने की सराहना की गई और 2024 के चुनाव में कोडरमा की जरूरत बताया । कार्यक्रम में कोडरमा जिला केडीसीए के दिनेश सिंह, संजय अग्रवाल , संजय सिंह, अमित कुमार, नरेंद्र सिंह चंदेल , सुशील अग्रवाल , अजय पांडेय, अजीत बर्णवाल , नवल प्रसाद , संदीप मुखर्जी , बसंत सिंह , मिलन शहवादी , संजू लंबा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक

'सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं पर्व'

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उप विकास आयुक्त अरुण वाल्टर सांगा एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में मुहर्रम पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने से संबंधित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन हुआ।सिमडेगा में 29 जुलाई को मुहर्रम का पर्व मनाया जायेगा। एवं 30 को भी जुलूस निकाला जायेगा। उप विकास आयुक्त ने विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम त्यौहार मनाये जाने को लेकर जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिएं। उन्होने शांति समिति के सदस्यों को भी सौहार्दपूर्ण एवं शांति पूर्ण वातावरण में त्यौहार बनाने की बात कही। उन्होंने अफवाह की ओर ध्यान नहीं देते हुए जिले में शांति, अमन- चैन हेतु आपसी भाई-चारे हर हाल में कायम रखने का निर्देश दिया। साथ ही निर्धारित मार्ग से ही जुलूस निकालने एवं निर्धारित समय का पालन करने का निर्देश दिया। मुहर्रम पर्व में कोई व्यक्ति अथवा असामाजिक तत्वों द्वारा किसी भी प्रकार की अफवाहें, अशांति उत्पन्न करने के उद्देश्य से व्हाट्सएप, फेसबुक आदि के माध्यम से प्रचारित - प्रसारित करता है तो उस पर कार्रवाई करने की बात कहीं। मुहर्रम पर्व को देखते हुए सड़क, बिजली, साफ-सफाई, एवं पीने का पानी की व्यवस्था हेतु नगर परिषद को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने जम जम कॉन्प्लेक्स के पास विद्युत विभाग से लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार ने शांति व्यवस्था बनाए रखने की बात कही।

तीसरी सोमवारी पर कोडरमा के शिवालयों में उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। सावन की तीसरी सोमवारी को लेकर ओम नमः शिवाय, हर हर महादेव से घर का कोना कोना एवं गॉव से शहर गूंजता रहा। कोडरमा के ध्वजाधारी धाम में 777 सीढी चढकर लगभग 500 से उपर श्रद्धालु भक्तों ने जलाभिषेक किया। वहीं जिले के झुमरी तिलैया, कोडरमा, डोमचांच, सतगावॉ, जयनगर, मरकच्चों चंदवारा के शिव मंदिरों निवास स्थलों में लगभग 1 लाख से उपर श्रद्धालु भक्तों ने बाबा भोले को जलाभिषेक किया। इस दौरान दुध बेलपत्र, चंदन, धतुरा, फूलआदि पूजा सामाग्री अर्पण किया। कई लोगों इस अवसर पर उपवास भी रखा। अलहे सुबह से ध्वजाधारी और झरनाकुड धाम के अलावा झुमरी तिलैया के इन्दरवा बस्ती शिवमंदिर, तिलैया बस्ती शिवमंदिर, करमा स्थित शिव मंदिर, स्टेशन स्थित शिवमंदिर, अडडी बंगला स्थित शिवमंदिर, सत्यनारायण मंदिर, गॉधी स्कूल रोड, गौरी शंकर मुहल्ल्ला, गैस गोदाम गली, महाराणा प्रताप चौक, स्थित संकट मोचन मंदिर, ब्लॉक रोड स्थित शिवमंदिर चमत्कारी बाबा मंदिर विद्यापुरी विश्रामबाग रोड स्थित शिव मंदिर व अन्य शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालु भक्त पहुॅचने लगे। देर शाम तक मदिरों में पूजा अर्चना की। वहीं दूसरी ओर शिववाटिका में देवघर जाने वाले कॉवरियों के लिए निशुल्क रहने व खाने की व्यवस्था की गयी है। शिववाटिका के प्रबंधक सुजीत लोहानी ने बताया कि प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से भजनो का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। पिछले तीन सप्ताह से लगभग 15 से 20 छोटी गाडियों में कॉवरियों की टोली उतरी और जिनके रहने व खाने की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। धार्मिक संगठनों के द्वारा संगीतमय भजनों का कार्यक्रम किया जा रहा है। मालूम हो कि इस बार सावन दो माह क है। नगर की धार्मिक संगठन श्रीराम संकीर्तन मंडल झरनाकुंड से ध्वजाधारी धाम तक सावन के अंतिम सोमवारी को कॉवर पद यात्रा निकालने की तैयारी में जुट गयी है। इस कॉवर पद यात्रा में झारखण्ड बिहार बंगाल यूपी से भी श्रद्धालु भक्त पहुॅचते है। 15 किमी के इस यात्रा में कई स्वयंसेवी व सामाजिक संगठन रास्ते में पेयजल फल चाय एवं अन्य सामग्री उपलब्ध कराते है। वहीं नंदी बाबा टस्ट के द्वारा ध्वजाधारी में महाप्रसाद की व्यवस्था की जाती है।

झुमरी तिलैया में महामंडल आपके द्वार कार्यक्रम आज

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। स्थानीय श्री माहुरी भवन के प्रांगण में 25 जुलाई को पूर्वाह्न 3 बजे से महामंडल के द्वारा महामंडल आपके द्वार का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में महामंडल में कई पदाधिकारी सम्मिलित होंगे व झुमरी तिलैया माहुरी वैश्य मंडल और मंडल के अन्य इकाई महिला समिति, नवयुवक समिति, बालिका समिति व पंचायत समिति के सदस्य एवम पदाधिकारी सहित समाज के सैकड़ों महिला, पुरुष व बच्चे सम्मिलित होंगे। आयोजन में जहां महामंडल के द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी, वहीं समाज से जुड़े समाज हित में कार्य करने की योजना पर बात होगी। हाल के दिनों में समाज के कई बच्चे व सदस्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए मंडल के द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एक बैठक हुई। जिसमे महामंडल उपाध्यक्ष रवि कपसीमे, तिलैया मंडल अध्यक्ष मुन्ना भदानी सचिव संजय तरवे, सहित मंडल के पदाधिकारी व सदस्य में अरुण सेठ, राजेश कप्सीमे, विजय वेसीखियार, दिलीप अठघरा, संतोष कपसीमे आदि उपस्थित हुए।

दर्शनीय स्थल वनदुर्गा में तीसरी सोमवारी पर हुआ जलाभिषेक

बोलबा। बोलबा प्रखंड के दार्शनिक स्थल मां वनदुर्गा के पावन प्रांगण में स्थित शिवालय में तीसरे सोमवार को हजारों भक्तों ने जलाभिषेक किया। सर्वप्रथम बैल धोवा नदी में पुरोहित परमेश्वर पंडा के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जल उठाओ कार्यक्रम किया गया। तत्पश्चात हजारों भक्तों ने बैल धोवा नदी से पदयात्रा करते हुए पर्यटक स्थल मां वंदुर्गा के पावन धरती पर पहुंचकर शिवालय पर जलाभिषेक किया गया । जलाभिषेक के पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया। आरती के पश्चात भव्य भंडारा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर मुख्य रूप से ज्योतिषाचार्य संजय मिश्रा सरस्वती शिशु मंदिर प्रधानाचार्य जगरनाथ सिंह केसरी सिंह जहूरन सिंह कैलाश सिंह प्रमोद सिंह अरुण सिंह शंकर सिंह काजल तिवारी देवकी कुमारी विरसमानी कुमारी एवं हजारों भक्तगण उपस्थित थे।

डीडीसी ने की शिक्षा विभाग की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उप विकास आयुक्त अरुण वाल्टर सांगा के अध्यक्षता में शिक्षा विभाग से संबंधित समीक्षात्मक बैठक का आयोजन डी.आर.डी.ए. सभागार में किया गया।बैठक में उप विकास आयुक्त ने जिले के विभिन्न प्रखंडों के कोटवार समीक्षा कर स्कूलों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पीएम पोषण योजना अंतर्गत सभी विद्यालय में सभी बच्चों को शत प्रतिशत माध्यम भोजन मुहैया किया जाने की समीक्षा किया। साथ ही सोमवार एवं शुक्रवार को अंडा फल अनिवार्य रूप से देने की बात कहीं। उन्होंने विद्यालय में नामांकित बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। बी.आर.पी. एवं सी.आर.पी. को दिए गए लक्ष्य के अनुरूप सत प्रतिशत स्कूल का भ्रमण करते हुए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मध्यान भोजन मुहैया कराया जा रहा है या नहीं इसका जांच करने को कहां। साथ ही ई-विद्यावाहिनी के माध्यम से सभी शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति एवं सभी बच्चों की उपस्थिति दर्ज अनिवार्य रूप से कराने की बात कही। उन्होंने बच्चों का पोस्ट ऑफिस के माध्यम से बैंक खाता खुलवाने का निर्देश दिया।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी मोहन झा, शिक्षा अधीक्षक विनोद कुमार, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, सभी बीईईओ, बी.आर.ओ, बी.आर.पी., सी.आर.पी., कनीय अभियंता एवं जिला परियोजना कार्यालय से डी.पी.एम. एवं सभी ए.पी.ओ. उपस्थित थे।

डीसी ने की संचालित योजनाओं की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में नगर परिषद झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा और नगर पंचायत डोमचांच में संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी नगर निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत आवास निर्माण कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिये। साथ ही किफायती आवास योजना को लेकर कई दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जहां किफायती आवास योजना संचालित हैं, वहां बाउंड्री वॉल करने और दुकान बनाने हेतु प्रस्ताव तैयार करेंगे। झरना कुंड के सौंदर्यीकरण और गहरीकरण को लेकर नगर परिषद झुमरी तिलैया को निर्देश दिये। मौके पर प्रशासक नगर परिषद झुमरी तिलैया श्री विनित, प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा, डोमचांच जितेन्द्र कुमार जैसल, नगर प्रबंधक, कनीय अभियंता व अन्य मौजूद थे।

आस्था

उड़ीसा के वेदव्यास से पदयात्रा करते हजारों की संख्या में कांवरिया पहुंची सिमडेगा

भगवा रंग में रंगा सिमडेगा, हर-हर महादेव के लगे जयकारे

नवीन मेल। विकास साहू

सिमडेगा। शिवभक्ति की डोर से बंधे झारखंड और ओडिशा के सनातन संबंध का सशक्त उदाहरण सोमवार को सिमडेगा की सड़कों पर दिखा। सावन माह की तीसरी सोमवारी के अवसर पर ओडिशा के पवित्र स्थल त्रिवेणी संगम वेदव्यास से उठा आस्था का ज्वार सोमवारको सिमडेगा तक पहुंचा। सिमडेगा पहुंचते ही पूरा सिमडेगा भगवामय हो गया और हर हर महादेव के जयघोष के साथ पूरा सिमडेगा गूंजने लगा ।कांवरिया सेवा संघ, सिमडेगा के बैनर तले हजारों की संख्या में कांवरिए शनिवार को ओडिशा के वेदव्यास रवाना हुए थे। वहां के संगमस्थल से जल उठाकर 75 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए कांवरियों का दल रविवार रात सिमडेगा पहुंचा।भगवा वस्त्र धारण किए कांवरियों ने बोल बम का उद्घोष करते हुए वातावरण में भक्तिरस घोल दिया। इधर शहरवासी कांवरियों की सेवा में तत्पर दिखे। कांवरियों को टुकुपानी मे ठहराया गया। सोमवार को प्रातः काल शिव भजनों की धुन पर झूमते- थिरकते कांवरिए शहर के प्राचीन और जाग्रत शिव स्थल सरना मंदिर पहुंचें और वहां भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर लोक कल्याण तथा विश्व कल्याण की प्रार्थना किया। उससे पहले कांवरिया की टोली महावीर चौक स्थित हनुमान मंदिर पहुंची जहां पर भव्य महाआरती का आयोजन हुआ जहां पर सभी लोगों ने आरती किया जिसके बाद नाचते गाते हुए आगे बढ़े।गौरतलब हो वेदव्यास के पवित्र जल और सरना मंदिर के भगवान भोलेनाथ का यह संबंध लगभग दो दशक पुराना है। आयोजन में संजय बड़ालिया, सत्येंद्र रोहिल्ला शुरूआती दौर से अब तक सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।शहर के धार्मिक- सामाजिक संगठनों के दर्जनों कार्यकर्ता इस आयोजन में अपना योगदान देते हैं। आयोजन में प्रारंभ से ही शिवभक्तों का काफी सहयोग मिलता रहा और

अब यह काँवर यात्रा भव्य रूप ले चुकी है। शिव आराधना के पवित्र सावन माह में शिवभक्तों को इस कांवर यात्रा की प्रतीक्षा रहती है।इस वर्ष लगभग 3000 से अधिक कांवरिए इस यात्रा में शामिल हुए। इनमें काफी संख्या में महिलाएं भी हैं, जिन का उत्साह देखते बन रहा है। सिमडेगा पहुंचकर सरना मंदिर तक जाने में लगभग 75 किलोमीटर तक की इस यात्रा के दौरान कॉवरिया सेवा संघ द्वारा कांवरियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाता है। संघ की ओर से यात्रियों के लिए नाश्ते, भोजन, दवा, विश्राम आदि की व्यवस्था की जाती है।

बिना प्राण प्रतिष्ठा, बिना प्रतिष्ठित मूर्ति की पूजा करने से शोक होता है : जीयर स्वामी

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। प्रखंड के पाल्हे जतपुरा ग्राम में चल रहे प्रवचन के दौरान श्री श्री जीयर स्वामी महाराज ने कहा कि शास्त्र में बताया गया है कि दुनिया में एक हीं भगवान हैं शालिग्राम ये भगवान का कभी प्राण, प्रतिष्ठा नहीं किया जाता है। बाकी जितने भी मनुष्य द्वारा मूर्ति की स्थापना की जाती है, प्राण प्रतिष्ठा की जाती है। यदि दो चार दिन भोग न लगे तो फिर से प्राण प्रतिष्ठा किजिये नहीं तो ऐसे बिना प्राण प्रतिष्ठा, बिना प्रतिष्ठित मूर्ति की पूजा करने से शोक होता है। भय होता है। अनेक प्रकार के यश कृति का समापन होता है। अपयश होता है। अतः नहीं करना चाहिए। जो खंडित मूर्ति हो उसका भी पूजा नहीं करना चाहिए। अन्यथा भय, शोक, उपद्रव, अशांति होता है। अलग अलग व्यक्ति की अलग-अलग मर्यादा है। शास्त्र कहता है सभी व्यक्ति एक ही मर्यादा में रहेगा। यह ठीक नहीं है। गृहस्थ आश्रम में रहकर विवाह करके कोई संकल्प ले लिया कि हमें पत्नी से मतलब ही नही है। उनको पाप लगेगा। महा नर्क हो जाएगा। ऐसा नहीं की विवाह कर लिया फिर दाढ़ी बढ़ा करके, दंड कमंडल ले करके घुमने लगें। यह कौन तरीका है। काहे को विवाह किया घर परिवार को सजाओ, शिक्षित करो बच्चों को संस्कार दो। बेटा बेटी का विवाह करो। सारे परिवार के लोगों को संवर्धन कर दो तब वैराग्य धारण करो। ऐसा बताया गया है। तब भगवान प्रसन्न होगें। तब आत्म कल्याण होगा। उन्होंने कहा कि पात्र के अनुसार ही दण्ड भोगना पड़ता है। बड़े लोगों द्वारा थोड़ी सी ही चूक होती है। उसका बहुत बड़ा परिणाम भोगना पड़ेगा। जो जितना पात्र का अधिकारी होगा, उसी के अनुसार दंड का अधिकारी होगा। जो जितना बड़ा होता है उसके अनुसार वैसा हीं दण्ड की प्रक्रिया होती है। यदि किसी के घर पर कौवा तथा गिद्ध बैठ जाए तो यदि उस घर वाले का कोई सामर्थ्य नहीं हो तो सुंदरकाण्ड का पाठ कर ले। हनुमान चालीसा का पाठ कर ले। उसी से मार्जन हो जाएगा। कोई धनी व्यक्ति हो तो उसको पूजन पाठ, भोग भंडारा इत्यादि करना पड़ेगा। ऐसा बताया गया है। इसीलिए सबके लिए अलग-अलग व्यवस्था बनाया गया है। सबके लिए एक ही नियम लागू नहीं हो सकता है। जैसे की गलती एक पागल व्यक्ति करता है तो उसे थोड़ा सा डांट करके छोड़ा जा सकता है। परंतु वहीं गलती यदि बड़े अधिकारी या पढ़े-लिखे लोग करते हैं तो उन्हे कठोर दण्ड भोगना पड़ता है।

बिहार के विधान पार्षद व विधायक ने स्वामी जी का किया दर्शन

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। बिहार के विधान पार्षद राधाचरण सेठ एवं यूपी रॉबर्ट्सगंज के विधायक भूपेश चौबे ने रविवार को श्रीलक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामीजी महाराज का दर्शन किया। उस मौके पर महायज्ञ समिति की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। उस मौके पर संरक्षक मंडल के सदस्य रामानंद पांडेय, अध्यक्ष वीरेन्द्र चौबे, उपाध्यक्ष अमित शुक्ला, सचिव अनीष शुक्ला, संयुक्त सचिव राकेश चौबे, सह कोषाध्यक्ष शिवनारायण चौबे, प्रदीप शुक्ला, उमेश शुक्ला, विंध्याचल शुक्ला समेत बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

पौधा लगाकर क्षेत्र में रिकॉर्ड बनाने का निर्णय

मेराल (गढ़वा)। पूर्वी पंचायत में 1 अगस्त को 2000 पौधा लगाकर क्षेत्र में रिकॉर्ड बनाने का निर्णय लिया गया है। सोमवार को अपने कार्यालय से जानकारी देते हुए मेराल पूर्वी के मुखिया रामसागर महतो ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम अभियान के लिए पंचायत सचिवालय में एक बैठक किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया की पंचायत वासियों को पौधा लगाने एवं बचाने के लिए जागरूक किया जाएगा। अधिक पौधा लगाने की लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपने पंचायत के सभी विद्यालयों आंगनबाड़ी सहित अन्य विभाग के कर्मियों को इस अभियान में जोड़कर पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाया जाएगा। पौधारोपण कार्यक्रम में 30 अगस्त को राजकीय प्राथमिक विद्यालय पूरवारा टोला में हजारों पौधा लगाकर अभियान का शुरूआत किया जाएगा। जिसमें सभी जनप्रतिनिधि ग्रामीण जनता शामिल होंगे। इसके पहले भी पंचायत क्षेत्र के कई सार्वजनिक जगहो पर पौधा लगाया गया है।

बारिश नहीं होने से किसान चिंतित

धान के बिचड़े सूखने के कगार पर, सरकार से मदद की गुहार

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी (गढ़वा)। खरौंधी प्रखंड क्षेत्र में लगभग बीस दिनों से वर्षा नहीं होने से आसमान निहारते-निहारते किसानों के आंखें फटने सी लगी है। लेकिन किसानों के ऊपर इंद्र देव महाराज की कृपा नहीं हो पा रही है। मौसम की बेरुखी इस बार भी प्रखंड क्षेत्र वासियों को परेशान कर रही है। अब तक अच्छी बारिश नहीं होने से किसान चिंतित हैं। किसानों को डर सता रही है कि कहीं अगले साल जैसे अकाल न पड़ जाय। पिछले साल भी खरौंधी प्रखंड सुखाड़ की चपेट में आया था। इस साल भी अबतक न के बराबर बारिश हुई है। जिस कारण प्रखंड क्षेत्र में धान रोपाई का काम शुरू नहीं हो पाया है। बारिश नहीं होने से धान का बिचड़ा मरने के कगार पर पहुंच गया है। जिससे किसान बेहद हैरान परेशान है। अच्छी बारिश नहीं होने से बिचड़ा भी खराब होने लगा है। वहीं किसानों ने काफी महंगे दामों से बिचड़े खरीद कर अपने-अपने खेतों में लगाया है जो रंग फटने लगा है। हालांकि कुछ किसानों ने मोटर पंप से बिचड़ा पटवन कर कुछ दिन बचाया लेकिन फिर भी बारिश नहीं हो रही हैं। पिछले कुछ दिनों से बादल तो छा रहे हैं लेकिन बारिश नहीं हो पा रही हैं। जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीर साफ दिखाई देती है। प्रखंड क्षेत्र के खरौंधी, माझिगावां, राजी, सुंडी, चन्दनी, सिसरी, अरंगी, कूपा, करिवाडीह पंचायतों के किसान पानी नहीं होने से किसान बेहद परेशान नजर आ रहे हैं। इस संबंध में प्रखंड के किसानों में उमाशंकर रजक, अनिल कुमार गुप्ता, सतेंद्र प्रसाद यादव, राजेंद्र गुप्ता, सुशील कुमार यादव, सत्यनारायण प्रसाद यादव, राजेन्द्र प्रसाद यादव, सत्यनारायण सिंह, मदन प्रसाद सिंह, महेंद्र सिंह, सरयू प्रसाद सिंह आदि किसानों का कहना है की इतने महंगे दामों में बीज खरीदना पड़ा और बारिश नहीं होने की वजह से बिचड़ा भी तैयार नहीं हो पाया। बिचड़े पानी के अभाव में तैयार होने से पहले ही मृत हो रहें हैं। बारिश नहीं होने से धान के साथ साथ मक्का सहित तेलहन दलहन फसल भी प्रभावित हो गई है। बारिश नहीं होने से हमलोग अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। खरौंधी प्रखंड क्षेत्र के किसान पूर्ण रूप से बारिश के पानी पर ही खेती करते हैं। खरौंधी प्रखंड में जितने भी जनप्रतिनिधि बने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में कोई ठोस उपाय नहीं निकाल पाए। जिससे किसानों के बीच आक्रोश व्याप्त है। खरौंधी प्रखंड में एकमात्र डोमनी बराज बनने से कुछ हद तक किसानों को राहत मिलती लेकिन यह योजना भी ठंढे बस्ते में चला गया है। प्रखंड क्षेत्र में 9 लिफ्ट एरिगेशन बना तो था लेकिन कई बर्षो से यह सब बंद पड़ा है। खरौंधी प्रखंड के लोग पूर्ण रूप से बरसात के पानी से खेती करने के लिए निर्भर है। विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र प्रसाद यादव ने कहा की खरौंधी प्रखंड इस साल भी सुखाड़ की चपेट में आ गया है। अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं। जनहित में सरकार से अविलंब किसानों के हित में खरौंधी प्रखंड को अकाल क्षेत्र घोषित कर फसल बीमा दिलाने की मांग की है एवं किसानों के बीच राहत बचाव कार्य चलाने की मांग की है। ताकि किसान अपना जीवन यापन कर सकें।

वृद्ध दंपती का खपरैल घर ध्वस्त, स्कूल में ली शरण

नवीन मेल संवाददाता

केतार (गढ़वा)। केतार प्रखंड क्षेत्र के गम्हरिया गांव निवासी असर्फी साह (80) का घर बारिश के कारण ध्वस्त हो गया है। इस करण अशर्फी साह एवं उनकी पत्नी दोनों ने समीप के बंद पड़े नव प्राथमिक विद्यालय गम्हरिया में शरण ली है। उक्त वृद्ध दंपती के दो पुत्र हैं। दोनों अपने परिवार के साथ गांव में ही दूसरी जगह पर रहते हैं। इधर वृद्ध दंपती पिछले कई वर्षों से गम्हरिया गांव स्थित मिट्टी के जीर्ण-शीर्ण कच्चे घर में रहते थे। वर्षों से उक्त घर की मरम्मत नहीं होने के कारण इस बार बारिश में सप्ताह भर पूर्व घर ध्वस्त हो गया। प्रखंड कार्यालय तक भाग-दौड़ करने में सक्षम नहीं होने के कारण मजबूरी में उक्त दंपती को समीप के नव प्राथमिक विद्यालय गम्हरिया में शरण लेना पड़ा है। अशर्फी साह ने बताया कि उनके पास कुछ बकरियां हैं, इनका पालन-पोषण कर ही उनका घर चलता है। ऐसे में ध्वस्त घर को फिर से नये सिरे से मरम्मत करने की क्षमता नहीं है। इसलिए उन्होंने प्रशासन से आंबेडकर आवास दिलाने की गुहार लगायी है।

ट्रांसफार्मर खराब रहने के कारण टोले के लोग ढिबरी युग में जीने को मजबूर

नवीन मेल संवाददाता

बड़गड़ (गढ़वा)। प्रखंड अंतर्गत टेहड़ी पंचायत के आदिवासी एवं कोरवा जनजाति बहुल खिराखाड़ एवं कोरहटी टोले में पिछले डेढ़ माह से बिजली नहीं रहने के कारण लोगों को अंधेरे में रहना पड़ रहा है। उक्त टोले के ग्रामीणों ने बताया कि गांव में किरण किसान के घर के पास लगा ट्रांसफार्मर काफी दिनों से खराब है। जिसे विभाग द्वारा शिकायत के बावजुद भी नहीं बनाया जा रहा है। जिस कारण टोले में निवास करने वाले लगभग पचास घरो में रहने वाले लोग ढिबरी युग में जीने को मजबूर है। ज्ञात हो कि अगले वर्ष इसी महीने में गांव में बिजली नहीं रहने के कारण रात के अंधेरे में घर में जमीन पर सो रही एक आदिम जनजाति महिला स्वास्थ्य सहिया बिनीता कोराइन की मौत सर्प दंश के कारण हो गई थी। उक्त टोले में रहने वाले आदिम जनजाति एवं आदिवासी परिवार के लोग अभावग्रस्त जीवन व्यतीत करते है। गांव के ज्यादातर लोग रात्रि में जमीन पर सोते हैं। ऐसे में लोगों को सोने के दौरान जहरीले जीव जंतुओं के काटने का भय हमेसा बना रहता है। ग्रामीण रमेश कोरवा, गणेश कोरवा, धनेश कोरवा, बिंदल कोरवा, सिफन कोरवा, टूटू कोरवा, जगतपाल पनिका, उमेश पनिका, मुकेश पनिका, जितनी देवी, प्रतिमा देवी, मीणा देवी, सोरठी देवी, पूनम देवी, मंजू देवी, रामरतन कोरवा, चटकु कोरवा, बद्री पाल, संगीत देवी, छोटी कुमारी, सुनीता कुमारी, चन्द्रेश प्रसाद आदि ग्रामीणों ने सम्बन्धित विभाग पदाधिकारी एवं जिले के उपायुक्त से जल्द खराब ट्रांसफार्मर को मरम्मत कराकर टोले में बिजली बहाल करने की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल

मेराल (गढ़वा)। थाना क्षेत्र के बांका चौक स्थित मुख्य सड़क पर मोटर साइकल सवार दो लोग गिर कर घायल हो गए। घायल व्यक्ति में श्यामलाल भुइयां के पुत्र पप्पू भुइयां 21 वर्ष, सुरेंद्र सिंह के पुत्र राजू सिंह 18 वर्ष दोनों घायल जतरो बंजारी के निवासी बताया गया है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक जाहरसरई गांव से अपने घर लौट रहे थे। लौटने के क्रम में बांका का गांव में मोटरसाइकिल से गिर कर घायल हो गया। घायल व्यक्तियों को ग्रामीणों की मदद से मेराल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा गया। जहां उपचार के बाद पप्पू भुइयां के स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया गया। इधर इसकी जानकारी मेराल पुलिस को मिलने पर क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को घटनास्थल पर पहुंच थाना ले आई है।

उपायुक्त ने की विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक, बोले

योजना में बचे लक्ष्य को एक सप्ताह में पूरा करें

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान विभाग की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में हुई। बैठक में सर्वप्रथम कृषि विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा हुई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बीज वितरण, बारिश की स्थिति, कृषि ऋण माफी अंतर्गत लाभान्वित किसान, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदन, कृषि पाठशाला आदि की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में लाभुकों के आवेदन लक्षित भूमि अनुसार ज्यादा से ज्यादा की संख्या में सृजित करने का निदेश दिया गया। सभी प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधकों को इस संबंध में आवश्यक निदेश दिये गये। केसीसी योजना के संबंध में जो आवेदन बैंकों द्वारा कृषि कार्यालय, लोहरदगा को वापस किये गये हैं उन्हें पुनः जांच व सुधार कर योग्य लाभुकों को लाभ दिये जाने का निदेश दिया गया। बैठक में उप परियोजना निदेशक, आत्मा, लोहरदगा द्वारा इस वित्तीय वर्ष 2023-24 के एक्शन प्लान से अवगत कराया गया जिसमें प्रशिक्षण, किसान मेला, डेमोन्स्ट्रेशन आदि कार्य शामिल हैं। पशुपालन व गव्य विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा में वर्ष 2022-23 में गाय वितरण की योजना में बचे हुए लक्ष्य को एक सप्ताह में पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही, वर्ष 2023-24 के लिए आवेदन प्राप्त करने का भी निदेश दिया गया। आवेदन की संख्या बढ़ाने के लिए बेहतर तरीके से प्रचार-प्रसार करने का निदेश दिया गया। जिला मत्स्य पदाधिकारी को जिला में एक फिश ब्रीडिंग सेंटर प्रारंभ करने हेतु आवश्यक निदेश दिये गये। उद्यान विभाग की ओर से वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्राप्त आवेदन की जानकारी दी गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी शिव पूजन राम, जिला मत्स्य पदाधिकारी नीलम सरोज एक्का, जिला पशुपालन व गव्य विकास पदाधिकारी डॉ अनुप कुमार, आत्मा उप परियोजना निदेशक सहित अन्य उपस्थित थे।

विधायक मद् की सड़क निर्माण में अनियमितता, ग्रामीणों में आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

केतार (गढ़वा)। केतार प्रखंड क्षेत्र के पालनगर गांव में पीडब्ल्यूडी सड़क से कोलझिकी पुल तक विधायक मद् की राशि दस लाख रुपए की लागत से बन रही पीसीसी सड़क में भारी अनियमितता बरती जा रही है। संवेदक द्वारा नियम कानून को ताक पर रखकर घटिया किस्म का सीमेंट और बालू का उपयोग कर सड़क की ढलाई किया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीण विश्वनाथ पाल, चंदन पाल, नंदकिशोर पाल, रामाधार पाल ने बताया की पीसीसी सड़क की ढलाई के दौरान सम्बंधित जेई की अनुपस्थिति में हो रहा है। सड़क के दोनों किनारों पर हमज चार इंच की ढलाई की जा रही है। जबकि सड़क के बीचोंबीच दो इंच की ढलाई किया जा रहा है। सड़क टिकाऊ नहीं हो पायेगा। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। उल्लेखनीय है कि विगत 20 फरवरी को क्षेत्रीय विधायक भानु प्रताप शाही ने शिलान्यास किया था।

आस्था तीसरी सोमवारी के मौके पर कलश यात्रा का शुभारंभ

मंत्री ने किया श्रद्धालुओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेराल (गढ़वा)। पवित्र श्रावण मास के तीसरी सोमवारी के अवसर पर प्रखंड के पढुआ गांव में बुढ़वा बाबा शिव स्थल से कलश यात्रा की शुरूआत की गई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने बांए बाकी शुखड़ा नदी के संगम तट से जल भरकर धूमधाम से जय कारा लगाते हुए गाजे-बाजे के साथ कलश में जल लेकर पुनः बुढ़वा बाबा शिव स्थल पहुंच सामूहिक रूप से जलाभिषेक किया गाय। इस मौके पर संगम स्थल पर पहुंच झामुमो के लोगों ने मिथिलेश कुमार देव के नेतृत्व में उपस्थित होकर मंत्री श्री ठाकुर की ओर से श्रद्धालुओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही मंत्री के निर्देश पर उनके निजी मद से झामुमो नेता मिथिलेश देव ने बुढ़वा बाबा शिव स्थान को सुंदरी करन के लिए पेयजल की सुविधा चंपानल लगाने एवं चहारदीवारी करने की घोषणा की । इधर रास्ते में श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह पर शरबत शीतल पेयजल की व्यवस्था किया गया था। श्रद्धालुओं ने बताया कि बुढ़वा बाबा शिव स्थल का इतिहास बहुत पुराना है और विगत कई वर्षों से यहां पर सावन महीने में सामूहिक रूप से जलाभिषेक श्रद्धालुओं द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर झामुमो नेता प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू , विधायक प्रतिनिधि हेमंत कुमार सिंह मुखिया आशीष बियार, बीडीसी दिनेश प्रसाद , झामुमो नेता फनीराज गुप्ता, छोटन कुमार, संजय सोनी, शिवपूजन सिंह, मनोज सिंह, ओमकार यादव, लाली राम, स्वरूप ठाकुर अर्जुन मेहता गुलाब चंद्रवंशी, उपेंद्र कुमार गुप्ता इत्यादि लोगों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाया। बुढ़वा बाबा शिव स्थल का सुंदरीकरण करने के लिए सामूहिक रूप से मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के प्रति आभार व्यक्त किया। मेराल मुड़ल टोला शिव मंदिर से सभी शिव भक्तों ने गाजे-बाजे के साथ शिव घोष की जयकारा लगाते हुए यूरिया नदी संगम तट करकोमा से कलश में जल भरकर शिव मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक किया गया। जिसमें प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमार, मुखिया रामसागर महतो, भाजपा नेता संजय भगत, जिला युवा सचिव अतहर, अली अंसारी, विनोद प्रसाद, पूर्व मुखिया सुषमा कुशवाहा इत्यादि शामिल हुए। वहीं आशुतोष महादेव हासनदाग से जल यात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने में मुखिया फुलवंती देवी, झामुमो गढ़वा अनुमंडल अध्यक्ष हरेंद्र चौधरी ,बीडीसी नंदू चौधरी, उप मुखिया अविनाश कुमार चौबे, राजबली चौधरी, बबलू चौधरी, उपेंद्र कुमार चंद्रवंशी, द्वारिका चौधरी, राजेंद्र चौधरी विनोद चौधरी, कमलेश चौधरी ने अहम भूमिका निभाया।

वाहन चेकिंग अभियान में 13 वाहन जब्त

डंडाई (गढ़वा)। थाना के एएसआई हरे कृष्ण प्रसाद के नेतृत्व में सोमवार को दो पहिया वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। गुप्तेश्वर प्रसाद के क्रेशर स्थल पर चलाए गए वाहन चेकिंग अभियान में मुख्य रूप से पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा सिर्फ दो पहिया वाहन चेकिंग करने का काम किया गया। इस दौरान उनके द्वारा बिना हेलमेट के वाहन चला रहे चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने का काम किया गया। इस बीच बिना हेलमेट के वाहन चलाते आ रहे कई दोपहिया वाहन चालकों की वाहन को जब्त कर उनके द्वारा सीधे थाना में लगा दिया गया है। समाचार लिखे जाने तक उनके द्वारा 13 दोपहिया वाहन को जब्त कर थाना में लगा दिया जा चुका है। हरेकृष्ण ने बताया कि वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर आज सर्फ दोपहिया वाहन चेकिंग करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चला रहे चालकों की वाहन को जब्त कर थाना में लगा दिया गया है।

नवविवाहिता ने जहर खाकर आत्महत्या की

मेराल (गढ़वा)। थाना क्षेत्र के सोहवरिया गांव नवविवाहिता शीला देवी 20 वर्ष ने जहर खाकर बीती रात्रि आत्महत्या कर ली। उसका मायका पलामू जिला के चैनपुर थाना करमाहा गांव के राजदेव चौधरी की पुत्री है। लोगों ने बताया की पति सुखारी चौधरी एवं शीला के बीच कुछ बातों को लेकर घरेलू विवाद हुआ था। जिसमें शीला देवी आवेश में आकर बीती रात्रि जहर खा गई जिसमें उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मेराल पुलिस शव को कब्जे में लेकर अंतःपरीक्षण हेतु गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया अंतः परीक्षण के बाद प्राथमिकी दर्ज कर मामले की अनुसंधान कर रही है।

बच्चों की मौत पर राजनीति

झारखंड के पलामू जिले में पिछले दिनों लापरवाही के कारण चार बच्चियों की जान आहर में डूब कर हो गयी। यह घटना महज घटना नहीं अपितु सरकारी महकमें पर जोरदार तमाचा है। बच्चियां स्कूल पढ़ने गयी थी। स्कूल आहर के बगल में था। चहारदीवारी नहीं होने की वजह से असमय ये बच्चियां जान गंवा बैठी। स्कूली छात्राओं की आहर में डूबकर हुई मौत की घटना की जानकारी मिलते ही झारखण्ड सरकार के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी रामगढ़ पहुंचे और घटनास्थल जाकर हादसे का जायजा लिया। इस दौरान श्री त्रिपाठी ने विद्यालय प्रबंधन से बात की और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मौके पर मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय जनप्रतिनिधि की लापरवाही के कारण विद्यालय में चहारदीवारी नहीं है, जिसकी वजह से यह घटना घटी है। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि उपायुक्त से मुलाकात कर विद्यालय में चहारदीवारी कराने की बात करेंगे। सभी मृतक बच्चियां सरजा गांव में स्थित शहीद नीलाम्बर पीताम्बर विद्यालय में प्रारम्भिक वर्ग की छात्रा थी। इनमें दो बच्चियां सगी बहनें हैं। चारो छात्राओं का शव बरामद होने के बाद जिले में आज भी सन्नाटा पसरा हुआ है। बताया जाता हैं कि अन्य दिनों की तरह उक्त चारो बच्चियां विद्यालय गई थी। जब शाम होने पर अपने घर नहीं लौटी तब चिंतित परिजनो ने खोजबीन शुरू की। इसी दौरान घटना की सुबह सरजा विद्यालय के पीछे स्थित आहर में सभी बच्चियों का शव पाया गया। इस दौरान पूछताछ में विद्यालय के प्रधानाध्यापक से पता चला कि चारो बच्चियां विद्यालय आई थी। आशंका जताई गई कि चारो बच्चियां खेलते खेलते आहर की ओर चली गई होंगी और आहर के पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। विद्यालय में चहारदीवारी के नहीं होने से इतना बड़ा हादसा हुआ। यह बात सभी नेता और अधिकारी कर रहे हैं। अब सवाल उठता है कि इतनी बड़ी लापरवाही हो जाने के बाद सभी यह मान रहे हैं कि चहारदीवारी स्कूल में जरूरी थी। यह बात पहले क्यों नहीं समझी गयी। गौरतलब हो कि इस हृदयविदारक हादसे की खबर फैलते पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में लोग हादसा स्थल पर पहुंचे। चार मासूमों का शव देख हर किसी की आँख नम थी। प्रभावित परिवारों में तो जैसे पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो -रो कर बुरा हाल है। ऐसे में इस हादसे का जवाबदेह कौन है ?सवाल तो उठता है। मुआवजे की राशि मिल जाने के बाद क्या बच्चियों की जान वापस आ सकती है। प्रायः यह देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा की बाबत कोई कदम नहीं उठाये जाते हैं। जिस कारण कभी स्कूल की छत गिर जाती है तो कभी वज्रपात से बच्चे असमय जान गंवा बैठते हैं। बहरहाल ऐसा ही दृष्य झारखंड के कई जिलों में देखने को मिलते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आयी गिरावट का यह एक नमूना भर है। ऐसे कई वाक्ये हमारी दिनचर्या में शामिल हैं।ऐसी स्थिति में हमारी संवेदनाओं पर आज मरहम लगाने वाला कोई नहीं है। उन मासूम बच्चों का आखिर क्या कसूर था। अगर समय रहते उस आहर पर पैनी नजर रखी जाती तो शायद ऐसी घटना कभी नहीं घटती। बहरहाल बच्चियों की मौत पर राजनीति जारी है।

आशंका जताई गई कि चारो बच्चियां खेलते खेलते आहर की ओर चली गई होंगी और आहर के पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। विद्यालय में चहारदीवारी के नहीं होने से इतना बड़ा हादसा हुआ। यह बात सभी नेता और अधिकारी कर रहे हैं।

क्यों जरूरी है बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा देना

अभी कुछ दिन पहले ही केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसआई) ने एक बेहद जरूरी फैसला लिया। इसके तहत अब सीबीएसई स्कूलों को प्री-प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक क्षेत्रीय व मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने का विकल्प देगी। अब तक, राज्य बोर्ड स्कूलों के विपरीत, सीबीएसई स्कूलों में केवल अंग्रेजी और हिंदी माध्यम ही शिक्षा प्राप्त करने का विकल्प था। सीबीएसई ने अपने सभी संबंधित स्कूलों से कहा है कि जहां तक संभव हो सके यथाशीघ्र तो पांचवीं कक्षा तक क्षेत्रीय भाषा में या फिर बच्चे की मातृभाषा में पढ़ाई के विकल्प उपलब्ध करायें । बेशक, यह एक युगांतकारी फैसला है। हरेक बच्चे के पास यह विकल्प होना ही चाहिए कि वह अपनी मातृभाषा में स्कूली शिक्षा ग्रहण कर सके। हां, उसे विषय के रूप में कोई एक भाषा या एकाधिक भाषाएं पढ़ाई जा सकती हैं। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर ने भी अपनी स्कूली शिक्षा क्रमशः अपनी मातृभाषा हिन्दी और मराठी में ही ली थी। ये दोनों आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल करने में सफल रहे। इन दोनों से बड़ा ज्ञानी कौन होगा। यानी आप प्राइमरी तक अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने के बाद बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। टाटा समूह के चेयरमेन नटराजन चंद्रशेखरन ने भी अपनी स्कूली शिक्षा अपनी मातृभाषा तमिल में ही ली थी। यह जानकारी अपने आप में महत्वपूर्ण इस दृष्टि से है कि तमिल भाषा से स्कूली शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी ने आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल किया और करियर के शिखर को छुआ। बेशक, भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने की अंधी दौड़ के चलते अधिकतर बच्चे असली शिक्षा को पाने के आनंद से वंचित रह जाते हैं। असली शिक्षा का आनंद तो आप तब ही पा सकते हैं, जब आपने कम से कम पांचवीं तक की शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हासिल की हो। विभिन्न अध्ययनों से प्रमाणित हो चुका है कि जो बच्चे मातृभाषा में स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे अधिक सीखते हैं। अंग्रेजी का विरोध नहीं है या अंग्रेजी शिक्षा या अध्ययन को लेकर कोई आपत्ति भी नहीं है। पर भारत को अपनी भाषाएं, चाहे हिन्दी, तमिल, बांग्ला या कोई अन्य, में प्राइमरी स्कूली शिक्षा देने के संबंध में तो बहुत पहले ही फैसला ले लेना चाहिए था। क्योंकि उसके बिना बच्चों को सही शिक्षा तो नहीं दी जा सकती। हां, शिक्षा के नाम पर प्रमाणपत्र जरूर बांटे जा सकते हैं। याद रखें कि शिक्षा का अर्थ है ज्ञान। बच्चे को ज्ञान कहां मिला? हम तो उन्हें नौकरी पाने के लिए तैयार कर रहे हैं। अभी हमारे यहां पर दुर्भाग्यवश स्कूली या कालेज शिक्षा का अर्थ नौकरी पाने से अधिक कुछ भी नहीं है। आजादी के बाद हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के उत्थान का जो सपना देखा गया था वह सपना दस्तावेजों और सरकारी कार्यक्रमों में ही दबकर रह गया था। हम सब जानते हैं कि सारे देश में अंग्रेजी के माध्यम से स्कूली शिक्षा लेने- देने की महामारी ने अखिल भारतीय स्वरूप ले लिया है। जम्मू-कश्मीर तथा नगालैंड ने अपने सभी स्कूलों में शिक्षा का एकमात्र माध्यम अंग्रेजी ही कर दिया है। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडू समेत कुछ और अन्य राज्यों में छात्रों को विकल्प दिये जा रहे हैं कि वे चाहें तो अपनी पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी रख सकते हैं। यानी बच्चों को उनकी मातृभाषा से दूर करने की भरपूर कोशिश हुई। मुझे मेरे एक मित्र, जो राजधानी के मशहूर स्कूल के प्रधानाचार्य रहे हैं, बता रहे थे कि जब वे हरियाणा के करनाल जिले के एक ग्रामीण इलाके में पढ़ा रहे थे तो उन्हें एक नया अनुभव हुआ। वहां पर माता-पिता के साथ बच्चे खुशी-खुशी स्कूल में दाखिला लेने आते। वे नई किताबें और कॉपियां लेकर स्कूल आने लगते। लेकिन, स्कूल में कुछ दिन बिताने के बाद उनका स्कूल से मोहभंग होने लगता। वे कहने लगते कि उन्हें तो पढ़ना आता ही नहीं। वे धीरे-धीरे चुप रहने लगते कक्षा में। इसकी वजह यह थी कि उन्हें पढ़ाया जाता था अंग्रेजी में। उन्हें उनकी मातृभाषा में पढ़ाया जाता तो शायद उनका स्कूल और पढ़ाई से मोहभंग न होता। इस स्थिति के कारण अनेक बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते। विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा देना मनोवैज्ञानिक और व्यावहारिक रूप से वांछनीय है, क्योंकि, विद्यालय आने पर बच्चे यदि अपनी भाषा में पढ़ते हैं, तो वे विद्यालय में आत्मीयता का अनुभव करने लगते हैं और यदि उन्हें सब कुछ उन्हीं की भाषा में पढ़ाया जाता है, तो उनके लिए सारी चीजों को समझना बेहद आसान हो जाता है। समूचे संसार के भाषा-वैज्ञानिकों, अध्यापकों और शिक्षा से जुड़े अन्य जानकारों की राय है कि बच्चा सबसे आराम से अपनी भाषा में पढ़ाए जाने पर ही शिक्षा ग्रहण करता है। जैसे ही उसे किसी अन्य भाषा में पढ़ाया जाने लगता है, तब ही गड़बड़ चालू हो जाती है। हमारे देश में तो यही होता चला आ रहा है। कई अध्ययनों से साबित हो चुका है कि जो बच्चे अपनी मातृभाषा में प्राइमरी से पढ़ना चालू करते हैं उनके लिए शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाएं अधिक प्रबल रहती हैं। यानी बच्चे जिस भाषा को घर में अपने अभिभावकों,भाई-बहनों, मित्रों के साथ बोलते हैं, उसमें पढ़ने में उन्हें अधिक सुविधा रहती है। अफसोस कि हमारे देश के एक बड़े वर्ग ने मान लिया है कि अंग्रेजी जाने-समझे बिना गति नहीं है। इसके चलते हर स्तर पर इसे बढ़ावा देने की मानसिकता नजर आती है। एक तरह से यह सोच घर कर गई है कि अंग्रेजी जाने बिना दुनिया अधूरी-अधकचरी है। बेशक, इसी मानसिकता के चलते हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा अपनी आय का एक बड़ा भाग अपने बच्चों को कथित अंग्रेजी स्कूलों में भेजने पर खर्च करने लगा है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में भारत के 25 फीसद स्कूली बच्चे उन स्कूलों में पढ़ाई शुरू करने लगे हैं, जहां पर मातृभाषा की बजाय शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इन बच्चों को शिक्षा का आनंद आ ही नहीं सकता। और इनमें से अनेक अंग्रेजी की अनिवार्यता का चलते स्कूलों को छोड़ देते हैं। खैर, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसआई) के ताजा फैसले से एक उम्मीद अवश्य जागी है कि चलो हमने भी भारत की अपनी भाषाओं को सम्मान देना भले ही देर से चालू तो किया।

सीबीएसई ने अपने सभी संबंधित स्कूलों से कहा है कि जहां तक संभव हो सके यथाशीघ्र तो पांचवीं कक्षा तक क्षेत्रीय भाषा में या फिर बच्चे की मातृभाषा में पढ़ाई के विकल्प उपलब्ध करायें।

इन दिनों

आर.के.सिन्हा

बोधि वृक्ष

आइये सुने कथा शिव पुराण की

तब दोनों के विवाद को शान्त करने के लिये एक अद्भुत ज्योर्तिलिंग का अर्विभाव हुआ। दोनों बड़े आश्चर्य के साथ इस ज्योर्तिलिंग को देखते रहे और इसका स्वरूप जानने के लिये ब्रह्मा हंस स्वरूप बनाकर ऊपर की ओर और विष्णु वाराह स्वरूप धारण कर नीचे की ओर गये। लेकिन दोनों ही ज्योर्तिलिंग के आदि-अन्त का पता नहीं कर सके। इस प्रकार 100 वर्ष बीत गये। इसके पश्चात ज्योर्तिलिंग से उन्हें ओंकार शब्द का नाद सुनायी पड़ा और पँचमुखी एक मूर्ति दिखायी पड़ी। ये ही शिव थे। ब्रह्मा और विष्णु ने उन्हें प्रणाम किया, तब शिव ने कहा, ''कि तुम दोनों मेरे ही अंश से उत्पन्न हुये हो।'' और ब्रह्मा को सृष्टि की रचना एवं विष्णु को सृष्टि का पालन करने की जिम्मेदारी प्रदान की। शिव पुराण में 24000 श्लोक हैं। इसमें तारकासुर वध, मदन दाह, पार्वती की तपस्या, शिव-पार्वती विवाह, कार्तिकेय का जन्म, त्रिपुर का वध, केतकी के पुष्प शिव पुजा में निषेद्य, रावण की शिव-भक्ति आदि प्रसंग वर्णित हैं।

शिव पुराण में 12 संहितायें

1. विघ्नेश्वर संहिता **2.** रुद्र संहिता **3.** वैनायक संहिता **4.** भौम संहिता **5.** मात्र संहिता **6.** रूद्रएकादश संहिता **7.** कैलाश संहिता **8.** शत रूद्र संहिता **9.** कोटि रूद्र संहिता **10.** सहस्त्र कोटि रूद्र संहिता **11.** वायवीय संहिता **12.** धर्म संहिता

विघ्नेश्वर तथा रौद्रं वैनायक मनुत्तमम। भौमं मात्र पुराणं च रूद्रैकादशं तथा। कैलाशं शत्रूद्रं च कोटि रूद्राख्यमेव च। सहस्त्रकोटि रूद्राख्यंवायुवीय ततःपरमधर्मसंज्ञं पुराणं चेत्थैवं द्वादशः संहिता। तदैव लक्षणमुदिष्टं शैवं शाखा विभेदतः इन संहिताओं के श्रवण करने से मनुष्य के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं तथा शिव धाम की प्राप्ति हो जाती है।

(क्रमशः)

योगी सरकार, शिक्षा में बड़ा सुधार

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

ऑपरेशन कायाकल्प योगी आदित्यनाथ की अभिनव योजना रही है। परिषदीय विद्यालयों में इंफ्रॉस्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए ऑपरेशन कायाकल्प के पहले चरण में किये गये प्रयासों में आशातीत सफलता मिली है।

बदलाव

योगी सरकार ने छह वर्ष में उत्तर प्रदेश में विकास के नये आयाम स्थापित किये हैं। इसमें शिक्षा भी शामिल है। माध्यमिक और बेसिक शिक्षा पर इतना ध्यान पहले कभी नहीं दिया गया। ऑपरेशन कायाकल्प योगी आदित्यनाथ की अभिनव योजना रही है। परिषदीय विद्यालयों में इंफ्रॉस्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए ऑपरेशन कायाकल्प के पहले चरण में किये गये प्रयासों में आशातीत सफलता मिली है। इस अवधि में परिषदीय विद्यालयों के इंफ्रॉस्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 11 हजार करोड़ रुपये खर्च किये गये। बेसिक शिक्षा परिषद तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में एक लाख 64 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में करीब साठ नये विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। सितंबर तक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 2.36 लाख शिक्षकों को टैबलेट उपलब्ध कराये जायेंगे। शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जायेगी। टैबलेट में शासकीय कार्यक्रमों की योजनाओं के बारे में जागरुकता सामग्री प्री-लोडेड होगी। अब ऑपरेशन कायाकल्प के दूसरे चरण की शुरूआत की तैयारी शुरू हो रही है। इंफ्रॉस्ट्रक्चर के साथ शैक्षिक गुणवत्ता, पठन-पाठन का माहौल, तकनीकी दक्षता, डिजिटल लर्निंग और वोकेशनल शिक्षा की ओर बढ़ना होगा। विद्यालयों में 'एट ग्रेड लर्निंग' की व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों को प्रारम्भिक तौर पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लिया जायेगा। सभी जनपदों में एक विद्यालय मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में विकसित किया जायेगा। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत माध्यमिक विद्यालयों के जीर्णोद्धार कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जायेगा। शासकीय के साथ-साथ वित्त पोषित अशासकीय विद्यालयों में सम्बन्धित प्रबन्ध तंत्र के सहयोग से जीर्णोद्धार होगा। उत्तर प्रदेश के विकास पर नीति आयोग की रिपोर्ट चर्चा में है। इसके आधार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन का आकलन किया जा सकता है। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि यूपी विकसित प्रदेश बनने की दिशा में अग्रसर है। छह वर्ष में साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। लोग समर्थ और सक्षम बन रहे हैं। नीति आयोग के निर्धारित मानकों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण था। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद शिक्षा के सभी स्तरों पर व्यापक सुधार हुआ है। राज्य में 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के क्रमिक उन्नयन तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को प्री-प्राइमरी के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में मुख्यमंत्री ने लोक भवन में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय के लिए धनराशि का डीबीटी के माध्यम से अन्तरण प्रक्रिया का शुभारम्भ किया। इसके अलावा योगी सरकार ने नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित की गई। इससे देश में यूपी की शिक्षा का महत्व और सम्मान बढ़ा है। शिक्षा में किया गया निवेश कभी व्यर्थ नहीं जाता। शिक्षा देश और समाज के भविष्य को संवारने का माध्यम है। छह वर्ष पहले प्रदेश में मात्र बारह राजकीय मेडिकल कॉलेज थे। विगत छह वर्षों के प्रयास के बाद आज पैंतालीस जनपदों में सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। आज प्रदेश में 22 राज्य विश्वविद्यालय व तीन केन्द्रीय विश्वविद्यालय संचालित हैं। छत्तीस निजी विश्वविद्यालय, दो एम्स हैं। दो आईआईटी व आईआईएम संचालित हैं। दो हजार से अधिक पॉलिटेक्निक व वोकेशनल इंस्टीट्यूट भी संचालित हैं। कुछ दिन बाद हर जिले में विश्वविद्यालय नजर आएंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फोटो की दुनिया

फेसबुक वॉल से

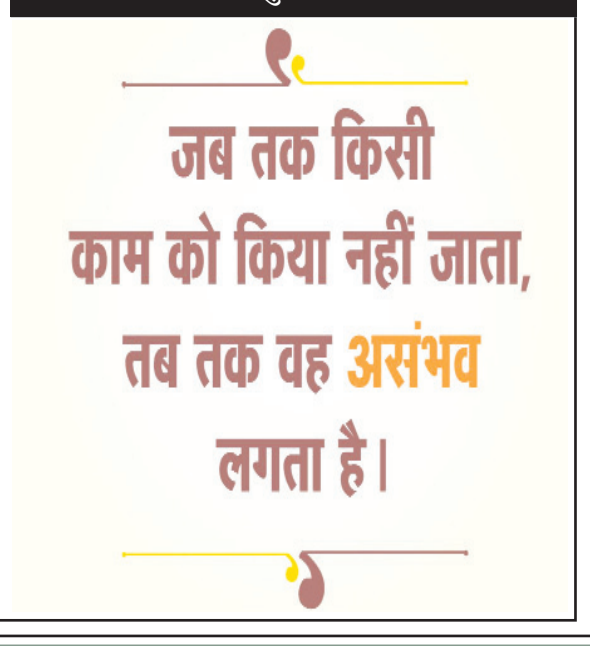

मुकदमों के बोझ से झुकी अदालतें व जटिल होता जीवन

लोकतंत्र के चार स्तंभों में से एक न्यायपालिका इन दिनों काफी दबाव में है। उस पर मुकदमों का अंबार लगा हुआ है। देश के सर्वोच्च न्यायालय से लेकर विभिन्न अदालतों में मुकदमों का बोझ इस कदर हावी है कि न्याय की रफ्तार धीमी से धीमी होती जा रही है। अदालतों पर बढ़ते बोझ की समस्या की तस्वीर आंकड़ों के साथ पेश की जाए तो आम आदमी न्याय की आस ही छोड़ बैठेगा। साफ है कि एक ओर तो न्यायपालिका पर मुकदमों का बोझ लदा है, दूसरी ओर उसके जरूरत भर न्यायाधीश भी नहीं हैं। देश की न्याय प्रक्रिया को यदि दुरुस्त करना है तो एक साथ दो मोर्चों पर काम करने की जरूरत है। देश के छोटे-बड़े सभी न्यायालयों में लगभग 5 करोड़ मुकदमे पैंडिंग हैं। कई तो 30-30 वर्षों से चल रहे हैं। संबंधित मर-खप गया, कई विदेश चले गये, कईयों को लापता घोषित कर दिया गया। न्याय में विलम्ब करना न्याय से इन्कार करना होता है। न्यायाधीशों पर भी अंगुली उठती है। भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। हजारों छोटे-बड़े न्यायालयों में न्यायधीशों की योग्यता पर भी चर्चा सुनते-पढ़ते हैं। न्यायालय के कार्यों में राजनैतिक हस्तक्षेप की बात आम है। निष्पक्ष होकर न्याय करने वाले भी कभी-कभी प्रभावित हो जाते हैं। जो फैसले निचली अदालतें करती हैं, उनमें से कई ऊंची अदालतों में जाकर उलट जाते हैं। देश में लंबित मुकदमों की संख्या कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है-न केवल निचली अदालतों में, बल्कि उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में भी। अब उनकी संख्या 4.4 करोड़ पहुंच गई है। यह स्थिति गहन चिंता का विषय बननी चाहिए, क्योंकि इससे यही पता चलता है कि न्यायिक व्यवस्था चरमरा रही है। यह तथ्य चकित करने वाला है कि केंद्र सरकार ही 6.3 लाख मुकदमों में पक्षकार है। जब केंद्र सरकार इतने अधिक मुकदमे लड़ रही है तो फिर यह सहज ही समझा जा सकता है कि राज्य सरकारें भी बड़ी संख्या में मुकदमे लड़ रही होंगी। वास्तव में इस एक कारण से भी निचली अदालतों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। एक हालिया आंकड़े के अनुसार हर तरह के न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या पांच करोड़ से अधिक पहुंच गई है। देश में कानूनमुक्त शासन व्यवस्था स्थापित करने पर चिन्तन होना चाहिए। देश में सबसे ज्यादा मुकदमे रेवेन्यू से जुड़े हुए हैं। गांवों में जमीन के बंटवारे या सीमा निर्धारण को लेकर देश की निचली अदालतों में अंबार लगा हुआ है। इस तरह के मुकदमों के निपटारे में ग्राम पंचायत की कहीं कोई भूमिका तय हो तो शायद कोई स्थाई समाधान संभव हो सकता है। लाख प्रयासों के बावजूद देश की अदालतों में मुकदमों का अंबार कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। इनमें से करीब 87 फीसदी मुकदमे देश की निचली अदालतों में लंबित हैं तो करीब 12 फीसदी मुकदमे राज्यों के उच्च न्यायालयों में लंबित चल रहे हैं। देश की सर्वोच्च अदालत में एक प्रतिशत मुकदमे लंबित हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि न्यायालयों में मुकदमों का अंबार लगा हुआ है तो दूसरी ओर सभी पक्ष इसे लेकर चिंतित भी हैं। लंबित मुकदमों की बढ़ती संख्या का एक कारण न्यायाधीशों और संसाधनों की कमी बताई जाती है। निःसंदेह यह एक कारण है, लेकिन इसे एकमात्र कारण नहीं कहा जा सकता। क्या इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ हो सकता है कि सरकारें अपने ही लोगों को मुकदमेबाजी में उलझाए रहें? लंबित मुकदमों के निस्तारण में देरी से केवल लोगों का न्यायिक तंत्र पर भरोसा ही कमजोर नहीं होता, बल्कि देश की प्रगति भी बाधित होती है, क्योंकि करोड़ों लोग काम-धंधे पर ध्यान देने के बजाय अदालतों के चक्कर लगाते हैं और अपने समय के साथ धन की भी बबार्दी करते हैं।

ललित गर्ग

देश के छोटे-बड़े सभी न्यायालयों में लगभग 5 करोड़ मुकदमे पैंडिंग हैं। कई तो 30-30 वर्षों से चल रहे हैं। संबंधित मर-खप गया, कई विदेश चले गये, कईयों को लापता घोषित कर दिया गया।

न्यायपालिका

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com।

NEWS इन ब्रीफ

बेकाबू कार नहर में गिरी, पांच लोगों की मौत

एटा। उत्तर प्रदेश के जनपद एटा की नहर में सोमवार को बेकाबू कार गिर गई। हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से नहर को बाहर निकाला और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गांव अंडउआ निवासी नीरज की पत्नी विनीता (28) को कई दिनों से श्वास लेने में दिक्कत हो रही थी। नीरज (30) ने पड़ोसी गांव जैदर से शिवम की कार मंगवाई। कार में बैठाकर नीरज चचिया ससुर तेजेंद्र (60) उनकी पत्नी संतोष (58) के साथ पत्नी विनीता को दिखाने के लिए एटा जा रहा था। कार शिवम (25) चला रहा था। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव मुहारा घाट से होते हुए खारजा नहर पहुंची थी कि बेकाबू होकर नहर में जा गिरी। सभी की मौत हो गई। भाई ने हालचाल लेने के लिए फोन किया तो सभी के नंबर बंद आ रहे थे। शंका होने पर परिवार के लोग खोजबीन करते हुए नहर के पास पहुंचे तो देखा कि कार पानी में डूबी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को बाहर निकलवाया। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

एसपी धनंजय कुशवाहा ने बताया कि प्रथम दृष्टतया जांच में पाया गया कि तेज रफ्तार कार से चालक का नियंत्रण खोने से यह हादसा होना प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बंगाल में एक और महिला से दुष्कर्म के बाद हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में महिलाओं बर्बरता थमने का नाम नहीं ले रही है। पंचायत चुनाव बीतने के बाद बीरभूम जिले में एक और महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या हुई है। भारतीय जनता पार्टी ने पीड़ित महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला है। सोमवार को जारी इस वीडियो में दावा किया गया है कि 58 साल की उस महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या की गई है। जो आरोपित है वह पिछले कई दिनों से महिला को शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित कर रहा था लेकिन स्थानीय प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। पार्टी ने ट्वीट किया कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के प्रति बर्बरता ऊंचे स्तर पर है और अपराधियों को खुली छूट मिली हुई है। इधर एक दिन पहले भी इसी क्षेत्र में एक 62 साल की महिला से दुष्कर्म का खुलासा हुआ था। पार्टी ने इसके खिलाफ आज सोमवार को बीरभूम जिले के सैंथिया में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। महिला मोर्चा की अध्यक्ष फाल्गुनी पात्रा इस आंदोलन का नेतृत्व करेंगी।

ठगों से परेशान होकर किसान ने की आत्महत्या

बागपत। जनपद में एक किसान ने सोमवार को ठगों से परेशान होकर खेत में ही पेड़ के सहारे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शव के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें किसान ने अपनी मौत का जिम्मेदार ठगों को बताते हुए आपबीती लिखी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कर जांच शुरू कर दी है। पलड़ी गांव का रहने वाला किसान सत्यवीर सिंह ने मरने से पहले तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा है। इसमें उसने बताया कि जून माह में उसके मोबाइल पर एक अनजान महिला का कई बार फोन आया। जब उसने फोन नहीं उठाया तो दस दिन बाद तीन युवक रात दस बजे उसके घर पर पहुंच गए। तीनों ने उसे गन प्वाइंट पर लेकर उसके कपडे उतरवाकर उसकी अश्लील वीडियो बनाई। घटना के 25 दिन बाद उसे एक युवक अजय वर्मा का फोन आया। उसने खुद को साइबर क्राइम सेल का अधिकारी बताते हुए कहा कि उसकी वीडियो उसके पास है और उसे पैसों के लिए डराया।

मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में 500 लोगों की समस्याएं सुनीं, कहा

हर जरूरतमंद को मिले पक्का घर

एजेंसी। गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को बचे हुए जरूरतमंदों को पक्का मकान दिलाने का निर्देश दिया। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर यह सुविधा दिलवाने को कहा। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई के साथ ही जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई कर निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री योगी ने यह निर्देश सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद पहुंचे। सबकी समस्याओं को सुना और हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण का आदेश दिया। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने लगभग 500 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान देवरिया से आई एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत मंडलायुक्त को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। महिला को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जनता दर्शन में अपने परिजनों के साथ आए बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित भी किया।

राशनकार्ड के सभी सदस्यों का ई-केवाईसी 31 जुलाई तक

रायपुर। भारत सरकार के निर्देश पर वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी की कार्रवाई 31 जुलाई 2023 तक किया जाएगा। ह्यवन नेशन, वन राशन कार्ड योजनाह्व के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए राशनकार्ड के सभी सदस्यों के आधार की जानकारी प्रमाणीकृत होना आवश्यक है। राशनकार्ड में हितग्राहियों के आधार की जानकारी गलत दर्ज होने तथा आधार की जानकारी प्रमाणीकृत नहीं होने के कारण खाद्यान्न वितरण में समस्या बनी रहती है। विभागीय डेटाबेस में जिन हितग्राहियों का आधार दर्ज है। उनके आधार की जानकारी का प्रमाणीकरण ई-केवाईसी की कार्रवाई की जा रही है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में संचालित शासकीय उचित मूल्य के दुकानों को प्रदान किये गये ई-पॉस उपकरण में ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध है। ई-केवाईसी की कार्रवाई पूर्णतः निःशुल्क है।

न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली बने पटना हाईकोर्ट के जज

एजेंसी। पटना

बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सोमवार को राजभवन के दरबार हॉल में न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली को पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद की शपथ दिलायी। इससे पहले विपुल मनुभाई पंचोली गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। राजभवन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली को पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद की शपथ दिलायी। राजभवन के दरबार हॉल में सोमवार को आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में बिहार विधान सभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी, परिवहन मंत्र शीला कुमारी, पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीशगण, महाधिवक्ता, वरीय पदाधिकारीगण तथा अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि गुजरात हाई कोर्ट के जज जस्टिस बिपिन मनुभाई पंचोली को पटना हाई कोर्ट के जज के रूप में स्थानांतरित किया गया था। केंद्र सरकार ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के साथ विचार विमर्श कर उन्हें पटना हाई कोर्ट के जज के रूप स्थानांतरित किया था।

शिक्षा विभाग ने एजी से पूछे बिना बाहरी वकील बुलाये: सुशील मोदी

एजेंसी। पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने आज कहा कि शिक्षा विभाग को सनकी तरीके से हांका जा रहा है। वहां मंत्री तक की नहीं चलती और नियम-कानून से कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि सरकार में सभी विभागों की स्थिति खस्ताहाल है। सरकार का ध्यान किसी विभाग की ओर नहीं है। सरकार सिर्फ अपना गुणगान करने में लगी हुई है।

सोमवार को सुशील मोदी ने एक बयान जारी कर कहा कि गत 20 जुलाई को संगीत शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित मामले में शिक्षा विभाग ने दिल्ली से बुलाये गए वकीलों को पटना हाई कोर्ट में पेश कर राज्य के अटार्नी जनरल पीके शाही तक को असहज स्थिति में डाल दिया। इस पर एजी को खेद प्रकट करना पड़ा।उन्होंने कहा कि बिहार न्यायिक अधिकारी अधिनियम-2023 के नियम-13 के अनुसार कोई भी सरकारी विभाग एजी की अनुमति के बिना बिहार से बाहर के किसी वकील से पैरवी नहीं करा सकता। यदि शिक्षा विभाग के अपर मुख्यसचिव ने नियम-कानून का पालन किया होता तो हाई कोर्ट में सरकार की फजीहत नहीं होती। शिक्षा विभाग की मनमानी पर सरकारी वकीलों ने ही न्यायपीठ के समक्ष आपत्ति की और एजी को स्वीकार करना पड़ा कि उनकी अनुमति के बिना बाहरी वकील बुलाये गए थे।

सुशील मोदी ने कहा कि यदि नीतीश कुमार को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव का यही तौर-तरीका पसंद है, तो उन्हें ही मुख्यमंत्री का सलाहकार बना लेना चाहिए।

मूलभूत आवश्यकताओं और जन-उपयोगी सुविधाओं को दें सर्वोच्च प्राथमिकता: शिवराज

एजेंसी। भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जिला खनिज प्रतिष्ठान में उपलब्ध राशि से जनजातीय मजरों-टोलों के विद्युतीकरण के कार्य प्राथमिकता पर कराए जाएं। मूलभूत आवश्यकताओं और जन-उपयोगी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च महत्व दिया जाए।

मुख्यमंत्री चौहान सोमवार को मंत्रालय में जिला खनिज प्रतिष्ठान की राज्य स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान खनिज साधन तथा श्रम मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव खनिज साधन राघवेंद्र कुमार सिंह, सचिव वित्त अजीत सिंह तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न जिलों के विभिन्न कार्यों की स्वीकृति दी गई। इनमें भोपाल में महाराणा प्रताप और उनके सहयोगियों के गौरवशाली इतिहास को दर्शाते हुए पार्क विकसित करने, शहीदों के सम्मान में रेजांगला युद्ध स्मारक के निर्माण और बंजारी में इनडोर और आउटडोर खेल गतिविधियों के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम के उन्नयन और जगदीशपुर भोपाल में ऐतिहासिक व्यक्तित्वों पर केन्द्रित मिनी पार्क निर्माण के कार्यों को स्वीकृति दी गई। इंदौर स्थित नेहरू स्टेडियम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने, इंदौर के निकट जानापाव पहाड़ी पर रोप-वे निर्माण, ग्वालियर जिले में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर केन्द्रित अंबेडकर धाम स्थापित करने तथा दतिया में माँ पीतांबरा कॉरिडोर का निर्माण और वहाँ जन-सुविधाओं का विस्तार शामिल है। नर्मदापुरम को धार्मिक, आध्यात्मिक नगरी के रूप में स्मार्ट स्वरूप देने, रीवा में कोल गढ़ी के जीर्णोद्धार, सीहोर जिले के ग्राम पिपलानी में कोरकू समुदाय के राजा भभूत सिंह जी के नाम पर पार्क विकसित करने की भी स्वीकृति हुई। सिंगरौली जिले के बरगवां में शासकीय महाविद्यालय भवन निर्माण और बैढ़न में पी.जी. कॉलेज भवन निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई। विभिन्न ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन, रैन-बसेरा, छात्रावास निर्माण, पहुँच मार्ग, पुलिया, तालाबों के जीर्णोद्धार तथा अन्य जन-सुविधाओं से संबंधित कार्यों को भी स्वीकृति दी गई।

आपदा के समय कृषकों की आय स्थिर रखता है प्रधानमंत्री फसल बीमा : सूर्य प्रताप शाही

एजेंसी। लखनऊ

आपदा के समय कृषकों की आय को स्थिर रखने एवं कृषकों की आय दुगुनी करने की दिशा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। यह कृषकों को किसी भी प्रकार की दैवीय आपदा के विरुद्ध उनकी अधिसूचित फसलों को बीमा कवर प्रदान करते हुए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। उन्हें कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीक, आधुनिक संसाधन एवं उन्नत किस्म के बीजों का उपयोग कर उत्पादन को बढ़ाये जाने हेतु प्रोत्साहित करती है। ये बातें प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कही। मंत्री सूर्य प्रताप शाही सोमवार को कृषि भवन में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से संचालित फ्लैगशिप योजना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए किया गया था। कृषि मंत्री ने कहा कि आज कृषि जगत में सबसे बड़ी चुनौती, जो किसान भाइयों के सामने है, वह है जलवायु परिवर्तन। उन्होंने कहा कि समय से वर्षा न होना, दो से तीन दिन में ही पूरे सीजन की वर्षा हो जाना, तापमान अचानक कम व अधिक हो जाना ये चीज किसानों के लिए प्रतिकूल होती है, ऐसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अर्न्तगत बीमित कृषक इसका लाभ उठा सकते हैं। प्रदेश के सभी कृषक भाई योजनान्तर्गत 31 जुलाई 2023 तक अपनी फसलों का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदाओं से अपनी फसल को सुरक्षा प्रदान करें एवं देश व प्रदेश के आर्थिक विकास में अपना योगदान दें।

विदेश जाने की अनुमति के लिए हाईकोर्ट पहुंचे अभिषेक बनर्जी

एजेंसी। कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी एक बार फिर चिकित्सा के लिए विदेश जाना चाहते हैं। इसके लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश अनुसार उन्होंने एक हलफनामा उच्च न्यायालय में जमा किया है। सोमवार को यह हलफनामा उन्होंने देकर कहा है कि बुधवार यानी 26 जुलाई को वह अमेरिका जाना चाहते हैं। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की एकल पीठ में उनके आवेदन को स्वीकार किया गया है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने बताया है कि जांच एजेंसी ने उनके विदेश जाने पर प्रतिबंध लगा कर रखा है। नियमानुसार उन्हें विदेश जाने से पहले केंद्रीय एजेंसी और न्यायालय को सूचित करना होगा। उसी के मुताबिक उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। अभिषेक ने लिखा है कि गत 15 जुलाई को ईडी को पत्र देकर उन्होंने विदेश जाने की जानकारी दी है। लेकिन कोई जवाब नहीं आया जिसके बाद सोमवार को हाईकोर्ट में हलफनामा दिया है। आगामी आठ अगस्त शाम चार नेत्र चिकित्सक के साथ उनका अपॉइंटमेंट है। इसी के लिए वह 24 दिनों तक अमेरिका में रहना चाहते हैं। इसके पहले भी जब वह आंख के इलाज के लिए अमेरिका जाना चाहते थे तो कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद ही जा सके थे।

निष्पादन जमीन दस्तावेजों में सत्यापन के बाद अब मिलेगा हजारों किसानों को लाभ

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत मिलेगी राशि

एजेंसी। धमतरी

राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ पाने जिले के हजारों किसान लंबे समय से शासकीय दफ्तरों का चक्कर काट रहे थे, क्योंकि उनके दस्तावेजों में कई खामियां थी। जिला प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया और अब उनके आवेदनों का कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी ने सत्यापन कर दिया है। इन किसानों को अब राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत हर साल शासन से निर्धारित राशि मिलेगा, इसमें कई किसान अपने खेतों में धान के बदले पौधरोपण करने वाले किसान है, जिन्हें तीन साल तक लगातार 10-10 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगा। राजीव गांधी किसान न्याय योजना से जिले के करीब एक लाख 17 हजार से अधिक किसान पहले से लाभान्वित है, जो समर्थन मूल्य पर खरीदी केन्द्रों में धान बेचते हैं। इसके अलावा अपने खेतों में धान के बदले पौधरोपण, सब्जी की खेती, सुगंधित धान, मक्का, कोदो-कुटकी, गन्ना, पपीता समेत अन्य फसल लेने वाले किसानों ने भी शासन के पास राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत आवेदन किए है, लेकिन कई कारणों के चलते लंबे समय से वंचित थे। इन किसानों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा था, ऐसे किसान लंबे समय से शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी दफ्तरों का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी ने गंभीरता से लिया। राजस्व व कृषि विस्तार अधिकारियों को इस कार्य में लगाया। तीन से चार दिनों के भीतर तेजी के साथ इस पर कार्य किया गया और जिलेभर के कुल 3576 किसानों के आवेदनों का उन्होंने सत्यापन किया। इन किसानों को अब शासन के इस योजनाओं का लाभ मिलेगा, इससे पीड़ित किसानों ने राहत की सांस ली है। इसमें नगरी ब्लाक के 2626 किसान शामिल है। धमतरी के 360, मगरलोड के 359 किसान, कुरूद के 166 और भखारा के 65 किसान शामिल है। हजारों की संख्या में किसानों के आवेदनों का सत्यापन होने के बाद अभी भी जिले में 351 किसानों के आवेदन पेडिंग है, जिसका जल्द ही सत्यापन कर लिया जाएगा। कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी से मिली जानकारी के अनुसार इस योजना का लाभ मंदिर व किसी भी ट्रस्ट को नहीं मिलेगा। वहीं 10 एकड़ से अधिक जमीन वाले इसका लाभ नहीं ले सकते। इससे कम जमीन वाले को ही लाभ मिलेगा। कई डायवर्टेड जमीन वालों ने भी आवेदन किया है, जो पात्र नहीं है। कई किसानों के बैंक अकांउट में गड़बड़ी थी, जिसे सुधार कर सत्यापन किया गया है। पात्र किसानों के पेडिंग आवेदनों को सत्यापन कर दिया गया है। जल्द ही शेष पात्र किसानों के आवेदनों का सत्यापन किया जाएगा।

बेकाबू ट्रैक्टर की टक्कर से किसान की मौत, चक्का जाम

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के जहानाबाद मार्ग पर गोपालपुर गांव के पास सोमवार सुबह बेकाबू ट्रैक्टर की टक्कर से किसान की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों एवं परिवार के लोगों को किसी तरह शांत कराया। पुलिस चालक को हिरासत में ले लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि साढ़ थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में सोमवार सुबह सीताराम प्रजापति(55) अपने खेत से धान लगाकर साइकिल से घर जा रहा था। इसी दौरान एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे सीताराम प्रजापति की जान चली गई और ट्रैक्टर खेत में जा घुसा। हादसे की जानकारी होते ही परिजन और ग्रामीण पहुंचे और ट्रैक्टर चालक की पिटाई करने लगे तथा सड़क जाम कर दिया।

करमन ने जीता आईटीएफ डब्ल्यू60 का खिताब

एजेंसी। इवान्सविल

भारतीय टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी ने यहां आयोजित आईटीएफ डब्ल्यू60 इवान्सविल के फाइनल में यूक्रेन की यूलिया स्तारोदुब्तसेवा को हराकर एकल खिताब जीत लिया है। राउंडग्लास अकादमी की करमन ने रविवार को हुए फाइनल में अपने यूक्रेनी प्रतिद्वंदी को 7-5, 4-6, 6-1 से मात दी। इस जीत के साथ करमन सानिया मिर्जा के बाद अमेरिका में प्रो खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला बन गयीं। करमन ने फाइनल तक पहुंचने के लिये पहले राउंड में मेक्सिको की मारिया

फर्नांडा नवारो और दूसरे राउंड में अमेरिका की मारिबेला जमारिप्पा को हराया था।

क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की वाइल्ड कार्ड प्रवेशी एली किक को सीधे सेटों में हराने के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका की मेकाटर्नी केसलर को मात दी थी। करमन वर्तमान में डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में 261वें स्थान पर हैं और देश की दूसरे नंबर की महिला खिलाड़ी हैं। वह हाल ही में कनाडा के सास्काटून चैलेंजर डब्ल्यू60 की युगल स्पर्धा और अमेरिका में आयोजित डब्ल्यू60 सुमेर पाल्मेटो प्रो ओपन की एकल स्पर्धा में उपविजेता रही थीं। करमन राउंडग्लास टेनिस अकादमी के तकनीकी निदेशक और कोच आदित्य सचदेवा एवं उनकी टीम के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं।

कोच सचदेवा ने कहा, दो बार उपविजेता रहने के बाद यह जीत करमन का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिये एक अच्छे समय पर आई है क्योंकि वह अमेरिकी ओपन में जगह बनाने के लिये खुद को तैयार कर रही हैं। उनका हालिया फॉर्म उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ता का प्रमाण है। हमें उम्मीद है कि वह आगे भी इस फॉर्म को बनाए रख सकेंगी।

जोकोविच ने टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से नाम लिया वापस

एजेंसी। ओंटारियो (कनाडा)

23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने थकान को कारण बताते हुए अगले महीने होने वाले टोरंटो मास्टर्स, कनाडा के एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने ये घोषणा की है। सर्बियाई खिलाड़ी ने कनाडा का एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट चार बार जीता है। आखिरी बार उन्होंने 2018 में टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। टूर्नामेंट वेबसाइट ने जोकोविच के

हवाले से कहा, मैंने हमेशा कनाडा में अच्छा समय बिताया है, लेकिन अपनी टीम के साथ बात करने के बाद, हमें लगता है कि यह सही निर्णय है। मैं इस निर्णय को समझने के लिए टूर्नामेंट निदेशक कार्ल हेल को धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे वास्तव में कनाडा और टोरंटो में महान दर्शकों के सामने खेलने के अन्य अवसर मिलने की उम्मीद है। सर्बियाई खिलाड़ी विंबलडन का फाइनल कार्लोस अल्करास से हार गए थे। जोकोविच के हटने से यह तय हो गया है कि अमेरिकी क्रिस्टोफर यूबैंक्स को मुख्य ड्रॉ में प्रवेश मिल जाएगा। ग्रीष्मकालीन हार्ड-कोर्ट सीजन का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 कार्यक्रम 7 अगस्त से शुरू हो रहा है।

एशियाई खेलों में पदार्पण करेगी भारतीय महिला सॉफ्टबॉल टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सॉफ्टबॉल संघ (एसबीएआई) ने सोमवार को 16 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की जो चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों में पदार्पण करेगी। चीन में 23 सितंबर से शुरू हो रहे खेलों में सॉफ्टबॉल पदार्पण करेगा। एसबीएआई ने बताया कि टीम, एक स्टैंडबाय और तीन रिजर्व का चयन संभावित खिलाड़ियों की सूची में से ट्रायल के बाद किया गया। दिल्ली में जून जुलाई में दो सप्ताह का कोचिग सह ट्रायल शिविर लगाया गया था। भारतीय महिला टीम की एशियाई चैम्पियनशिप में लगातार भागीदारी को देखते हुए सॉफ्टबॉल एशिया ने उसे वाइल्ड कार्ड के जरिये प्रवेश दिया। इसे फरवरी में सॉफ्टबॉल एशिया की कार्यकारी समिति ने मंजूरी दी। एसबीएआई अध्यक्ष नीतल नारंग ने कहा, एशियाई खेलों में भारतीय महिला सॉफ्टबॉल टीम के भाग लेने से हमारे खिलाड़ियों को उपमहाद्वीप की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। इससे खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी।'

दूसरे टेस्ट मैच में श्रीलंका की पहली पारी 166 रन पर सिमटी

अबरार-नसीम की शानदार गेंदबाजी

एजेंसी। कोलंबो

लेग स्पिनर अबरार अहमद (69 रन पर चार विकेट) और तेज गेंदबाज नसीम शाह (41 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन सोमवार को यहां चाय के विश्राम से पहले श्रीलंका की पहली पारी को 166 रन पर समेट दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का श्रीलंका का फैसला गलत साबित हो गया। बारिश के कारण मैच एक घंटा विलंब से शुरू हुआ लेकिन शुरू होते ही सलामी बल्लेबाज निशान मदुशंका (4)

तीसरे ओवर में रन आउट हो गए। कप्तान दिमुथ करूणारत्ने ने शाहीन अफरीदी की गेंद कवर में खेली और रन लेने के लिये दौड़े लेकिन शान मसूद के थ्रो ने गिल्लियां बिखेर दी जबकि मदुशंका क्रीज तक नहीं पहुंचे थे। कुसल मेंडिस छह रन बनाकर अफरीदी की गेंद पर कवर में कैच दे बैठे। नसीम शाह ने एंजेलो मैथ्यूज (नौ) और करूणारत्ने (17) को लगातार दो ओवरों में आउट किया। श्रीलंका ने 36 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। धनंजय डिसिल्वा और दिनेश चांदीमल ने पांचवें विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करके श्रीलंका को मैच में वापसी कराने की कोशिश की। नसीम ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान चांदीमल को 34 रन पर आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डिसिल्वा 57 रन बनाकर अबरार का शिकार बने। इन दोनों की साझेदारी टूटने के बाद पाकिस्तान के गेंदबाज फिर से मैच पर हावी हो गए। रमेश मेंडिस (27) ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ टीम के स्कोर को 160 के पार पहुंचाया। श्रीलंका का आखिरी विकेट गिरने के साथ ही चाय के विश्राम की घोषणा कर दी गयी। दो मैचों की श्रृंखला में पाकिस्तान 1-0 से आगे है।

भारतीय महिला-पुरूष टीमों की नजरें स्पेन में अच्छे प्रदर्शन पर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला और पुरूष हॉकी टीमें स्पेन के टेरासा में मंगलवार से शुरू हो रहे स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौवीं वर्षगांठ वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगी। टूर्नामेंट में भारतीय पुरूष टीम का सामना इंग्लैंड, नीदरलैंड और मेजबान स्पेन से होगा जबकि महिला टीम इंग्लैंड और स्पेन से खेलेगी। पुरूष टीम के लिए यह टूर्नामेंट तीन से 12 अगस्त तक चेन्नई में होने वाली हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारी का सुनहरा अवसर है। उसके बाद चीन के हांगझोउ में एशियाई खेल होने हैं। भारतीय पुरूष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, स्पेन में टूर्नामेंट से हमें कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को आंकने का मौका मिलेगा। इससे हमें पता चलेगा कि किन क्षेत्रों

में सुधार की जरूरत है जिससे एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी और एशियाई खेलों की तैयारी पुख्ता होगी।' दूसरी ओर महिला टीम की कप्तान सविता ने कहा, स्पेन दौरे से हमें एशियाई खेलों की तैयारी में मदद मिलेगी। वहां फोकस रणनीति पर अमल करने और टीम भावना के साथ अच्छे प्रदर्शन पर होगा।' उन्होंने कहा, हम अपनी शैली में खेलेंगे लेकिन पिछले दौरे की कमियों की भरपाई भी करेंगे।'

विश्व तैराक : नटराज सेमीफाइनल में चूके

फुकुओका (जापान)। भारत के शीर्ष तैराक श्रीहरि नटराज मौजूदा सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालने के बाद बावजूद सोमवार को यहां विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। एशियाई खेलों में भाग लेने वाले तैराक ने 55.26 सेकेंड का समय निकाला और अपनी हीट में अंतिम और कुल मिलाकर 31वें स्थान पर रहे। सात हीट में शीर्ष 18 तैराक सेमीफाइनल में पहुंचे। बाईस साल के नटराज ने मार्च में 'सिंगापुर नेशनल एज ग्रुप' में 55.60 सेकेंड के प्रयास से स्वर्ण पदक के साथ अपने सत्र की शुरूआत की थी। उन्होंने इसके बाद मई में मोनाको के 'मारे नोस्ट्रम स्विम टूर' में 55.29 सेकेंड का समय लिया था। सौ मीटर बैकस्ट्रोक नटराज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 53.77 सेकेंड का है, जिससे कर्नाटक इस के तैराक ने 2021 में तोक्यो ओलंपिक 'ए' कट हासिल किया था।

मिडफील्डर जयेश राणे मुंबई एफसी अंडर-18 में हुए शामिल

एजेंसी। मुंबई

मुंबई सिटी एफसी ने बेंगलुरु एफसी से ऋण पर 2023-24 सीजन के अंत तक मिडफील्डर जयेश राणे को क्लब में शामिल किया है। मुंबई में जन्मे और पले-बढ़े जयेश ने मुंबई एफसी अंडर-18 टीम के साथ अपनी यात्रा शुरू की। उन्होंने 2012 में मुंबई एफसी की सीनियर टीम के साथ पेशेवर फुटबॉल में कदम रखा। आई-लीग में प्रभावित करने के बाद, उन्हें 2014 में उद्घाटन आईएसएल ड्राफ्ट में नामित किया गया था और चेन्नईयिन एफसी द्वारा ड्राफ्ट किया गया। जयेश ने 2015 में चेन्नईयिन के साथ आईएसएल खिताब जीता। जयेश ने अपनी सफलता का सिलसिला जारी रखा और 2017 में आइजोल एफसी के साथ आई-लीग का खिताब जीता और 2019-20 में एटीके के साथ विजेता बनने के बाद आईएसएल जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि दोहराई। जयेश ने 2021-22 सीजन से पहले बेंगलुरु एफसी के साथ

करार किया। पिच के बीच में अपनी दक्षता और अपने नाम 103 लीग मैचों के साथ, जयेश आईएसएल के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक बने हुए हैं और अब अपने गृहनगर मुंबई में वापसी कर रहे हैं। मुंबई से जुड़ने पर जयेश ने कहा, ह्लएक मुंबईकर के रूप में, मुंबई सिटी के लिए खेलने के अवसर से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। मैदान पर, मुंबई सिटी की महत्वाकांक्षाएं किसी से पीछे नहीं हैं और इसे क्लब को मिली हालिया सफलता से देखा जा सकता है। लेकिन मैदान के बाहर, मैं समझता हूं कि प्रशंसकों और शहर के लिए इस क्लब का क्या मतलब है। अपने घर और अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होना मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं बेंगलुरु एफसी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, और मैं यहां मुंबई सिटी में अपने समय के दौरान हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। करार पर मुख्य कोच डेस बकिंघम ने कहा, हम जयेश को अपने साथ पाकर बहुत खुश हैं। वह एक बहुत ही अनुभवी खिलाड़ी हैं जिनके पास सफलता का ट्रैक रिकॉर्ड है और उन्हें इस बात की गहरी समझ है कि मुंबई शहर का क्या मतलब है और हम किस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस सीजन में हमारे पास बहुत सारे मैच हैं और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे पास कई मोर्चों पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए टीम में गहराई हो; जयेश हमारे मिडफील्ड में गहराई और ऊर्जा लाएंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मोहम्मद सिराज ने कहा

मुझे जिम्मेदारियां और चुनौतियां स्वीकार है

एजेंसी। पोर्ट ऑफ स्पेन

भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में सपाट ट्रैक पर अपने पांच विकेट लेने का श्रेय टीम के स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को दिया और कहा कि उन्होंने उनके सामने आने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया है।

सिराज पिछले दो साल से अधिक समय से टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। यह उनके विकास का श्रेय है कि भारत के टीम प्रबंधन ने उन्हें नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में अपने पहले विदेशी असाइनमेंट पर काफी अनुभवहीन तेज गेंदबाजी टीम का नेतृत्व करने के लिए चुना, जबकि शमी और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया। रविवार को सिराज ने दिखाया कि टीम प्रबंधन ने उन्हें जिम्मेदारी क्यों दी और उन्हें कठिनाइयों का आनंद क्यों मिलता है। ऐसी सतह पर जहां तेज गेंदबाजों के लिए बहुत कम जगह थी, 29 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार गेंदबाजी की और सपाट ट्रैक पर 5 विकेट लेकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

के साथ वापसी की। मोहम्मद सिराज ने चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, सपाट ट्रैक पर पांच विकेट लेना आसान नहीं है। इसका श्रेय सोहम (देसाई) भाई को जाता है, जिन्होंने मेरी फिटनेस पर अथक परिश्रम किया है। मैं लगातार मैच खेल रहा हूं और वह सुनिश्चित करते हैं कि मैं फिट रहूं। गर्मी और उमस थी और बारिश के कारण हम मैदान के अंदर और बाहर जा रहे थे, एक तेज गेंदबाज के लिए खुद को संभाले रखना मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में लंबे स्पैल फेंकना भी आसान नहीं है।

उन्होंने कहा, मैंने अपनी योजना को अच्छी तरह से क्रियान्वित किया। ज्यादा कुछ नहीं हो रहा था, इसलिए मैंने स्टंप्स टू स्टंप्स गेंदबाजी करने की योजना बनाई। बल्लेबाजों को आसानी से रन नहीं देने और चीजों को सरल बनाए रखने की योजना सरल थी। मुझे ज़िम्मेदारियां पसंद हैं। अपने कंधों पर जिम्मेदारी के साथ मैदान पर कदम रखने से मुझे अतिरिक्त प्रेरणा मिलती है और यह चुनौतीपूर्ण भी है और मुझे चुनौतियों को स्वीकार करना पसंद है।

भारत ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए कुल 365 रनों का लक्ष्य रखा है, जबकि मेजबान टीम ने पोर्ट ऑफ स्पेन में चौथे दिन के अंतिम सत्र में दो विकेट खो दिए। दिन के खेल खत्म होने पर वेस्टइंडीज ने 2 विकेट पर 76 रन बना लिए हैं। तेगनारायन चंद्रपॉल (24*) और जर्मेन ब्लैकवुड (20*) क्रीज पर मौजूद हैं।

सिराज ने दो अन्य भारतीय खिलाड़ियों नवोदित मुकेश कुमार और ईशान किशन की तारीफ की। ईशान ने भारत की दूसरी पारी में 34 गेंदों में 52 रन की पारी खेली। सिराज ने कहा,"जिस तरह से विकेट टर्न ले रहा है, मुझे लगता है कि ऐश (अश्विन) भाई विपक्षी टीम को जल्द ही धराशायी कर देंगे।" उन्होंने कहा, मुकेश कोई नया खिलाड़ी नहीं है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मुश्किल विकेटों पर अच्छा प्रदर्शन किया है। रणजी ट्रॉफी में विकेट लेना आसान नहीं है क्योंकि ज्यादातर समय आप सपाट विकेट पर खेलते हैं। उन्होंने अपनी नसों को असाधारण रूप से अच्छी तरह से नियंत्रित किया है और उन्होंने अपनी योजनाओं को खूबसूरती से क्रियान्वित किया है।

एशेज 2023 **वॉन ने एंडरसन के प्रदर्शन पर उठाए सवाल, कहा-**

टीम को गंवाना पड़ सकता मैच

एजेंसी। नई दिल्ली

एशेज 2023 के चौथे मैच में इंग्लैंड टीम के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के चयन के परिणामस्वरूप बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम ने शानदार प्रदर्शन नहीं किया क्योंकि मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी चौथे टेस्ट के लिए एंडरसन के चयन पर सवाल उठाया और कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज को अंतिम एकादश में शामिल करने से घरेलू टीम को मैच गंवाना पड़ सकता है।

वॉन ने कहा, 'हम सभी सहमत हैं कि जेम्स एंडरसन उस चयन के हकदार थे क्योंकि वह खेल के दिग्गज हैं, लेकिन इसका खामियाजा इंग्लैंड को भुगतना पड़ सकता है, जोश टोंग्यू एक युवा तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने अपने द्वारा खेले गए एक खेल में प्रभाव पैदा किया है और मुझे पता है कि आस्ट्रेलियाई उनका सामना करना पसंद नहीं करते हैं।' 'जिम्मी ने इस श्रृंखला में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। मुझे याद नहीं है

कि उन्हें किसी भी चरण में महत्वपूर्ण विकेट मिला हो और यह जिमी एंडरसन से बिल्कुल अलग है।'

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने अंत में कहा, 'हम जॉनी [बेयरस्टो] को चुनते हैं क्योंकि उन्होंने कुछ मौके गंवाए हैं लेकिन हमें ईमानदार रहना होगा, जिमी एंडरसन ने तीन मैच खेले हैं और इस श्रृंखला में उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है और यह हो सकता है कि ओवल के लिए वह इंग्लैंड की सर्वश्रेष्ठ एकादश में न हों।'

सीरीज में एंडरसन के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने मैनचेस्टर टेस्ट में अपने 20 ओवर के स्पेल में एक विकेट लिया था जो पैट कमिंस का था। जबकि सीरीज में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने शुरूआती दो मैचों में 226 रन देकर केवल तीन विकेट हासिल किए। निश्चित रूप से इस उम्र में अगर एंडरसन प्रदर्शन नहीं रखते हैं तो उनके चयन पर सवाल उठाए जाएंगे, लेकिन क्या इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बाहर किया जाएगा या वह संन्यास ले लेंगे? एंडरसन निश्चित रूप से वापसी कर सकते हैं, लेकिन टंग्यू जैसे युवा तेज गेंदबाज अपनी उपस्थिति दिखा रहे हैं, जिससे अनुभवी तेज गेंदबाज पर टीम में अपनी जगह बनाए रखने का अतिरिक्त दबाव होगा।

एशेज 2023 की बात करें तो पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम ने ट्रॉफी बरकरार रखी है क्योंकि चौथा टेस्ट बारिश के कारण पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। वर्तमान में मेहमान पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला 2-1 से आगे चल रहे हैं। सीरीज का आखिरी और पांचवां टेस्ट 27 जुलाई से ओवल में खेला जाएगा।

NEWS इन ब्रीफ

होटल कारोबार को अलग करेगी आईटीसी

नई दिल्ली। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत समूह आईटीसी ने अपने होटल कारोबार को अलग करने और पूर्ण अनुषंगी इकाई आईटीसी होटल्स लि. का गठन करने की घोषणा की है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, आईटीसी लि. के निदेशक मंडल ने 24 जुलाई, 2023 को हुई बैठक में होटल कारोबार के लिए विभिन्न वैकल्पिक ढांचों का आकलन किया और उसपर चर्चा की। विचार-विमर्श के बाद, निदेशक मंडल ने होटल कारोबार को व्यवस्था योजना (कंपनी के कारोबार पुनर्गठन को लेकर कंपनी और शेयरधारकों या कर्जदाताओं के बीच समझौता) के तहत अलग करने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी।

कर्मचारियों को ईपीएफ स्कीम पर 8.15% मिलेगा ब्याज

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए ईपीएफ खाते के लिए ब्याज दर 8.15% घोषित की है। ईपीएफ खाते पर ब्याज दर की घोषणा 24 जुलाई, 2023 को एक सर्कुलर के माध्यम से की गई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बोर्ड ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए ईपीएफ खाते पर 8.15 फीसदी की ब्याज दर तय की थी और मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय को भेजा था। अगस्त तक ईपीएफओ सदस्यों के खाते में ब्याज का पैसा आने लगेगा। 1952 के पैरा 60 के प्रावधानों के अनुसार ईपीएफ योजना के प्रत्येक सदस्य के खाते में वर्ष 2022-23 के लिए 8.15% की दर से ब्याज जमा करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के पैरा 60 (1) के तहत केंद्र सरकार की मंजूरी से अवगत कराया है।

वी ने भारत के युवाओं के लिए 10,000 से अधिक अन्तर्राष्ट्रीय नौकरियां उपलब्ध कराया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता, वी ने देश के सबसे बड़े जॉब सर्च प्लेटफॉर्म अपना के साथ साझेदारी में एक्सक्लुजिव रूप से वी ऐप के वी जॉब्स एण्ड एजुकेशन प्लेटफॉर्म पर 10,000 से अधिक अन्तर्राष्ट्रीय नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराए हैं। वी के यूजर अब यूएई, जापान, मलेशिया, रूस, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और युनाईटेड किंगडम जैसे देशों में मैनुफैक्चरिंग, सेल्स, बिजनेस डेवलपमेन्ट, कस्टमर सपोर्ट, लॉजिस्टिक्स आदि क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय नौकरियों के लुभावने अवसरों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इन अवसरों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास ग्रेजुएशन डिग्री, आईटीआई सर्टिफिकेशन या स्पेशलाइज्ड डिप्लोमा में शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए। इसके अलावा, उम्मीदवार को पास भारत में इसी कार्य क्षेत्र में जरूरी कौशल और काम करने का पूर्व अनुभव भी होना चाहिए। भारत को कौशल की दृष्टि से दुनिया की राजधानी बनाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप वी और अपना यह अनूठा प्रस्ताव लेकर आए हैं, जो देश के जनसांख्यिकी लाभांश का लाभ उठाने में सक्षम होगा। बहुत से देश भारतीय प्रतिभा को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि माना जाता है कि भारतीय युवा खूब मेहनती होने के साथ-साथ समस्याओं के समाधान में सक्षम होते हैं, वे डिजिटल रूप से साक्षर होते हैं, साथ ही उनमें नई तकनीकों के अनुसार अपने आप को ढालने की क्षमता भी होती है।

खरीफ सत्र में धान की बुवाई 21 जुलाई तक तीन प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। चालू खरीफ सत्र (ग्रीष्मकालीन बुवाई) में 21 जुलाई तक धान की बुवाई का क्षेत्रफल तीन प्रतिशत बढ़कर 180.2 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि दलहन का रकबा 10 प्रतिशत घटकर 85.85 लाख हेक्टेयर रह गया है। कृषि मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले साल इसी अवधि में धान का रकबा 175.47 लाख हेक्टेयर और दलहन का रकबा 95.22 लाख हेक्टेयर था। धान खरीफ की मुख्य फसल है, जिसकी बुवाई आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ शुरू होती है। देश के कुल चावल उत्पादन का लगभग 80 प्रतिशत खरीफ सत्र से आता है। आंकड़ों के अनुसार, श्री अन्न या मोटे अनाज का रकबा 21 जुलाई तक बढ़कर 134.91 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल इसी अवधि में 128.75 लाख हेक्टेयर था।

बिक गई अडानी की 1600 करोड़ की अडानी कैपिटल और अडाणी हाउसिंग कंपनी

अमेरिकी फर्म ने खरीदी 90% हिस्सेदारी

एजेंसी। नई दिल्ली

अडानी समूह की दो कंपनियां बिक गई है। टॉप ग्लोबल इक्विटी फर्म बेन कैपिटल ने अडानी समूह की कंपनी अडाणी कैपिटल और अडानी हाउसिंग का अधिग्रहण कर लिया है। इस अधिग्रहण को लेकर दोनों कंपनियों के बीच समझौता हो गया है। इस डील के तहत बेन कैपिटल अडाणी कैपिटल और अडानी हाउसिंग की 90 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर लेगी। जबकि 10 फीसदी हिस्सेदारी मैनेजमेंट, एमडी और सीईओ गौतम गुप्ता के पास रहेगा। इस डील के बाद अडाणी की नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी की हिस्सेदारी बेन कैपिटल के पास पहुंच गई है। अमेरिकी फर्म ने 1440 करोड़ रुपये में यह

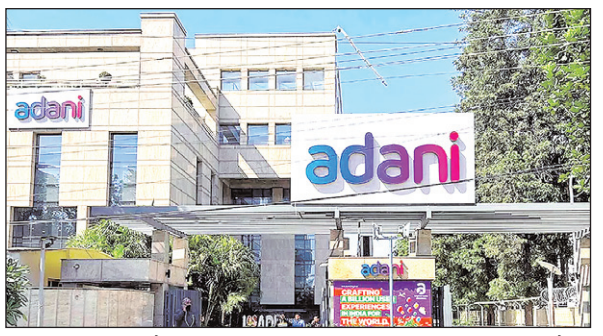

हिस्सेदारी खरीदी है। वहीं अडाणी फाइनेंशियल सर्विस का कुल वैल्यूएशन 1600 करोड़ रुपये की है। इस डील के बार में गौतम अडाणी ने कहा कि वो बहुत खुश हैं कि बेन कैपिटल जैसे निवेशक कंपनी के साथ जुड़े हैं। वहीं बेन कैपिचल ने कहा कि उन्हें अडाणी कैपिटल की क्षमता पर पूरा भरोसा है। गौरतलब है कि साल 2017 में अडाणी समूह ने अपना शैडो बैंकिंग बिजनेस शुरू किया था, लेकिन अब अडाणी परिवार इस कंपनी ने अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच रहा है। बैन कैपिटल ने अडानी परिवार की सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। जबकि गौरव गुप्ता अपनी हिस्सेदारी को बरकरार रखेंगे। वो कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ के पद पर बने रहेंगे। अडाणी समूह की इन दोनों कंपनियों में हिस्सेदारी हासिल करने के बाद बेन कैपिटल इस कंपनी में 120 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगी। कंपनी को आर्थिक मजबूती देने के लिए बेन कैपिटल नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के तौर पर कंपनी को 5 करोड़ डॉलर का लिक्विडिटी लाइन भी उपलब्ध करवाएगी। गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से अडानी समूह अलग-अलग तरीके से फंड जुटाने की योजना पर काम कर रहा है। रिपोर्ट में अडाणी समूह के कर्ज से लेकर कंपनी के वित्तीय सेहत पर सवाल उठे थे। इस रिपोर्ट के बाद से कंपनी कर्ज को लगातार कम करने की कोशिश में जुटी है।

केनरा बैंक का मुनाफा पहली तिमाही में 75% बढ़कर 3,535 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाले केनरा बैंक ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत बढ़कर 3,535 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने बताया कि फंसे हुए कर्ज में गिरावट और ब्याज आय में वृद्धि से उसे मदद मिली। बेंगलुरु स्थित ऋणदाता ने एक साल पहले की अवधि में 2,022 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 29,828 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23,352 करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन अवधि में बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 18,177 करोड़ रुपए से बढ़कर 25,004 करोड़ रुपए हो गई।

लोन वसूलने में बैंक की ज्यादती बर्दाश्त नहीं की जायेगी : वित्त मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने कहा है कि ऋण वसूली में बैंक वालों की ज्यादती बिल्कुल नहीं चलेगी। चाहे वह पब्लिक सेक्टर के बैंक हो या प्राइवेट सेक्टर के बैंक। गरीब किसानों के साथ तो कतई ऐसा नहीं होना चाहिए। यह बात केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में कही। वह लोकसभा में एक सवाल का जवाब दे रही थीं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सभी बैंकों, चाहे सार्वजनिक हों या निजी, को आरबीआई के माध्यम से निर्देश दिया गया है कि वे छूटी हुई ऋण किश्तों के भुगतान के मुद्दे पर गरीब किसानों के साथ मानवीय और संवेदनशील तरीके से निपटें। प्रश्नकाल के दौरान जब वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड खराब ऋण बकाएदारों से निपटने के दौरान बैंकों द्वारा अपनाई जाने वाली कठोर रणनीति पर एक शिवसेना सदस्य के सवाल का जवाब दे रहे थे, तो सीतारमण ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यह एक संवेदनशील मामला है, जिसे अक्सर सरकार के ध्यान में लाया गया है। सीतारमण ने कहा यहां एक संवेदनशील मुद्दा उठाया गया है। सार्वजनिक या निजी बैंकों द्वारा गरीब किसानों के साथ व्यवहार करते समय हाथ मरोड़ने की रणनीति अपनाने के ऐसे मामले हमारे संज्ञान में लाए गए हैं। हमने अक्सर आरबीआई के माध्यम से बैंकों को ऐसे लोगों से मानवीय तरीके से निपटने का निर्देश दिया है। ऋण की किश्तें वसूलने की कोशिश में बैंकों के प्रतिनिधियों द्वारा शारीरिक हिंसा तक करने के मामले सामने आए हैं। लोन वसूली को लेकर रिजर्व बैंक ने पिछले साल ही नया नियम जारी किया है। रिजर्व बैंक ने कंपनियों से कहा है कि वे सुनिश्चित करें कि लोन वसूली में रिकवरी एजेंट ग्राहकों को किसी प्रकार की धमकी न दें। कर्ज की वसूली में ग्राहक के साथ किसी प्रकार की ज्यादती नहीं होनी चाहिए।

इस हफ्ते कमाई का बंपर मौका 5 कंपनियों के खुलेंगे आईपीओ

नई दिल्ली। अगर आप आईपीओ में निवेश करना पसंद करते हैं तो आपके लिए शानदार मौका है। इस हफ्ते 5 कंपनियों के आईपीओ खुलने वाले हैं। इसमें निवेश करके आप अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस सप्ताह एक मेनबोर्ड सहित 4 एसएमई आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। इनमें यथार्थ हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा केयर सर्विसेज का आईपीओ भी शामिल है। इनके अलावा इनोवेटस एंटरटेनमेंट नेटवर्क, खजांची ज्वेलर्स, श्री टेकटेक्स, यसन्स केमेक्स केयर के आईपीओ शामिल हैं। आइए जानते हैं हर आईपीओ के बारे में सभी जरूरी डिटेल्स। खजांची ज्वेलर्स का आईपीओ 24 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसे 28 जुलाई यानी शुक्रवार तक सब्सक्राइब कर सकेंगे। इस आईपीओ के लिए कंपनी ने 140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस तय किया है। इस आईपीओ में न्यूनतम 1,000 शेयरों के लॉट के लिए अप्लाई करना होगा। इनोवेटस एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स का आईपीओ 25 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। निवेशक इसमें 27 जुलाई तक निवेश कर सकते हैं।

विदेश

बदल गया ट्विटर का लोगो चिड़िया की जगह नजर आएगा एक्स

एजेंसी। वाशिंगटन

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को नया लोगो मिल गया है। अब नीली चिड़िया की जगह काले-सफेद रंग के 'एक्स' ने ले ली है। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने इसकी घोषणा की। मस्क ने सोमवार को अपने ट्विटर अकाउंट का 'लोगो' बदल दिया। उन्होंने पिछले साल 44 अरब डॉलर में ट्विटर को खरीदा था। इसके बाद उन्होंने साइट में कई बदलाव किए हैं। मस्क ने रविवार देर रात ट्वीट करके बताया था कि वह लोगो' में बदलाव सोमवार को ही करना चाहते हैं। मस्क ने लिखा था, और जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड तथा सभी चिड़ियों को अलविदा कह देंगे। विपणन सलाहकार कंपनी मेटाफोर्स' के सह-

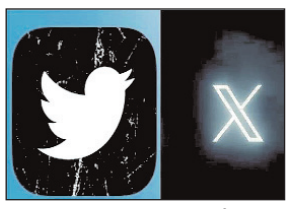

संस्थापक एलन एडम्सन ने कहा कि 'एक्स' से जुड़े मस्क के पुराने इतिहास को देखते हुए यह बदलाव आश्चर्यजनक नहीं है। टेस्ला के अरबपति मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क ने पिछले साल अक्टूबर में ट्वीट किया था, ट्विटर को खरीदना सभी सेवाएं मुहैया कराने वाली एक्स' ऐप की दिशा में उठाया गया कदम है। मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्प' को आमतौर पर स्पेसएक्स' के नाम से जाना जाता है।

अहमदिया मुस्लिमों के साथ खड़ी हुई मोदी सरकार

पाकिस्तान में तोड़ी जा रही मस्जिद, भड़का संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी। इस्लामाबाद

अहमदिया मुसलमान भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों में सुर्खियों में बने हुए हैं। भारत के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने अहमदिया मुस्लिमों को लेकर आंध्र प्रदेश के वक्फ बोर्ड की ओर से पारित प्रस्ताव में हस्तक्षेप किया है। वक्फ के इस प्रस्ताव में अहमदिया मुस्लिमों को 'काफिर' और 'गैर मुस्लिम' करार दिया गया था। भारत के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने सख्त लहजे में कहा कि वक्फ बोर्ड का फैसला घृणा का अभियान

है जिसका असर पूरे देश में हो सकता है। भारत में जहां मोदी सरकार ने अहमदिया मुस्लिमों का खुलकर समर्थन किया है, वहीं पाकिस?तान में मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन हिंसा पर उतर आए हैं। अहमदिया मुस्लिमों की मस्जिदों की मीनारों को जबरन तोड़ा जा रहा है और मुस्लिमों के इस समुदाय को सताया जा रहा है। पाकिस्तान में इस भयानक हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने शहबाज शरीफ सरकार को लताड़ लगाई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अहमदिया मुस्लिमों के खिलाफ पूरा एक अभियान चलाया जा रहा है। पाकिस्तान में पहले मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक या टीएलपी ने पिछले साल अभियान चलाया था कि अहमदिया मुस्लिमों को ईद उल अजहा के दिन कुबार्नी नहीं देने दी जाएगी।

ताइवानी सेना ने चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की शुरू की तैयारी

एजेंसी। ताइपे

चीन की सेना के हमले के खतरे का सामना कर रही ताइवानी सेना ने अब इस 'प्रलय' के दिन की तैयारी तेज कर दी है। ताइवान की सेना सोमवार से लेकर शुक्रवार तक एक व्यापक अभ्यास करने जा रही है। इस दौरान चीनी हवाई हमले से बचाव और आक्रमण की सूरत में ताइवानी लोगों को किस तरह से तैयार किया जाए, इसका अभ्यास किया जाएगा। ताइवानी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस दौरान लाइव फायर अभ्यास से लेकर सैनिकों की युद्धक तैयारी को परखा जाएगा। इस अभ्यास के दौरान आम नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर शरण लेनी होगी। इसके अलावा सड़कों पर मौजूद ड्राइवरों से कहा जाएगा कि वे अपनी कार को रोक

दें और उसे खाली कर दें। ताइवान के इस पूरे अभ्यास का मकसद चीनी हमले में कम से कम जनहानि हो, इसका प्रयास करना है। ताइवान यह अभ्यास ऐसे समय पर कर रहा है जब चीन बहुत ही आक्रामक व्यवहार दिखा रहा है और ताइवानी सरकार को डराने की कोशिश कर रहा है। चीन के फाइटर जेट अक्सर ताइवानी सीमा के पास घुसपैठ करते रहते हैं। इसके अलावा चीन के युद्धपोत ताइवान की जलसीमा के पास युद्धाभ्यास करते रहते हैं।

प्यार

मैं पूरी प्लानिंग से पाकिस्तान आई हूं

भारत के लिए जल्द करूंगी वापसी : अंजू प्रसाद

एजेंसी। स्लामाबाद

भारत से पाकिस्तान गई अंजू प्रसाद को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। खबरों में कहा जा रहा है कि वह अपने प्रेमी नसरुल्लाह से मिलने के लिए पाकिस्तान गई हैं तो वहीं खुद अंजू ने इन दावों को खारिज किया है। उनकी तुलना सीमा हैदर केस से की जा रही है जो हाल ही में पाकिस्तान से भारत आई हैं। हालांकि सीमा से उलट अंजू सभी वैध दस्तावेजों के साथ पाकिस्तान गई हैं। अब उनका एक वीडियो सामने आया है जिसे उन्होंने खुद रिकॉर्ड किया है। इसमें वह वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश करती हुई नजर आ रही हैं। एक दूसरे वीडियो में वह बताती हैं कि वह बिल्कुल सेफ हैं और जल्द वापस आ जाएंगी। पहले वीडियो में अंजू पाकिस्तान में प्रवेश करती हुई नजर आ रही हैं। वीडियो रिकॉर्ड करते हुए वह कहती हैं, 'ये है पाकिस्तान एंट्री बॉर्डर।' वीडियो के आखिर में वह खुद को भी रिकॉर्ड करने की कोशिश करती हैं। एक दूसरे वीडियो में अंजू एक अंधेरे कमरे

में बैठी नजर आ रही है। वह कहती हैं, 'मैं सबको यह मैसेज देना चाहती हूं कि मैं यहां पर लीगल तरीके से आई हूं। मैं अपनी प्लानिंग से आई हूं... यह कोई दो दिन की बात नहीं है कि मैं अचानक आ गई। मैं यहां पर सेफ हूं और कोई दिक्कत नहीं है। अंजू ने आगे कहा, 'जैसे मैं आई थी, वैसे ही मैं वापस जाऊंगी। मैं दो-तीन दिन में वापस आ जाऊंगी। मेरा सबसे अनुरोध है कि मेरे रिश्तेदारों और बच्चों को परेशान न करें, प्लीज... उन्हें परेशान न करें, जो भी बात करनी है आप मुझसे करें। मुझसे संपर्क कीजिए, मैं लाइन पर हूं, हर टाइम।' अंजू का कहना है कि वह पाकिस्तान सिर्फ घूमने आई हैं और उनका नसरुल्लाह से सगाई का कोई प्लान नहीं है। जबकि नसरुल्लाह का दावा है कि अगले कुछ दिनों में उनकी सगाई होने वाली है और दोनों का शादी का भी प्लान है। खबरों के अनुसार अंजू के पहुंचने से नसरुल्लाह के घर के आसपास जश्न का माहौल है। स्थानीय लोग अंजू का स्वागत कर रहे हैं और महिलाएं उन्हें तोहफे दे रही हैं। एक स्थानीय नागरिक ने कहा कि अंजू पख्तूनों की बहू हैं और हमारी मेहमान हैं। वह जब तक चाहें यहां रह सकती हैं और हम पूरी कोशिश करेंगे कि उन्हें कोई दिक्कत न हो। अंजू उत्तर प्रदेश की एक प्राइवेट कंपनी में काम करती हैं और 10 दिनों की छुट्टी लेकर पाकिस्तान गई हैं।

नेपाल के रास्ते दूसरी बार भारत में अवैध घुसपैठ करने वाले 2 चीनी नागरिक गिरफ्तार

काठमंडू। भारत की सीमा में अवैध घुसपैठ करने के आरोप में आव्रजन अधिकारियों ने बिहार में दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है । ये दोनों एक महीने से कम समय में दूसरी बार नेपाल के रास्ते भारतीय क्षेत्र में घुसे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। सहायक विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी एस.के. सिंह ने बताया कि उन्हें पूर्वी चंपारण जिले स्थित रक्सौल सीमा चौकी पर शनिवार रात गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान विदेशियों ने बताया कि उनके नाम झाओ जिंग और फू कांग हैं और वे दोनों चीन के जाओक्सिंग प्रांत के रहने वाले हैं। सिंह ने बताया के दोनों के पास वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे और उनका दावा था वे पासपोर्ट सीमा पार बीरगंज के एक होटल में भूल आए हैं जहां पर वे पिछली रात रुके थे। सिंह ने कहा, वे एक ऑटोरिक्शा से सीमा पर पहुंचे थे और पैदल भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने की कोशिश की। आव्रजन विभाग के अधिकारी ने कहा कि रिकॉर्ड के अनुसार चीनी नागरिकों ने इससे पहले दो जुलाई को भी भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि तब दोनों चीनी नागरिकों ने दावा किया था कि उन्होंने अनजाने में ऐसा किया।

पेज एक के शेष

सीएम ने आईपीएस में ...

सफर राज्य पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत एवं मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लगभग 158 आईपीएस के पद निर्धारित हैं, जिसमें से 110 पद सीधे यूपीएससी से रिक्रूट होते हैं, वहीं 48 पदों पर राज्य पुलिस सेवा के पदाधिकारी प्रोन्नत होकर आईपीएस सेवा में शामिल होते हैं। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आज जो नव प्रोन्नत 24 आईपीएस अधिकारी राज्य को मिल रहे हैं, ये झारखंड में विधि-व्यवस्था संधारण में मजबूती लाने के साथ-साथ पुलिस विभाग में अधिकारियों की कमी को कुछ हद तक भरने में सहायता प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने शुरूआती दिनों से ही राज्य में विभिन्न सेवा के कर्मियों एवं पदाधिकारियों को उनके हक और अधिकार देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई संवर्गों में तो लोग प्रभारी के रूप में कार्य करते-करते सेवानिवृत्त हो गए और उनकी प्रोन्नति से संबंधित फाइलें रुकीं रह गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रोन्नति से संबंधित समस्याओं को निपटाने का काम किया है। अब राज्य सरकार के कर्मियों को नियमानुसार प्रोन्नति मिलनी शुरू हो गई है।

इन आईपीएस अधिकारियों को किया गया सम्मानित

सरोजिनी लकड़ा, एमेल्डा एक्का, सादिक अनवर रिजवी, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार पांडेय और विजय आशीष कुजूर (सभी 2017 बैच), दीपक कुमार शर्मा, राजकुमार मेहता, शंभू कुमार सिंह, अजय कुमार सिन्हा, अनुदीप सिंह, पूज्य प्रकाश, सहदेव साव, अमित कुमार सिंह, अजीत कुमार, मुकेश कुमार, दीपक कुमार पांडेय और अनिमेष नैथानी (सभी बैच 2019), अजय कुमार-क आरिफ एकराम, डॉ. विमल कुमार, मनीष टोप्पो, कैलाश करमाली और पीतांबर सिंह खेरवार (सभी बैच 2020) शामिल थे। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग अविनाश कुमार, डीजीपी अजय कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) अनुराग गुप्ता, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे सहित भारतीय पुलिस सेवा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं नव प्रोन्नत 24 भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने नव प्रोन्नत भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों से कहा कि आप अपने कर्म क्षेत्र में निर्भीक होकर जिम्मेदारी का निर्वहन करें, राज्य सरकार झारखंड की आम जनमानस के साथ-साथ सरकार के अधिकारियों का भी मान-सम्मान एवं अधिकार का पूरा ख्याल रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने सरकारी कर्मियों को पुरानी पेंशन की सौगात दी है। हमारे राज्य में कुछ ऐसे सरकारी कर्मी हैं जो अब रिटायरमेंट के कगार पर हैं और वे काफी खुश और उत्सुक दिख रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि राज्य सरकार अब उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ देगी, जो बुढ़ापे की लाठी के रूप में सेवानिवृत्त कर्मियों को जीवन भर सहायता करेगी।

भारतीय रॉकेट पीएसएलवी....

स्ट्राइडर उपग्रह एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग के तहत विकसित किया गया है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि पीएसएलवी-सी56 रॉकेट आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट में पहले लॉन्च पैड से लॉन्च होगा। प्रस्तावित रॉकेट मिशन लगभग दो सप्ताह की अवधि में इसरो के लिए दूसरा रॉकेट मिशन है। 14 जुलाई को इसरो रॉकेट एलवीएम ने चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को कक्षा में स्थापित किया। अंतरिक्ष विभाग की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) ने सिंगापुर के उपग्रहों को लॉन्च करने के लिए पीएसएलवी-सी 56 रॉकेट को लिया है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

भारत ने दुनिया को दिखाया तकनीक और परंपराएं साथ-साथ चल सकती हैं : राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत ने दुनिया को दिखाया कि तकनीक और परंपराएं साथ-साथ चल सकती हैं। भारतीय वन सेवा के प्रोबैशनर (2022 बैच) और भारतीय रक्षा संपदा सेवा (2018 और 2022 बैच) के अधिकारियों व प्रशिक्षुओं ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवकों के रूप में उनकी यात्रा ऐसे समय में शुरू हुई है जब भारत वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की भूमिका हासिल कर रहा है। भारत अपनी सांस्कृतिक समृद्धि के साथ-साथ अपनी तकनीकी प्रगति के लिए वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है। भारत ने दुनिया को दिखाया है कि तकनीक और परंपराएं साथ-साथ चल सकती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह भारतीय रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं और सुविधाएं पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ हों। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी सुशासन के लिए एक महान समर्थक है और इसलिए, उन्हें डोमेन विशेषज्ञता के साथ-साथ अपने तकनीकी कौशल को अद्यतन करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि छावनियों के प्रभावी प्रशासन और रक्षा भूमि के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम संभव उपयोग किया जाना चाहिए।

भारतीय वन सेवा के परिवीक्षाधीनों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की जलवायु और स्थलाकृति इसके वन वितरण से निकटता से जुड़ी हुई है। वन और उनके द्वारा समर्थित वन्य जीवन हमारे देश के अमूल्य संसाधन और विरासत हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय गिरावट, वन क्षेत्र में कमी, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरे वैश्विक चर्चा और साझेदारी में केंद्र स्तर पर हैं। इसीलिए पर्यावरण संरक्षण 21वीं सदी के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय बन गया है। भारत ने दुनिया को 'लाइफ-लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' का मंत्र दिया है। वन समाधान का एक अभिन्न अंग हैं और भारतीय वन सेवा के अधिकारी समाधान प्रदाताओं में से हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे इस मंत्र के व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए अथक प्रयास करें।

सुप्रीम कोर्ट ने सत्येन्द्र जैन की अंतरिम जमानत पांच हफ्ते और बढ़ाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी द्वारा दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मेडिकल ग्राउंड पर दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को दी गई अंतरिम जमानत सोमवार को फिर से पांच हफ्ते के लिए बढ़ा दी। इससे पहले अदालत ने 10 जुलाई को जैन की अंतरिम जमानत 24 जुलाई तक बढ़ा दी थी। 26 मई को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री को अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज कराने के लिए छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दी थी। शीर्ष अदालत में यह दलील दी गई कि जैन की स्वास्थ्य समस्याएं जटिल हैं और उनका वजन 30 किलो कम हो गया है। अप्रैल में, दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैन और उनके दो सहयोगियों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

उप्र एटीएस की छह जिलों में छापेमारी

अवैध रूप से रह रहे 74 रोहिंग्या गिरफ्तार

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने छह जिलों में छापेमारी करके 74 रोहिंग्या को गिरफ्तार किया है। सबसे ज्यादा 31 रोहिंग्या मथुरा से गिरफ्तार किए गए हैं। ये सभी अवैध रूप से रह रहे थे। एटीएस के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रदेश में अवैध रूप से आवासित रोहिंग्या के विरुद्ध एक विशेष अभियान चलाया गया था। इसके तहत अवैध रूप से आवासित कुल 74 रोहिंग्या गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें सहारनपुर से दो पुरुष, मेरठ से दो पुरुष, एक पुरुष बाल अपचारी और एक महिला अपचारी, हापुड़ से 12 पुरुष, एक महिला, दो पुरुष बाल अपचारी, एक महिला बाल अपचारी,

गाजियाबाद से तीन पुरुष, एक महिला, अलीगढ़ से सात पुरुष, 10 महिला, मथुरा से 29 पुरुष और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। अल्हेपुर और कोटा गांव में झोपड़ी डालकर रह रहे 40 रोहिंग्या को एटीएस की टीम ने पकड़ा है। गोपनीय तरीके से आठ घंटे तक ये कार्रवाई आधी रात के बाद शुरू की गई थी। जिन जिलों से इनकी गिरफ्तारी हुई है, वहीं पर इन सभी के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया गया है।

उमर खालिद की बेल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। उमर खालिद को 2020 के दिल्ली दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और बेला एम त्रिवेदी की पीठ से याचिकाकर्ता के वकील ने सुनवाई पर एक सप्ताह की अवधि के लिए स्थगन की मांग की थी। इसके मद्देनजर सुनवाई को स्थगित कर दिया गया। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह मामला 9 अगस्त को सूचीबद्ध होने की संभावना है।

मणिपुर हिंसा के खिलाफ आज देश भर में विरोध प्रदर्शन करेगी आप

एजेंसी। नई दिल्ली

मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर आम आदमी पार्टी मंगलवार को देशभर में विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से तत्काल दखल देने की मांग भी की है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने सोमवार को बताया कि मणिपुर पिछले तीन महीनों से हिंसा और वहशीपन की आग में दहक रहा है। वहां सरेआम लोगों को मारा-काटा और मकान जलाए जा रहे हैं। महिलाओं के साथ बर्बरता की हदें पार की जा रही हैं, लेकिन वहां की भाजपा सरकार इस पर कुछ करने की जगह हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। राय ने कहा कि मणिपुर में हो रही हिंसा को वहां की भाजपा सरकार शांत करने के बदले उल्टे भड़का रही है। समुदायों के बीच नफरत फैलाई जा रही है। इन सबके बीच सबसे दुखद और आश्चर्यजनक यह है कि केंद्र सरकार भी इस पर कुछ करने के बजाय मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में जारी इस भीषण हिंसा में दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों लोग अनाथ हो गए और हजारों लोग पलायन कर अन्य राज्यों में भाग गए। महिलाओं की सरेआम आबरू लूटी गई लेकिन राज्य से लेकर केंद्र तक की सरकारें चुप हैं। यह सब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसके खिलाफ 'आप' आज पूरे देश में सड़कों पर उतरेगी। राय ने कहा कि पार्टी ने देश के सभी कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का अनुरोध किया है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी की गई है। इस मुद्दे को लेकर आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संसद में प्रधानमंत्री को बयान देना चाहिए।

मणिपुर मुद्दे पर गतिरोध के बीच लोस आज तक के लिए स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के लगातार हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार (25 जुलाई) तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष मणिपुर के मौजूदा हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जवाब चाहता है। दोपहर 2:30 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर अमित शाह ने कहा कि सरकार मणिपुर संकट पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष अपने रुख पर अड़ा रहा और लोकसभा में मोदी के जवाब की मांग करता रहा। गृहमंत्री ने सदन में खड़े होकर विरोध कर रहे विपक्ष से आग्रह किया कि वे चर्चा होने दें, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और देश को वहां मौजूद संवेदनशील स्थिति की

वास्तविकता पता चलनी चाहिए। उन्होंने आश्चर्य जताया कि विपक्ष को मणिपुर पर चर्चा करने में दिलचस्पी क्यों नहीं है। हालांकि विपक्ष अपने रुख पर कायम है और मणिपुर मुद्दे पर लोकसभा में मोदी से जवाब मांग रहा है। यहां तक कि स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष से आग्रह किया कि वह गृहमंत्री को मणिपुर पर चर्चा शुरू करने की अनुमति दें, क्योंकि गृह मंत्रालय राज्य में मौजूदा स्थिति के लिए नोडल मंत्रालय है। बिरला ने कहा, "विपक्ष इस मामले पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया मांगकर एक नई परंपरा स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, जो सही नहीं है।" हालांकि, जब कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने नारेबाजी जारी रखी, तो बिड़ला ने सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले बार-बार स्थगन और विपक्ष के विरोध के बीच निचले सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती रही। हंगामे के कारण लोकसभा में कुछ ही विधेयक पेश किए जा सके और प्रश्नकाल आधे घंटे तक चला।

अजित पवार ने अपने व शिंदे गुट के नाराज विधायकों को 25-25 करोड़ से ज्यादा की राशि आवंटित की

जिसके बाद कहा जाने लगा है-पच्चीस खोखे, सब कुछ ओके!

आरएनएम। नई दिल्ली

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री अजित पवार ने वित्त मंत्रालय संभालते ही अपनी पार्टी के विधायकों पर धनवर्षा कर दी है। उन्होंने एनसीपी (अजित गुट) के विधायकों को उनके विधानसभा क्षेत्र में 25 करोड़ रुपये और इससे ज्यादा के विकास कार्यों के लिए धन का आवंटन किया है। इस आवंटन के लिए सप्लीमेंट्री डिमांड में स्पेशल प्रोविजन किया गया था। चर्चा है कि अजित पवार ने इसी तरह एकनाथ शिंदे गुट के भी कुछ उन विधायकों को भी खुश करने की कोशिश की है जो मंत्री नहीं बनाये जाने से नाराज हैं। जिसको लेकर विपक्षी दल के नेता कहने लगे हैं - पच्चीस खोखे, सब कुछ ओके। बीते सप्ताह विभागों का बंटवारा होते ही अजित पवार ने अपने साथ आए विधायकों के क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए फंड जारी किया। इससे पहले अजित समर्थक एनसीपी विधायकों से विकास कार्यों की सूची मांगी गई थी। पिछले सप्ताह ही वित्त विभाग ने महाराष्ट्र विधानसभा के दोनों सदनों में सप्लीमेंट्री मांगें प्रस्तुत की, जिसमें विकास कार्यों के लिए 1,500 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान किया गया। मालूम हो कि एनसीपी में दो फाड़ के समय से ही अजित गुट की तरफ से विकास कार्यों के लिए धन की बात कही जा रही थी। शरद पवार से मुलाकात के दौरान अजित गुट ने सरकार में शामिल होने के लिए यही वजह भी बताई है। सो इस तरह अजित पवार ने अपनी पार्टी के विधायकों के लिए 25 से 50 करोड़ रुपये का फंड जारी किया है।

शिंदे मुख्यमंत्री रहेंगे या अजित पवार मुख्यमंत्री बनेंगे?

जिसको पहले सत्तर हजार करोड़ रूपये के घोटालों का आरोपी बताया गया, उसके कुछ दिन बाद उसे उपमुख्यमंत्री पद का शपथ दिलवा दिया गया, उसके कुछ दिन बाद उसको वित्त मंत्रालय दे दिया गया। अब चर्चा है कि उसको मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक राजनीतिकों से लेकर उद्योगपतियों तक में इसको लेकर तरह -तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। जिस पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बयान दिया है कि अभी सीएम एकनाथ शिंदे हैं और महायुति के सीएम वहीं बने रहेंगे। उन्होंने यह बात कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर कहा, आजकल कई वरिष्ठ नेता अटकलें लगाते हुए देखे जा सकते हैं। वे जितना चाहे अटकलें लगा सकते हैं। जब हमने महायुति गठबंधन बनाया था, तो तीनों दलों के तीनों नेताओं का स्पष्ट मानना था कि सीएम एकनाथ शिंदे हैं और वह महायुति के सीएम बने रहेंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने पत्रकारों के सवाल पर कहा था, मैं अपने सूत्रों का खुलासा नहीं कर सकता। मैंने एनसीपी में विभाजन के तुरंत बाद इसके बारे में बात की थी। यह सिर्फ कुछ जानकारी के आधार पर एक विश्लेषण है। एकनाथ शिंदे समूह के खिलाफ दल बदल विरोधी निर्णय, 10 अगस्त के आसपास दिया जाएगा।

साहस

रैली 'कारगिल विजय दिवस' पर युद्ध स्मारक पर होगी समाप्त

महिला मोटरसाइकिल रैली कारगिल के लिए रवाना

एजेंसी। श्रीनगर

श्रीनगर स्थित 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने 25 सदस्यीय नारी सशक्तीकरण महिला मोटरसाइकिल रैली के एक दल को सोमवार को यहां से द्रास के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रीनगर स्थित रक्षा प्रवक्ता ने कहा, मोटरसाइकिल रैली 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर कारगिल युद्ध स्मारक पर समाप्त होगी। उधमपुर से श्रीनगर 22/23 जुलाई की मध्यरात्रि को पहुंची रैली का जीओसी 31 सब एरिया मेजर जनरल पीबीएस लांबा ने स्वागत किया। पाकिस्तान पर 1999 के कारगिल युद्ध में जीत के 24 साल पूरे होने और महिलाओं की अदम्य भावना को प्रदर्शित करने के लिए मुख्यालय उत्तरी कमान के तत्वावधान में सशस्त्र बलों ने 18 जुलाई को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नयी

दिल्ली से कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास तक नारी सशक्तीकरण महिला मोटरसाइकिल रैली शुरू की है। श्रीनगर के रास्ते में रैली जम्मू और कश्मीर में चंद्रकोट, बनिहाल और वुजूर स्थानों पर तीन बार रुकी। श्रीनगर प्रवास के दौरान रैली टीम ने एपीएस छात्रों और एनसीसी कैडेटों के साथ बातचीत करने के लिए एक स्कूल समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दिग्गजों की उपस्थिति मौजूद थी। इस दौरान उप मेजर संजय कुमार, विशाल बत्रा और उप अजीम खान (सेवानिवृत्त) ने भी कारगिल युद्ध से संबंधित बहादुरी और सौहार्द के अपने अनुभव पर चर्चा की। टीम के सदस्यों ने 24 जुलाई को बीबी कैंट स्थित युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, जीओसी 15 कोर के साथ-साथ श्रीमती सविता घई, जोनल अध्यक्ष, एडब्ल्यूडब्ल्यूए ने कारगिल विजय दिवस समारोह के हिस्से के रूप में कार्य करने के लिए पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह रैली कश्मीर में युवाओं विशेषकर लड़कियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने और जीवन में आने वाली चुनौतियों का साहसपूर्वक मुकाबला करने के लिए प्रेरित करने में काफी मदद करेगी। प्रतिभागी हाल ही में टीवीएस समूह द्वारा लॉन्च की गई 250 सीसी रोनिन मोटरसाइकिलों पर सवार हैं और ऑटोमोबाइल समूह इस कार्यक्रम के संचालन में सेना के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है।

FILMY हलचल

बोर्ड ने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से ममता बनर्जी का संदर्भ हटाने के लिए कहा

आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीएफबीसी) ने

निर्माताओं को फिल्म से कुछ शब्द, संवाद और संदर्भ हटाने के लिए कहा है। निर्माताओं से अन्य बदलावों के बीच अपशब्दों, लोकसभा का उल्लेख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संदर्भ को हटाने के लिए कहा गया है। निर्माताओं से फिल्म में कई बार इस्तेमाल की गई एक प्रचलित लेकिन अपमानजनक गाली भी हटाने के लिए कहा गया है। इस शब्द की जगह निर्माताओं ने अब 'बहन दी' शब्द का इस्तेमाल किया है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीएफसी ने एक संवाद से लोकसभा का उल्लेख हटाने और इसके स्थान पर कोई दूसरा टर्म इस्तेमाल न करने के लिए भी कहा है।

एनआरआई की हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है सीरीज 'कोहरा'

अपराध की जांच पर आधारित सीरीज 'कोहरा' में प्रतिभाशाली एक्टर सुविंदर विक्की ने 'बलबीर' की दमदार भूमिका निभाई है। बलबीर अन्य पात्रों के साथ करुणा और दयालुता से पेश आते हैं। अभिनेता सुविंदर विक्की ने कहा कि "इस सीरीज में मानवीय खामियों को चित्रित करने वाली कहानी के बीच प्यार की आदर्श छाया भी है, जो दयालुता दिखाती है।" सीरीज की स्टोरी लाइन सामान्य कहानियों से अलग है। 'कोहरा' की कहानी में कई रंग उजागर होते हैं। यह मानव स्वभाव पर प्रकाश डालते हुए हमारे रोजमर्रा के जीवन में आने वाले रिश्तों को दिखाता है।

सुपरहिट होने के बाद भी 'गदर' नहीं दे सका अमीषा को ऊंची उड़ान

एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने 2000 में ब्लॉकबस्टर 'कहो ना... प्यार है' से बॉलीवुड में डेब्यू किया और एक साल बाद उन्हें 2001 में मेगा ब्लॉकबस्टर 'गदरः एक प्रेम कथा' में देखा गया। यह फिल्म उनके करियर के लिए गेम चेंजर साबित हुई, लेकिन एक्ट्रेस का कहना है कि फिल्म का एक नेगेटिव साइड भी था। दो घंटे पचास मिनट की अवधि वाली फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' 1990 के दशक के बाद से भारत में दूसरी सबसे ज्यादा देखी जाने वाली हिंदी फिल्म है। यह 1994 की फिल्म 'हम आपके हैं कौन..!' के बाद सबसे ज्यादा

कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई। अमीषा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैं निश्चित रूप से इस बात से सहमत हूं कि 'गदर' मेरे करियर के लिए गेम चेंजर थी। 'कहो ना प्यार है' के बाद 'गदर' एक और बड़ी हिट रही। इसने मुझे दो चीजें दीं। यह एक गेम चेंजर थी, क्योंकि अचानक इसने मुझे कलाकार के रूप में पहचान दिलाई। साथ ही, कम उम्र में एक्टिंग का अनुभव भी बढ़ाया। कॉलेज की लड़की एक मां की भूमिका निभा सकती है, उस वक्त इस पर हर कोई हैरान था। 47 वर्षीय एक्ट्रेस ने साझा किया कि न केवल तब, बल्कि आज भी जब सीक्वल रिलीज होने वाला होता है, तो लोग स्क्रीन पर मां की भूमिका निभाने को लेकर उनसे सवाल करते हैं।